नई दिल्ली ■ शुक्रवार, 06 जून 2025 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 67 ■ पृष्ठ 12

जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून एवं करनाल से प्रकाशित

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

04 खतरनाक रूप लेता रूस-यूक्रेन युद्ध | 11 इंडिया ए और इंग्लैंड लायंस के बीच दूसरा टेस्ट | अजय के साथ 'धमाल 4' में धमाल मचायेगी ईशा 10

असम में बाढ़ से स्थिति गंभीर, 21 जिलों में सात लाख से अधिक लोग प्रभावित

गुवाहाटी। असम में बाढ़ के कारण स्थिति गुरुवार को भी गंभीर बनी रही और 21 जिलों में करीब सात लाख लोग प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि राज्य में प्रमुख नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि बाढ़ व भूस्खलन से मरने वालों की संख्या बढ़कर 19 हो गई है और बुधवार को दो लोगों की मौत की खबर है तथा कछार जिले में एक व्यक्ति लापता है।

अधिकारियों ने बताया कि राज्य भर में ब्रह्मपुत्र समेत नौ प्रमुख नदियां जबकि बराक नदी कछार जिले में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है और इसकी सहायक नदियों का जलस्तर भी बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि कुछ नदियां लाल निशान से ऊपर बह रही हैं। मौजूदा समय में बाढ़ से 1,494 गांव प्रभावित हैं, जिनमें सबसे अधिक श्रीभूमि में 339 गांव, नागांव में 189, कछार में 166 और हैलाकांडी जिलों में 156 गांव शामिल हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के बुलेटिन के अनुसार, श्रीभूमि सबसे अधिक प्रभाव पड़ा है, क्योंकि यहां की 2,59,601 आबादी बाढ़ से प्रभावित हुई है जबकि हैलाकांडी में 1,72,439 और नागांव में 1,02,716 लोग पानी भर जाने की समस्या से जूझ रहे हैं। बुलेटिन में बताया गया कि अब तक कुल 14977.99 हेक्टेयर फसल क्षेत्र बाढ़ से जलमग्न हो गया है और करीब 5,15,737 मवेशी प्रभावित हुए हैं। जिला अधिकारियों ने 405 राहत शिविर स्थापित किये हैं, जहां 41,317 लोगों ने शरण ली है। उन्होंने 1,12,324 राहत वितरण केंद्र भी स्थापित किये हैं।

राज्य के विभिन्न हिस्सों से सड़कों, पुलों, शैक्षणिक संस्थानों, आंगनवाड़ी केंद्रों, बिजली के खंभों और अन्य बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचने की खबरें आई हैं। प्रभावित जिलों में हैलाकांडी, डिब्रूगढ़, मोरीगांव, होजई, कामरूप, नागांव, गोलाघाट, बिवनाथ, कछार, श्रीभूमि, सोनितपुर, लखीमपुर, दरांग, बारपेटा, गोलपाड़ा, दक्षिण सलमारा, कार्बी आंगलोंग पश्चिम, दीमा हसाओ, शिवसागर, कामरूप (मेट्रो) और धेमाजी शामिल हैं। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) के प्रवक्ता ने बताया कि रेलवे पटरियों पर जलभराव के कारण दक्षिणी असम के विभिन्न हिस्सों, खासकर सिलचर में ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुई हैं। प्रवक्ता ने बताया कि रेलवे कर्मी पटरियों को साफ करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कुछ छोटी दूरी की यात्री ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं लेकिन लंबी दूरी की ट्रेनें चल रही हैं।

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने उत्तरी गुवाहाटी में बाढ़ प्रभावित शहरी क्षेत्रों का दौरा किया और बढ़ते जलस्तर के प्रभाव से जूझ रहे लोगों से बातचीत की। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, 'मैंने उत्तरी गुवाहाटी में बाढ़ से प्रभावित लोगों से मुलाकात की। हमने उन्हें आश्रय गृहों में रखा है और सुनिश्चित किया है कि उन्हें सभी सुविधाएं उपलब्ध हों।' मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले दिनों में हम प्रभावित क्षेत्र में बाढ़ से जमा होने वाले पानी को कम करने के लिए जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए काम करेंगे।

गंगा दशहरा पर राम मंदिर में 'राजा राम' और अन्य देव विग्रहों की प्राण-प्रतिष्ठा हुई

अयोध्या। अयोध्या स्थित राम जन्मभूमि मंदिर के प्रथम तल पर भगवान राजा राम, देवी सीता, भाई लक्ष्मण,भरत शत्रुघ्न और राम भक्त हनुमान से सजे राम दरबार का पूरे विधि-विधान से प्राण प्रतिष्ठा की गई। इस अवसर पर राम जन्मभूमि मंदिर परिसर में बने आठ मंदिरों में भी देव विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा की गई। इस आयोजन के दौरान शहर में उत्सव का माहौल रहा मंदिर परिसर को और आसपास के इलाकों को रंगीन रोशनी और फूलों से सजाया गया था। पुजारी भजनों और विस्तृत अनुष्ठानों के बीच राजा राम की लगभग पांच फुट ऊंची सफेद संगमरमर से बने विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के लिए राम मंदिर की पहली मंजिल पर एकत्र हुए।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हुआ यह अनुष्ठान इस मंदिर में आयोजित दूसरा प्रमुख प्राण-प्रतिष्ठा समारोह था। इससे पहले, 22 जनवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में राम लला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। गुरुवार का यह समारोह 'अभिजीत मुहूर्त' के दौरान हुआ। हिंदू पंचांग में इसे सबसे शुभ घड़ियों में से एक माना जाता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रामकथा हेलीपैड पर उतरने के बाद सबसे पहले हनुमानगढ़ी मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने भगवान बजरंगबली की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। हनुमानगढ़ी में पूजा के बाद वे राम जन्मभूमि मंदिर की ओर रवाना हुए। एक बयान के मुताबिक राम मंदिर पहुंचकर मुख्यमंत्री ने भगवान राम की विधिवत पूजा की और उनकी आरती उतारी। इस दौरान मंदिर परिसर में उपस्थित श्रद्धालुओं ने जय श्रीराम के जयकारे लगाए। मुख्यमंत्री ने भक्तों के साथ संवाद किया और उनका अभिवादन स्वीकार किया। मुख्यमंत्री योगी ने राम जन्मभूमि मंदिर के प्रथम तल पर स्थापित राम दरबार में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हिस्सा लिया।

इस समारोह में मां सीता के साथ सिंहासन पर विराजमान भगवान राम, उनके साथ खड़े भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न के विग्रहों के साथ-साथ भगवान हनुमान के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा वैदिक विधि-विधान से संपन्न हुई। मुख्यमंत्री ने श्रीरामलला मंदिर के मुख्य परिसर में स्थित अन्य मंदिरों में भी गये, जहां विभिन्न देव विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई।

मंदिर में राम दरबार के अलावा परिसर में बने जिन आठ मंदिरों में देव विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा की गई उनमें परकोटे के उत्तर-पूर्व (ईशान) कोने में भगवान शिव, दक्षिण-पूर्व (अग्नि) कोने में भगवान गणेश, दक्षिणी शाखा में भगवान हनुमान, दक्षिण-पश्चिम कोने में सूर्य देव, उत्तर-पश्चिम (वायव्य) कोने में देवी भगवती और उत्तरी शाखा में देवी अन्नपूर्णा शामिल हैं। इन सभी मंदिरों में प्राण प्रतिष्ठा समारोह वैदिक रीति से संपन्न हुआ, जिसमें मुख्यमंत्री ने हिस्सा लिया। पारंपरिक नागर शैली में निर्मित यह मंदिर 360 फुट लंबा, 235 फुट चौड़ा और 161 फुट ऊंचा है। 2.77 एकड़ में फैले इस तीन मंजिला ढांचे में 392 नक्काशीदार खंभे, 44 दरवाजे और हिंदू देवी-देवताओं की शानदार नक्काशीदार प्रतिमाएं हैं। त्रिदिवसीय समारोह के अंतिम दिन प्रातः साढ़े छह बजे से आह्वानित देवताओं का यज्ञमंडप में पूजन प्रारम्भ हुआ जो दो घंटे चला। इसके पश्चात नौ बजे से हवन शुरू हुआ जो घंटे भर चला। बाद में केंद्रीयकृत व्यवस्था के अंतर्गत एक साथ सभी देवालयों में प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान प्रारंभ हुआ।

जयपुर में सफेद संगमरमर से 'राम दरबार' को बनाया गया है। इसमें लगभग पांच फुट ऊंची राम की प्रतिमा के अलावा, देवी सीता, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न और हनुमान की मूर्तियां भी हैं। वर्ष 2020 में शुरू हुए मंदिर निर्माण के पूर्ण होने की दिशा में यह एक और अहम पड़ाव है। प्रशासन द्वारा उद्घाटन समारोह के दौरान वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध और मंदिर ट्रस्ट द्वारा गुरुवार को पूर्वाह्न नौ बजे से अपराह्न तीन बजे के बीच आगंतुकों को मंदिर में प्रवेश के लिए पास जारी न करने का निर्णय, भक्तों को रोकने में विफल रहा, जिनमें से कई नेपाल से भी आए थे, जो अयोध्या में 'राजा' के रूप में भगवान राम के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा समारोह देखने आए थे।

नेपाल की राजधानी काठमांडू के गोगन प्रसाद ऐसे ही एक भक्त थे। प्रसाद ने कहा कि 'मैंने इस पल का लंबे समय से इंतजार किया है। मैं भगवान राम के दर्शन करने के अवसर के लिए एक साल से अधिक समय से प्रार्थना कर रहा था। अब वह इच्छा पूरी होगी। प्रसाद भक्तों के एक बड़े समूह के साथ नेपाल से अयोध्या आए थे। भक्तों में एक मुस्लिम महिला भी शामिल थी, जो पारंपरिक परिधान बुर्का पहनकर आई थी और भजन गा रही थी। वह मंदिर में प्रवेश के लिए प्रशासन की अनुमति का इंतजार कर रही थी।

श्री राम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के न्यासी अनिल मिश्रा ने कहा कि यह समारोह देश के विभिन्न हिस्सों से आए धार्मिक विद्वानों की भागीदारी में वैदिक परंपराओं के अनुरूप संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि गंगा दशहरा का दिन एक नयी शुरुआत का प्रतीक होगा। यह वह पल होगा, जब सदियों की तपस्या, संघर्ष और आस्था का फल मूर्त रूप में प्रकट होगा। समारोह के दौरान स्थानीय लोगों और तीर्थयात्रियों का मंदिर परिसर में तांता लगा रहा। इस कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गए थे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अयोध्या के चारों ओर त्रि-स्तरीय सुरक्षा घेरा बनाया गया है। कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मियों के साथ-साथ ड्रोन रोधी तकनीक, सीसीटीवी कैमरे और उन्नत निगरानी प्रणाली तैनात की गई है।

अयोध्या के ज्योतिषी पंडित कल्कि राम ने कहा कि गंगा दशहरा पर किया गया कोई भी शुभ कार्य कई गुना फल देता है। शायद यही वजह है कि राम मंदिर ट्रस्ट ने राजा राम की प्राण प्रतिष्ठा के लिए इस दिन को चुना। अयोध्या में रसिक निवास मंदिर के मुख्य पुजारी महंत रघुवर शरण ने समारोह से पहले बताया कि इस साल गंगा दशहरा ऐतिहासिक होगा, क्योंकि 500 वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद भगवान राम के 'राजा राम' स्वरूप को अयोध्या में राम मंदिर की पहली मंजिल पर औपचारिक रूप से प्रतिष्ठापित किया जाएगा।

राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा गौरवशाली और ऐतिहासिक अवसर: प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अयोध्या ने 'राम दरबार' की प्राण प्रतिष्ठा और राम जन्मभूमि परिसर में आठ नवनिर्मित मंदिरों में मूर्तियों की स्थापना के बाद एक और गौरवशाली और ऐतिहासिक क्षण देखा है। यह अनुष्ठान मंदिर में दूसरा बड़ा प्राण प्रतिष्ठा समारोह था, इससे पहले प्रधानमंत्री की उपस्थिति में 22 जनवरी 2024 को राम लला की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर कहा, 'भव्य-दिव्य राम दरबार की प्राण-प्रतिष्ठा का ये पावन अवसर समस्त रामभक्तों को श्रद्धा और आनंद से भावविभोर करने वाला है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी कामना है कि भगवान श्री राम सभी देशवासियों को सुख-समृद्धि और आरोग्य का आशीर्वाद दें।

विश्व पर्यावरण दिवस पर मोदी ने प्रधानमंत्री आवास पर लगाया सिंदूर का पौधा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गुरुवार को अपने आवास पर 'सिंदूर' का एक पौधा लगाया जो उन्हें 1971 के युद्ध के दौरान उल्लेखनीय साहस दिखाने वाली महिलाओं के एक समूह ने भेंट किया था। भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था। इस ऑपरेशन के मद्देनजर इस पौधे को लगाने का विशेष महत्व है।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, '1971 के युद्ध में साहस और पराक्रम की अद्भुत मिसाल पेश करने वाली कच्छ की वीरांगना माताओं-बहनों ने हाल में गुजरात के दौरे पर मुझे सिंदूर का पौधा भेंट किया था। विश्व पर्यावरण दिवस पर आज मुझे उस पौधे को नयी दिल्ली स्थित प्रधानमंत्री आवास में लगाने का सौभाग्य मिला है।' प्रधानमंत्री ने इन महिलाओं से वादा किया था कि वह अपने 7, लोक कल्याण मार्ग स्थित आवास पर यह पौधा लगाएंगे। मोदी ने कहा कि यह पौधा हमारे देश की नारीशक्ति के शौर्य और प्रेरणा का सशक्त प्रतीक बना रहेगा। मोदी ने 'एक्स' पर साझा किए गए एक वीडियो संदेश में कहा कि वैश्विक जलवायु की सुरक्षा के लिए प्रत्येक देश को स्वार्थ से ऊपर उठना होगा। उन्होंने कहा कि इस वर्ष के विश्व पर्यावरण दिवस की विषय वस्तु प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना है और भारत पिछले चार-पांच साल से इस दिशा में लगातार काम कर रहा है। मोदी ने कहा कि संसाधनों का सोच-समझकर उपयोग करने और टिकाऊ जीवनशैली अपनाने की वकालत करने वाला 'मिशन लाइफ' दुनिया भर में एक जन आंदोलन बन रहा है।

उन्होंने कहा कि लाखों लोगों ने अपने दैनिक जीवन में अपशिष्ट कम करने, पुनः उपयोग करने और पुनर्चक्रण के मंत्र को अपनाया है। मोदी ने पृथ्वी की रक्षा करने और इसके समक्ष आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए प्रयास तेज करने का बृहस्पतिवार को आह्वान किया। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'आइए, इस विश्व पर्यावरण दिवस पर हम अपने ग्रह की रक्षा करने और हमारे सामने मौजूद चुनौतियों से निपटने की दिशा में अपने प्रयासों को और तेज करें। मैं उन सभी लोगों की भी सराहना करता हूं जो हमारे पर्यावरण को हरा-भरा और बेहतर बनाने के लिए जमीनी स्तर पर काम कर रहे हैं।' संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, 1973 से पांच जून को प्रतिवर्ष संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) के नेतृत्व में मनाया जाने वाला विश्व पर्यावरण दिवस पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने का सबसे बड़ा वैश्विक मंच है।

मप्र: ट्रक अनियंत्रित होकर ऑटोरिक्शा पर पलटा, सात लोगों की मौत

रीवा। मध्यप्रदेश के रीवा जिले में गुरुवार को एक ट्रक पलट जाने के बाद ऑटोरिक्शा से टकरा गया, जिसके कारण सात लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए।

पुलिस के मुताबिक, यह दुर्घटना राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर अपराह्न करीब 2.30 बजे हुई, जब ऑटोरिक्शा में सवार लोग उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में गंगा नदी में स्नान कर लौट रहे थे। दुर्घटनास्थल जिला मुख्यालय से लगभग 70 किलोमीटर की दूरी पर है। मृतकों में चार बच्चे, दो पुरुष और एक महिला शामिल हैं। इस घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने बचाव अभियान शुरू किया और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) विवेक लाल ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग-30 से गुजर रहा ट्रक अनियंत्रित होकर एक ऑटोरिक्शा पर पलट गया, जिससे उसमें सवार लोग फंस गए। उन्होंने बताया कि दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गये।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन ने बाद में दम तोड़ दिया। ऑटोरिक्शा में सवार यात्री प्रयागराज में गंगा नदी में स्नान करने के बाद रीवा की सीमा से लगे मऊगंज जिले के नयीगढ़ी लौट रहे थे। एएसपी ने बताया कि ट्रक प्रयागराज से रीवा जा रहा था।

उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान रामजीत जायसवाल, पिंकी, हीरालाल जायसवाल, प्रवीण (12), अंबिका (8), मानसी (7) और अरविंद (6) के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह पता लगाने के लिए जांच चल रही है कि दुर्घटना लापरवाही के कारण हुई या तकनीकी खराबी के कारण।

जम्मू-कश्मीर: आतंकवादी साजिश की जांच के लिए NIA ने 32 ठिकानों पर छापे मारे

श्रीनगर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले सहित कई इलाकों में गुरुवार की सुबह आतंकवाद से जुड़े मामलों में बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान एनआई ने 32 जगहों पर छापे मारे। इसमें शोपियां, कुलगाम, सोपोर और बारामूला जैसे क्षेत्र शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक, यह कार्रवाई आतंकवादी साजिश और विभिन्न आतंकवादी संगठनों के ओवरग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) से जुड़े हैं। एनआईए की यह कार्रवाई आतंकवादी गतिविधियों को रोकने और उनके नेटवर्क को तोड़ने के उद्देश्य से की गई। इससे पहले एसआईए ने जम्मू संभाग के चार जिलों में 18 जगहों पर तलाशी अभियान शुरू किया था। एनआईए ने 5 अक्टूबर को 5 राज्यों के 22 ठिकानों पर आतंकी साजिश और टेरर फंडिंग के शक में एक साथ छापेमारी की थी। एनआईए की ओर से यह छापेमारी महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश, असम और दिल्ली में छापेमारी की गई थी। यह कार्रवाई आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े मामलों को लेकर की गई थी। एनआईए ने जम्मू-कश्मीर में बारामुला और अन्य क्षेत्रों में भी छापेमारी की थी। बारामूला में मौलवी इकबाल भट के घर पर एनआईए ने सुरक्षा बलों की मदद से तलाशी ली थी। एनआईए की इस कार्रवाई से पहले 1 अक्टूबर को पश्चिम बंगाल के कई जिलों में छापेमारी की गई थी। 1 अक्टूबर को एनआईए की टीम ने दक्षिण 24 परगना, आसनसोल, हावड़ा, नदिया और कोलकाता में 11 जगहों पर छापेमारी की थी।

चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास भगदड़ मामला

आरसीबी, कार्यक्रम प्रबंधन कंपनी, केएससीए के खिलाफ मामला दर्ज

बेंगलुरु। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास मची भगदड़ के सिलसिले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) और अन्य के खिलाफ गुरुवार को गैर इरादतन हत्या सहित अन्य आरोपों में एक प्राथमिकी दर्ज की गई। चार जून को मची इस भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। पुलिस ने बताया कि पुलिस के एक निरीक्षक की शिकायत के बाद 4 जून को कब्बन पार्क थाने में कार्यक्रम प्रबंधन कंपनी डीएनए एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया।

पुलिस ने बताया कि प्राथमिकी में आरसीबी फ्रेंचाइजी को आरोपी नंबर एक, डीएनए एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड को आरोपी नंबर दो और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ प्रशासनिक समिति को आरोपी नंबर तीन के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। मामला जांच के लिए आपराधिक जांच विभाग को स्थानांतरित कर दिया गया है।

पुलिस के अनुसार, मामला भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 105 (गैर इरादतन हत्या), 115 (जान-बूझकर चोट पहुंचाना), 118 (खतरनाक हथियारों या साधनों का इस्तेमाल करके जान-बूझकर चोट या गंभीर चोट पहुंचाना), 121 (लोक सेवक को उसके कर्तव्य निर्वहन से रोकने के लिए स्वेच्छा से चोट पहुंचाना या गंभीर चोट पहुंचाना), 190 (सामान्य उद्देश्य की प्राप्ति में किए गए अपराधों के लिए गैरकानूनी जमावड़े में शामिल लोगों की जिम्मेदारी), 132 (किसी लोक सेवक को उसके कर्तव्य का निर्वहन करने से रोकने के लिए हमला या आपराधिक बल का प्रयोग), 125(12) (दूसरों के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने वाले कृत्य) के तहत दर्ज किया गया है।

छत्तीसगढ़: सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 40 लाख का इनामी माओवादियों का नेता ढेर

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 40 लाख रुपये के इनामी माओवादी नेता नरसिंह चालम उर्फ सुधाकर को मार गिराया है। बस्तर क्षेत्र में तैनात पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र के जंगल में उस समय गोलीबारी हुई जब सुरक्षाबलों का एक संयुक्त दल नक्सलियों के वरिष्ठ कैडरों की मौजूदगी के बारे में सूचना मिलने के आधार पर नक्सल विरोधी अभियान पर निकला था। उन्होंने बताया कि माओवादी नेता सुधाकर, तेलंगाना राज्य समिति के सदस्य बंदी प्रकाश, दंडकारण्य विशेष क्षेत्रीय समिति के सदस्य पप्पा राव और कुछ अन्य सशस्त्र कैडरों की मौजूदगी के बारे में मिली सूचना के आधार पर यह अभियान शुरू किया गया। उन्होंने बताया कि जब सुरक्षाबलों के जवान जंगल में थे तभी अचानक नक्सलियों ने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका सुरक्षाबलों ने जवाब दिया। जब गोलीबारी बंद हुई तब घटनास्थल से एक माओवादी का शव और एक एके-47 राइफल बरामद की गयी। उन्होंने बताया कि सुधाकर को आनंद, चंति बालकृष्ण, रामाराजू, अरविंद, सोमन्ना के नाम से भी जाना जाता था और वह आंध्र प्रदेश के पश्चिमी गोदावरी जिले के प्रागदावरम गांव का निवासी था। माओवादियों की केंद्रीय समिति का सदस्य सुधाकर, प्रतिबंधित माओवादी के सर्वोच्च शासी निकाय, क्रांतिकारी राजनीतिक स्कूल और केंद्रीय क्षेत्रीय ब्यूरो का भी प्रभारी था।

बायोफ्यूल क्रांति की ओर भारत

ग्रेटर नोएडा में 'इंडिया बायोफ्यूल मीट 2025' का जोशपूर्ण समापन

❖ जनभावना टाइम्स

ग्रेटर नोएडा। तेजी से विकसित होते बायोफ्यूल सेक्टर में भारत के नेतृत्व को रेखांकित करता 'इंडिया बायोफ्यूल मीट 2025' का समापन आज इंडिया एक्सपो मार्ट, ग्रेटर नोएडा में उत्साह और ऊर्जा के साथ हुआ। तीन दिवसीय इस भव्य आयोजन ने बायोफ्यूल उद्योग में नवाचार, कारोबार के अवसर और हरित ऊर्जा की दिशा में हो रहे प्रयासों को वैश्विक मंच प्रदान किया।

कार्यक्रम की शुरुआत भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय में डायरेक्टर डॉ. आर. के. भारती और बांग्लादेश हाई कमीशन की काउन्सलर मिस काकोली साहा ने दीप प्रज्वलन कर की। इस आयोजन ने क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देते हुए बायोफ्यूल सेक्टर और एमएसएमई सशक्तिकरण पर महत्वपूर्ण संवाद को प्रोत्साहित किया। गेल (गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड) द्वारा प्रायोजित और थर्मो फिशर द्वारा एसोसिएट स्पॉन्सर के रूप में समर्थित इस कार्यक्रम में देश-विदेश से आए 100 से अधिक उच्च स्तरीय प्रतिनिधियों, 200 से अधिक प्रदर्शकों और लगभग 20,000 खरीदारों और दर्शकों ने भाग लिया। सेमिनार के प्रमुख आकर्षणों में 30 से अधिक विशेषज्ञ वक्ताओं द्वारा विभिन्न विषयों पर प्रस्तुत किए गए विचार शामिल रहे, जिनमें विशेष रूप से निम्न पहलुओं पर चर्चा हुई: बायोफ्यूल क्षेत्र में उभरते रुझान और इनोवेशन फीडस्टॉक की उपलब्धता और बाय-प्रोडक्ट्स के व्यावसायिक अवसर सरकारी सब्सिडी और नीतिगत ढांचे की भूमिका एमएसएमई के लिए लाभप्रदता और स्केलिंग के अवसर नवीकरणीय ऊर्जा के लिए प्रभावी मार्केटिंग और बिजनेस मॉडल इंडिया बायोफ्यूल मीट 2025 न केवल एक तकनीकी सम्मेलन रहा, बल्कि यह ज्ञान, नेटवर्किंग और सहयोग का एक जीवंत मंच भी बना, जिसने प्रतिभागियों को भारत के स्वच्छ ऊर्जा भविष्य की ओर मिलकर कार्य करने की प्रेरणा दी। इस आयोजन ने एक बार फिर साबित किया कि भारत वैश्विक स्तर पर हरित विकास और स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

केन्द्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा जिला कार्यालय में कार्यशाला आयोजित

ग्रेटर नोएडा। भारतीय जनता पार्टी द्वारा केन्द्र में एनडीए सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आज भाजपा जिला कार्यालय पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने की, जबकि कार्यशाला में मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में जिला प्रभारी प्रमोद गुप्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का सफल संचालन कार्यक्रम संयोजक मनोज गर्ग ने किया। अपने संबोधन में जिला प्रभारी प्रमोद गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में हुए ऐतिहासिक निर्णयों और जन कल्याणकारी योजनाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह कालखंड धारा 370 के हटने, राम मंदिर निर्माण, भारत की आर्थिक शक्ति के रूप में उभरने, और आतंकवाद के खिलाफ कठोर कार्यवाही जैसे निर्णायक कदमों के लिए जाना जाएगा। प्रमोद गुप्ता ने कहा कि भारत अब एक ऐसा राष्ट्र बन चुका है जो अपनी सीमाओं की रक्षा करने के साथ-साथ आतंकियों को उनके घर में घुसकर मारता है। आत्मनिर्भर भारत की ओर यह सफर सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के मूल मंत्र पर आधारित रहा है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने जानकारी दी कि भाजपा द्वारा 9 जून से 21 जून तक 'विकसित भारत का अमृतकाल' थीम पर जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा, जिसमें पार्टी कार्यकर्ता जनता को सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों से अवगत कराएंगे।

कार्यक्रम में सैकड़ों कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने सहभागिता की। विशेष रूप से मौजूद रहे: सुभाष भाटी, देवा भाटी, दीपक भारद्वाज, धर्मेंद्र कोरी, सत्येंद्र नागर, पवन नागर, पवन रावल, वीरेंद्र भाटी, सुशील भाटी, इंद्र नगर, चंद्रमणि भारद्वाज, सतपाल शर्मा (कार्यक्रम सहसंयोजक), विकास चौधरी, कर्मवीर आर्य, अर्पित तिवारी, संजय भाटी, रवि जिन्दल, मनोज भाटी, महेंद्र नागर, सुनील रावत, राजीव सिंघल, मुकेश चौहान, संगीता तिवारी, अंजना त्यागी, प्रीति बघेल, प्रीति रावत, सुजाता सिंह, केशव गोयल, चन्द्रवीर नागर, श्यामवीर भाटी, विजय रावल, सतवीर भाटी, मनोज प्रधान, राकेश शर्मा, कैप्टन पंचशील, उमेश भाटी, नरेन्द्र नागर, रोहित ठाकुर, तथा सभी मंडल अध्यक्ष, मोर्चों और प्रकोष्ठों के प्रमुख। कार्यशाला में वक्ताओं ने पार्टी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे जन-जन तक सरकार की उपलब्धियों को पहुंचाएं और आगामी समय में विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाएं।

संक्षिप्त खबरें

फर्जी दस्तावेज तैयार कर जमीन का बैनामा करने का आरोप

ग्रेटर नोएडा। कंपनी के निदेशक ने कुछ लोगों पर धोखाधड़ी करते हुए जमीन हड़पने का आरोप लगाया है। पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने फर्जी दस्तावेज के जरिए धोखाधड़ी की है। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। दिल्ली में रहने वाले कंपनी के निदेशक कमल दत्ता का आरोप है कि राजीव मुखर्जी, सुखपाल, शुभ्रा बैनर्जी और उनके पति रिवु बैनर्जी, राजदीप और संजय ने साजिश कर उनकी कंपनी की नंगली नंगला गांव स्थित भूमि को हड़प लिया। भूमि का फर्जी मालिक बनकर सुखपाल ने राजीव मुखर्जी के पक्ष में मुख्तारनामा पंजीकृत कराया। इसके बाद फर्जी दस्तावेज के जरिए धोखाधड़ी कर राजीव मुखर्जी ने इस भूमि का बैनामा शुभ्रा बैनर्जी और रिवु बैनर्जी के पक्ष में करा दिया। इस प्रक्रिया में राजदीप और संजय को गवाह बनाया गया। न्यायालय के आदेश पर बीटा दो कोतवाली पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

सेक्टर-10 में ट्रैक्टर और कृषि उपकरण तैयार होंगे

ग्रेटर नोएडा। यमुना विकास प्राधिकरण क्षेत्र में ट्रैक्टर और कृषि मशीनों को तैयार करने का संयंत्र लगेगा। इसके लिए एस्कॉर्ट्स कुबोटा कंपनी को सेक्टर-10 में 200 एकड़ भूमि देने पर सैद्धांतिक सहमति बन गई है। मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि उन्होंने कंपनी के अधिकारी के साथ बुधवार को फरीदाबाद स्थित प्लांट का निरीक्षण किया था। इसके बाद उन्हें जमीन देने पर सहमति बन गई है। कंपनी को 200 एकड़ भूमि आवंटित की जाएगी। कंपनी दो चरणों में करीब छह हजार करोड़ का निवेश करेगी। पहला चरण दो वर्ष में पूरा होगा। एस्कॉर्ट्स कुबोटा कंपनी ट्रैक्टर और कृषि में इस्तेमाल होने वाली मशीनों का निर्माण करती है। यह फॉर्च्यून ग्लोबल 500 कंपनियों में शुमार है। बताया गया कि कंपनी ने भी मौके पर आकर जमीन देख ली है। साथ ही, जमीन का सर्वेक्षण कर मिट्टी की गुणवत्ता भी जांच ली है। कंपनी को एलओआई भी जारी कर दिया गया है।

बाल चिकित्सालय में आसपास के जिलों के नमूने जांचे जाएंगे

नोएडा। बाल चिकित्सालय एवं स्नातकोत्तर संस्थान (चाइल्ड पीजीआई) में दूसरे जिलों के कोरोना संदिग्ध मरीजों के नमूने जांचे जाएंगे। वर्तमान में जिला अस्पताल और गौतमबुद्ध नगर के मरीजों के नमूनों की जांच की जा रही है। एक हफ्ते से कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में एकाएक इजाफा हुआ है। मरीजों की संख्या कम न होने की स्थिति में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों के नमूनों की जांच चाइल्ड पीजीआई में की जाएगी। यहां आरटीपीसीआर जांच की सुविधा है। साथ ही, यहां अत्याधुनिक लैब है। किन-किन जिलों के नमूनों की जांच यहां होगी, इसका निर्धारण अभी नहीं हुआ है। जिले में गुरुवार तक 158 कोरोना संक्रमित मरीजों की पुष्टि की जा चुकी है। जिला अस्पताल से प्रत्येक दिन 4-5 संदिग्धों के नमूने बाल चाइल्ड पीजीआई जांच के लिए भेजे जा रहे हैं।

पड़ोसी पर महिला से छेड़छाड़ करने का आरोप

ग्रेटर नोएडा। जेवर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली महिला ने पड़ोसी पर घर में घुसकर छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया है। पीड़िता के शोर मचाने पर आरोपी धमकी देकर भाग गया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक दस्तमपुर गांव में महिला परिवार के साथ रहती है। महिला ने पुलिस को बताया कि वह मंगलवार को घर में अकेली थी। वह भोजन बना रही थी। इसी बीच छत के रास्ते पड़ोसी हरिया उनके घर में घुस आया और उसको अकेली पाकर छेड़छाड़ करने लगा।

पुलिस मुठभेड़ में 50 हजार के इनामी समेत लग्जरी कार चोर गैंग के तीन शातिर गिरफ्तार

❖ जनभावना टाइम्स

नोएडा। गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट के थाना सेक्टर-113 क्षेत्र में बीती रात हुई एक साहसिक मुठभेड़ के बाद लग्जरी कार चोर गैंग के तीन शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया गया। इनमें से एक बदमाश फरमान उर्फ छोटे 50,000 रुपये का इनामी है, जो मुठभेड़ में गोली लगने से घायल हो गया।

पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की तीन लग्जरी कारें, एक घटना में प्रयुक्त स्विफ्ट कार, चोरी के उन्नत उपकरण, अवैध हथियार तथा नकली नंबर प्लेट आदि बरामद किए हैं। गिरफ्तार बदमाशों के कब्जे से एक इनोवा क्रिस्टा, एक किआ सेल्टोस और एक क्रेटा कार बरामद हुई है, जिनकी कुल बाजार कीमत करीब 1 करोड़ रुपये आंकी गई है। चोरी की गई गाड़ियों के साथ-साथ बदमाशों द्वारा रैकी में इस्तेमाल की जा रही स्विफ्ट कार, एक देसी तमंचा (.315 बोर), जिंदा कारतूस, खोखा और कार लॉक तोड़ने के उन्नत औजारों की पूरी किट भी पुलिस ने बरामद की है। गिरफ्तार अपराधी पार्किंग, होटल और मुख्य सड़कों पर खड़ी लग्जरी गाड़ियों की रैकी करके ड्राइवर साइड का शीशा तोड़ते, फिर टैबलेट की मदद से कार का सिस्टम हैक कर डुप्लीकेट चाबी मौके पर ही तैयार करते थे। यह पूरी प्रक्रिया 4 से 5 मिनट में पूरी कर लेते थे और गाड़ी को सुनसान जगह ले जाकर शीशे व नंबर प्लेट बदल देते थे।

अभियुक्त मोबाइल नेटवर्क से बचने के लिए अपने फोन बंद रखते थे और आपस में बातचीत के लिए 'जंगी ऐप' का इस्तेमाल करते थे, जिससे उनकी लोकेशन या बातचीत ट्रैक न हो सके। गिरफ्तार अपराधी लंबे समय से अंतरराज्यीय वाहन चोरी गिरोह के सदस्य हैं। चोरी के पैसों से ये अपनी मुकदमों की पैरवी, मौज-मस्ती और लग्जरी जीवन जीते थे।

दुकान के बाहर गांजा फूंकने के विरोध पर चाबी से गोदा

❖ जनभावना टाइम्स

गाजियाबाद। दुकान के बाहर गांजा फूंकने का विरोध करने पर चार युवकों ने महिला दुकानदार के पति पर चाबी से हमला कर दिया। चाबी के ताबड़तोड़ वार से वह घायल हो गया। महिला दुकानदार की शिकायत पर क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने दो नामजद समेत चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। सैन विहार डूंडाहेड़ा में रहने वाली लक्ष्मी देवी का कहना है कि वह परचून की दुकान चलाती हैं। तरूण और कुलदीप अपने दो साथियों के साथ दुकान के बाहर आए और सिगरेट में भरकर गांजा पीने लगे। उनके पति इंद्रपाल ने विरोध किया तो चारों ने उनके पति के साथ अभद्रता शुरू कर दी।

एतराज जताने पर चारों लोगों ने उनके पति के साथ मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान आरोपियों ने उनके पति पर चाबी से कातिलाना हमला बोल दिया। आरोपियों ने पति को चाबी से बुरी तरह गोदकर घायल कर दिया। शोर-शराबा होने पर आरोपी लोग इकट्ठा होने लगे तो आरोपी धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। लक्ष्मी देवी के मुताबिक वह पति को लेकर क्रसिंग रिपब्लिक थाने पहुंचीं और शिकायत देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की गुहार लगाई। पुलिस ने मेडिकल परीक्षण कराने के लिए इंद्रपाल को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल का कहना है कि महिला की शिकायत के आधार पर चार जून को दो नामजद तथा दो अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई की जा रही है।

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान ने 'मेरी लाइफ' अभियान के अंतर्गत मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) ने विश्व पर्यावरण दिवस 2025 को बड़े उत्साह और संस्थागत प्रतिबद्धता के साथ मनाया। यह आयोजन पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए राष्ट्रीय अभियान "मेरी LiFE लाइफ (लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट)" के तहत आयोजित किया गया। इस वर्ष का विषय "प्लास्टिक प्रदूषण का अंत" रहा, जिसे सभी गतिविधियों का केंद्र बिंदु बनाया गया। द्रव्यगुण विज्ञान विभाग द्वारा कई प्रभावशाली कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें प्रमुख रहा पर्यावरण जागरूकता रैली, जिसमें पीजी और पीएचडी छात्र, फैकल्टी सदस्य, संस्थान के कर्मचारी और स्थानीय पुलिस कर्मियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। छात्रों द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक "प्लास्टिक की दुनिया, प्रकृति का विनाश" ने प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों को उजागर किया और आयुर्वेदिक जीवनशैली को एक सतत समाधान के रूप में प्रस्तुत किया। यह नाटक आमजन और स्वास्थ्यसेवा में आए लोगों द्वारा सराहा गया। संस्थान परिसर में 500 से अधिक औषधीय और देशी पौधों का रोपण किया गया, साथ ही 200 पौधे मरीजों को वितरित किए गए ताकि वे अपने घरों में हरित और औषधीय वातावरण बना सकें। यह पहल फैकल्टी, छात्र और समुदाय के अन्य सदस्यों की सक्रिय भागीदारी से संभव हो सकी। 22 मई से 5 जून के बीच, संस्थान ने 5000 से अधिक मरीजों तक पहुंच बनाकर उन्हें प्लास्टिक प्रदूषण, सतत जीवनशैली और आयुर्वेदिक पारिस्थितिकी के बारे में जागरूक किया। साथ ही निबंध लेखन प्रतियोगिता और मॉडल निर्माण प्रतियोगिता जैसे शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनका उद्देश्य छात्रों को प्लास्टिक के प्राकृतिक विकल्प सोचने और प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित करना था। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों, फैकल्टी सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों की उपस्थिति ने संस्थान की पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के प्रति एकजुट प्रतिबद्धता को दर्शाया।

मानसून से पहले एक्शन में दिल्ली सरकार

मंत्री प्रवेश वर्मा ने 15 जून तक नालों को साफ करने के दिए निर्देश

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के पीडब्ल्यूडी और जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने बृहस्पतिवार को महरौली विधानसभा क्षेत्र में पांच नालों का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ दक्षिणी दिल्ली सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी और विधायक गजेंद्र सिंह यादव सहित संबंधित विभाग के अधिकारी रहे।

मंत्री प्रवेश वर्मा ने साकेत गुरुद्वारा, दरगाह महरौली, मोतीलाल नेहरू कैंप, कुसुमपुर पहाड़ी और कुतुब इंस्टिट्यूट क्षेत्र के नाले का निरीक्षण किया। इस दौरान मंत्री को कई स्थानों पर नाले पूरी तरह जाम मिले। इनके स्लैब टूटे थे और जल निकासी की जगह पर अतिक्रमण था। उन्होंने अधिकारियों को ऐसी जगहों पर अतिरिक्त मशीनें और श्रमिक लगाने के निर्देश दिए। मंत्री ने 15 जून तक सभी कार्यों की प्रतिदिन प्रगति रिपोर्ट मांगी है। 15 जून तक पांचों नालों की सफाई के अलावा क्विक रिस्पांस टीम की तैनाती, सफाई कार्य की लाइव मानिटरिंग और पीडब्ल्यूडी, दिल्ली जल बोर्ड व सिंचाई विभाग की संयुक्त रिपोर्ट प्रतिदिन एक केंद्रीय नियंत्रण कक्ष में भेजने के निर्देश दिए। सिंचाई विभाग को सभी वर्षा जल निकासी मार्गों को अतिक्रमण से मुक्त कराने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि यह केवल नाला-सफाई का अभियान नहीं है। यह हमारी सरकार की प्रतिबद्धता है कि अब दिल्लीवासी घुटनों तक पानी में नहीं चलेंगे।

पिछले 10 वर्षों में दिल्ली में कोई भी बड़ा सीवर प्रोजेक्ट शुरू नहीं किया गया, जिससे वर्षा के मौसम में जलभराव की स्थिति और गंभीर हो गई है। अब हर विभाग को एकजुट होकर काम करना होगा और हर नाले की सफाई और मरम्मत मानसून से पहले पूरी होनी चाहिए।

दमन में बड़ी चोरी का पर्दाफाश: सोना-नकदी की लूट में शामिल पांच आरोपी गिरफ्तार

❖ जनभावना टाइम्स

दमन। फरवरी महीने में मोती दमन पुलिस स्टेशन क्षेत्र में हुई बड़ी सेंधमारी की घटना का पुलिस ने सफलतापूर्वक खुलासा कर लिया है। इस मामले में पुलिस ने अब तक कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें तीन की गिरफ्तारी हाल ही में क्राइम ब्रांच की कार्रवाई के बाद हुई है।

क्राइम ब्रांच की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) तनु शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि फरवरी में एक घर में घुसकर अज्ञात चोरों ने सोना और नकदी चुरा ली थी। मामला मोती दमन पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था। चूंकि आरोपी दमन के बाहर के थे, इसलिए प्रारंभिक जांच में स्थानीय पुलिस को काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। एडिशनल एसपी शर्मा ने बताया कि पहले दो आरोपियों नरेश और कल्पेश को गिरफ्तार किया गया था।

लेकिन जब जांच में अंतरराज्यीय पहलू सामने आया, तो क्राइम ब्रांच ने केस की जिम्मेदारी ली। ह्यमने ह्यूमन इंटेलिजेंस (मानव खुफिया जानकारी) विकसित की, तकनीकी निगरानी का उपयोग किया और कई टीमों का गठन कर देश के विभिन्न हिस्सों में छापे मारे।

इसके परिणामस्वरूप तीन और आरोपी–भरत, पंकज और जिग्नेश–को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने चोरी किए गए माल में से एक चौथाई सोना और नकदी बरामद कर ली है। फिलहाल सभी आरोपी हिरासत में हैं और आगे की पूछताछ जारी है। पुलिस का कहना है कि गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश भी की जा रही है।

अवैध हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया, दो आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल (उत्तरी रेंज) ने अंतर्राज्यीय अवैध हथियार तस्करी रैकेट का पर्दाफाश करते हुए मध्य प्रदेश के दो मुख्य तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 12 सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल, एक मोबाइल फोन और एक सिम कार्ड बरामद किया गया है। स्पेशल सेल डीसीपी अमित कौशिक ने बताया कि इंस्पेक्टर अनुकूल पंवार और इंस्पेक्टर प्रवीन कुमार ने एसीपी राहुल कुमार सिंह के मार्गदर्शन में इस बड़ी कामयाबी को अंजाम दिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नीरज परिहार (21 वर्ष) और अर्जुन परिहार (26 वर्ष) के रूप में हुई है, दोनों निवासी प्रगति विहार कॉलोनी, ग्वालियर, मध्य प्रदेश हैं। टिम ने सूचना के आधार पर आरोपी नीरज परिहार को रोहिणी स्थित भारतीय योग संस्थान के पास से पकड़ा गया। उसके बैग से 10 अवैध सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल बरामद की गईं। उसके खिलाफ स्पेशल सेल केस दर्ज किया। पूछताछ में नीरज की निशानदेही पर इस गिरोह के सरगना अर्जुन परिहार को ग्वालियर (म.प्र.) से गिरफ्तार किया गया, जिसकी निशानदेही पर 2 और पिस्टल बरामद की गईं। नीरज परिहार ने बताया कि वह अर्जुन परिहार के कहने पर एम.पी. स्थित एक सप्लायर से हथियार लाकर दिल्ली में अर्जुन के संपर्कों को सप्लाई करता था। उसने यह भी बताया कि 3 पिस्टल पहले ही अर्जुन को ग्वालियर में सौंप चुका था और शेष 10 दिल्ली में डिलीवर करने आया था। वहीं, अर्जुन परिहार ने खुलासा किया कि वह पिछले 5 वर्षों से अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त में शामिल है।

पीएम ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का विस्तार किया 'अरावली ग्रीन वॉल' परियोजना शुरू

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर दिल्ली के भगवान महावीर वनस्थली उद्यान में एक पौधा लगाकर 'एक पेड़ मां के नाम' पहल को आगे बढ़ाया और राष्ट्रीय राजधानी से गुजरात तक फैली 700 किलोमीटर लंबी अरावली पर्वत श्रृंखला में पुनः वनरोपण करने की विशेष पहल की शुरुआत की।

प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि विश्व की सबसे प्राचीन पर्वतमालाओं में से एक अरावली पर्वतमाला गुजरात, राजस्थान, हरियाणा से लेकर दिल्ली तक फैली है तथा यह क्षेत्र अनेक पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर रहा है और इनके समाधान के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि हमारा ध्यान इस पर्वतमाला से जुड़े क्षेत्रों का कायाकल्प करने पर है। हम संबंधित स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर काम करेंगे और जल प्रणालियों में सुधार, धूल भरी आंधी पर अंकुश लगाने, थार रेगिस्तान के पूर्व की ओर विस्तार को रोकने आदि पर जोर देंगे। मोदी ने कहा कि अरावली पर्वतमाला और उसके बाहर, पारंपरिक पौधरोपण विधियों के अलावा, हम नई तकनीकों को प्रोत्साहित करेंगे, विशेष रूप से शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में जहां जगह की कमी है। पौधरोपण गतिविधियों को 'जियो-टैग' किया जाएगा और मेरी 'लाइफ पोर्टल' पर उनकी निगरानी की जाएगी।

प्रधानमंत्री ने देश के युवाओं से इस आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लेने और पृथ्वी के हरित आवरण को बढ़ाने में योगदान देने का आग्रह भी किया। उन्होंने दिल्ली सरकार की सतत परिवहन पहल के तहत इलेक्ट्रिक बसों को भी हरी झंडी दिखाई। प्रधानमंत्री ने कहा कि इससे दिल्ली के लोगों के लिए 'जीवन सुगमता' भी बढ़ेगी। 'अरावली ग्रीन वॉल' परियोजना तीन राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के 29 जिलों में अरावली के आसपास के पांच किलोमीटर के बफर क्षेत्र में हरित आवरण का विस्तार करने की एक प्रमुख पहल है।

दिल्ली सरकार ने कहा कि यह पहल क्षेत्र में वायु प्रदूषण से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी, 2.5 से अरब टन कार्बन डाइऑक्साइड के बराबर अतिरिक्त 'कार्बन सिंक' बनाने और 2030 तक 2.60 करोड़ हेक्टेयर बंजर भूमि को वापस से उपजाऊ बनाने के भारत के जलवायु लक्ष्य को प्राप्त करेगी। सरकार ने कहा कि इस परियोजना से स्थानीय समुदायों को रोजगार मिलेगा और आय के अवसर सृजित करने में लाभ होगा। इस परियोजना के उद्धघाटन कार्यक्रम में दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात के मुख्यमंत्रियों ने भी भाग लिया।

पर्यावरण मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि इस पहल के तहत अरावली पर्वतमाला में स्थित 29 जिलों में लगभग 1,000 नर्सरी विकसित की जाएंगी। पांच किलोमीटर चौड़े ग्रीन 'बफर' क्षेत्र में गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली की 64.50 लाख हेक्टेयर जमीन होगी। इस बफर जोन के भीतर, लगभग 42 प्रतिशत (27 लाख हेक्टेयर) भूमि वर्तमान में बंजर है। अरावली पर्वतमाला मरुस्थलीकरण के विरुद्ध एक प्राकृतिक अवरोध के रूप में कार्य करती है, जो थार रेगिस्तान के विस्तार को रोकती है और दिल्ली, जयपुर व गुरुग्राम जैसे शहरों की रक्षा करती है। कुल क्षरित क्षेत्र का 81 प्रतिशत हिस्सा राजस्थान में, 15.8 प्रतिशत गुजरात में, 1.7 प्रतिशत हरियाणा में और 1.6 प्रतिशत क्षेत्र दिल्ली में है।

साल 2014 से पहले अस्पतालों में कई तरह की अव्येवस्थावएं थीं : सीएम

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में 'धानुका वेटिंग हॉल' का गुरुवार को उद्घाटन किया। उन्होंने मीडिया से बात करने के दौरान कहा कि दिल्ली एम्स देश का सबसे बड़ा मेडिकल इंस्टीट्यूट है। सालाना 5 लाख ओपीडी यहां होती है। देशभर से मरीज यहां इलाज के लिए आते हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की पूरे देश में 22 एम्स बनाने की योजना पर काम चल रहा है। इन सबके बावजूद भी दिल्ली एम्स का अपना अलग महत्व है। साल 2014 से पहले इन अस्पतालों में कई तरह की अव्व्यवस्थाएं रहा करती थी। पिछले 10 साल में दिल्ली एम्स में सारी व्यपवस्थारएं बेहतर हुई हैं। अब बहुत ही व्यवस्थित तरीके से यहां की कार्यप्रणाली काम कर रही है। डॉक्टर, नर्स और अटेंडेंट हों, सबका ध्यान रखा जाता है। उन्होंने धानुका ग्रुप को बधाई देते हुए कहा कि इस ग्रुप की वजह से ही सीएसआर में 'धानुका वेटिंग हॉल' बन पाया है। उन्होंने कहा कि मरीज तो भर्ती हो जाता है, लेकिन तीमारदारों को परेशानी होती है। वह यहां-वहां टहलकर अपना समय बिताता है। सरकार और समाज एक साथ जब काम करेंगे तभी प्रगति संभव है। विकसित भारत हो या विकसित दिल्ली हो, इस तरह के प्रयास से ही शहर में सुविधाएं बढ़ती हैं। वहीं,धानुका ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर जी अग्रवाल कहते हैं, 'आज धानुका वेटिंग हॉल का उद्घाटन हुआ। एम्स भारत का सबसे बड़ा संस्थान है, जहां दिल्ली ही नहीं बल्कि पूरे देश से मरीज आते हैं। पहले उनके बैठने के लिए कोई उचित स्थान नहीं था, इसलिए मरीजों और उनके तीमारदारों को गर्मी, सर्दी और धूप में बाहर बैठकर कष्ट सहना पड़ता था, कभी-कभी तो एक-दो हजार लोग होते थे। धानुका वेटिंग हॉल बनने के बाद मरीज और तीमारदारों को राहत मिलेगी। यह हॉल 6 करोड़ की लागत से बना है। अब यहां पर उनके बैठने की उचित व्यवस्था हो गई है।

संक्षिप्त खबरें

रोहतक में प्रतिद्वंद्वी की हत्या में शामिल गैंगस्टर दिल्ली में मुठभेड़ के बाद पकड़ा गया

नई दिल्ली। हरियाणा के रोहतक में हाल ही में हुई एक हत्या के सिलसिले में वांछित हिमांशु भाऊ गिरोह से जुड़े एक शार्पशूटर को रोहिणी के सेक्टर 35 इलाके में मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि रोहतक निवासी दीपक धनखड़ (23) को विशेष प्रकोष्ठ ने मंगलवार रात करीब 10 बजे दादा लेखराम चौक के पास से गिरफ्तार किया। मुठभेड़ के दौरान उसके दाहिने पैर में गोली लगी और उसे रोहिणी के बाबा साहेब आंबेडकर अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस के अनुसार, रोहतक के रिटोली गांव के मूल निवासी अनिल कुमार (47) की एक जून को हुई हत्या में धनखड़ कथित रूप से शामिल था। कुमार की सुबह उसके घर के बाहर बाइक सवार हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। कुमार हाल ही में दोहरे हत्याकांड के मामले में जमानत पर रिहा हुआ था और प्रतिद्वंद्वी गैंगस्टर सनी उर्फ बाबा का रिश्तेदार था।

रोहिणी में इमारत ढहने के बाद 4 लोगों को बचाया गया

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के रोहिणी इलाके में गिरी एक बहुमंजिला व्यावसायिक इमारत के मलबे से बचावकर्मियों ने बुधवार शाम तीन लोगों को बाहर निकाला। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि रोहिणी के सेक्टर सात के डी-12 में शाम चार बजे हुई इस घटना में एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया, जिसे स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाया। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के प्रमुख अतुल गर्ग ने बताया कि विभाग को शाम चार बजकर चार मिनट पर सूचना मिली कि दो मंजिला व्यावसायिक इमारत ढह गई है और मलबे में कुछ लोगों के फंसे होने की आशंका है। कई एजेंसियों की टीम मिलकर बचाव अभियान चला रही हैं। एक पुलिस सूत्र ने बताया किअब तक तीन लोगों को बचा लिया गया है। टीम उनके बारे में जानकारी जुटा रही हैं। पुलिस ने एक बयान में कहा कि इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और विभिन्न बचाव एजेंसियों की कई टीमें घटनास्थल पर हैं।

दिल्ली के जनकपुरी में एक मकान मे आग लगी

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के जनकपुरी इलाके में आर्य समाज मंदिर के पास एक मकान में बृहस्पतिवार को आग लग गई जिसके बाद अधिकारियों ने आठ दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इस घटना में अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दिल्ली अग्निशमन सेवा के अनुसार, आग लगने की सूचना दोपहर एक बजकर 11 मिनट पर मिली जिसके बाद आठ दमकल गाड़ियों को तुरंत मौके पर भेजा गया। आग बुझाने के प्रयास जारी हैं।

डॉ. स्वाति बंसल की पहली कलम से निकली भावनाओं की दास्तान

'पीसेज़ ऑफ़ मी' से किया दिलों को छूने का प्रयास

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। चिकित्सा के क्षेत्र में शानदार उपलब्धियों के बाद अब डॉ. स्वाति बंसल ने साहित्य जगत में भी अपनी खास पहचान बनानी शुरू कर दी है। एम्स ऋषिकेश से एमबीबीएस और मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली से फिजियोलॉजी में एम.डी. की डिग्री प्राप्त करने वाली डॉ. स्वाति वर्तमान में एबीवीआईएमएस और डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में सीनियर रेजिडेंट के रूप में कार्यरत हैं।

डॉ. स्वाति की लेखन यात्रा मेडिकल कॉलेज के दिनों में शुरू हुई, जब उन्होंने अपनी भावनाओं को शब्दों का रूप देना शुरू किया। यह शौक जल्द ही एक गहन जुनून में बदल गया। उनके लेखन की प्रेरणा वास्तविक अनुभव हैं, जो मानसिक स्वास्थ्य, मेडिकल जीवन की जटिलताओं और भावनात्मक दृढ़ता जैसे विषयों को उजागर करते हैं। हाल ही में प्रकाशित उनकी पहली उपन्यास 'Pieces of Me: Reclaiming Myself, One Fragment at a Time' एक युवा मेडिकल छात्रा की आत्मिक यात्रा को दर्शाती है, जिसमें दर्द, आत्म-खोज, प्रेम और आत्म-स्वीकृति के माध्यम से वह खुद को फिर से संजोती है। डॉ. स्वाति का कहना है कि यह किताब मेरे दिल के बेहद करीब है। इसमें मैंने न केवल अपने अनुभव पिरोए हैं, बल्कि उन अनकहे जज्बातों को भी जगह दी है, जो एक मेडिकल छात्र और इंसान होने के बीच की दुविधा को दर्शाते हैं। उनकी यह रचना न केवल मेडिकल छात्रों के लिए प्रेरणादायक है, बल्कि हर उस पाठक के लिए भी जो मानसिक स्वास्थ्य और आत्म-स्वीकृति की गहराई को समझना चाहता है।

परीक्षा में छह मिनट देरी से पहुंचने वाली छात्रा को राहत देने से अदालत का इनकार

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने परीक्षा की 'शुचिता और अनुशासन' को रेखांकित करते हुए 'समान विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा' (सीयूईटी) में छह मिनट की देरी से शामिल होने वाली छात्रा को राहत देने से इनकार कर दिया।

अठारह वर्षीय छात्रा ने दावा किया कि 13 मई को वह परीक्षा के निर्धारित समय से छह मिनट बाद सुबह करीब 8.36 बजे परीक्षा केंद्र पहुंची थी, लेकिन उसे प्रवेश नहीं दिया गया। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह और न्यायमूर्ति रजनीश कुमार गुप्ता की पीठ मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार करने वाले एकल न्यायाधीश के आदेश के खिलाफ छात्रा की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने पाया कि राष्ट्रीय परीक्षा प्राधिकरण के सूचना बुलेटिन और प्रवेश पत्र में परीक्षा शुरू होने से दो घंटे पहले सुबह करीब 7 बजे केंद्र पर पहुंचने के बारे में बहुत स्पष्ट निर्देश दिए गए थे और बताया गया था कि सुबह 8.30 बजे के आसपास गेट बंद हो जाएंगे।

पीठ ने कहा कि इतनी बड़ी परीक्षा के संचालन में लापरवाही से अव्यवस्था पैदा होगी और 'परीक्षा का अनुशासन बनाए रखा जाना चाहिए'। न्यायालय ने 31 मई को कहा कि सीयूईटी एक महत्वपूर्ण प्रवेश परीक्षा है और परीक्षा हॉल में समय पर पहुंचना, समय पर सीट पर पहुंचना और गेट बंद होने के समय से पहले केंद्र में होना, ये सभी परीक्षा प्रणाली के अनुशासन और लोकाचार का हिस्सा हैं, जिनमें ढील नहीं दी जानी चाहिए। क्योंकि इससे समान स्थिति वाले छात्रों के बीच भारी असमानता पैदा हो सकती है।

पीठ ने छात्रा की अपील खारिज कर दी और कहा कि किसी को लग सकता है कि यह केवल छह मिनट का मामला था, लेकिन गेट बंद होने के समय के नियम को सख्ती से लागू करने के लिए अधिकारियों को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। अदालत ने कहा कि सीयूईटी यूजी परीक्षा एक ऐसी परीक्षा है जिसमें देश भर से 13.54 लाख से अधिक छात्र शामिल होते हैं। यदि अपवाद रखे जाते हैं, और ऐसी परीक्षा में अनुशासन का पालन नहीं किया जाता है, तो परीक्षा का समय पर संचालन, परिणामों की समय पर घोषणा और कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में समय पर प्रवेश सभी खतरे में पड़ सकते हैं और इसका व्यापक प्रभाव पड़ेगा। ऐसे मामलों में, न्यायालय का हस्तक्षेप कम से कम होना चाहिए।

एसएससी की तैयारी कर रहा सिविल इंजीनियर लुटेरा गिरफ्तार

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। उत्तरी जिला की तिमारपुर थाने की टीम ने एक ऐसे लुटेरे को गिरफ्तार किया है जो पहले उबर और रैपिडो बुक करता था और फिर कट्टे की नोक पर उनसे लूटपाट करता था। पुलिस ने इस गिरफ्तारी से लूट के दो मामले सुलझाने का दावा किया है। आरोपित की पहचान राजस्थान भरतपुर के जावेद उर्फ फरीद खान के रूप में हुई है, जो बीटेक (सिविल इंजीनियरिंग) कर चुका है। इस वक्त मुखर्जी नगर में पीजी में रहकर एसएससी सीजीएल परीक्षा की तैयारी कर रहा था। उसके कब्जे से एक कट्टा और 17 कारतूस, लूटी गई मोटरसाइकिल और एक मोबाइल फोन बरामद हुए हैं है।

उपायुक्त राजा बांठिया के मुताबिक, तीन जून को उबर चालक सोनू ने तिमारपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया था कि 31 मई की रात 1:30 बजे उबर मोटरसाइकिल से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचा। वहां एक व्यक्ति ने गांधी विहार, तिमारपुर के लिए राइड बुक की थी। उस व्यक्ति ने उसे राइड कैंसल करने और बिना बुकिंग के चलने को कहा जिसके लिए उसने अतिरिक्त पैसे की पेशकश की। मना करने पर उस व्यक्ति ने स्वयं राइड कैंसल कर दी और उसे गांधी विहार जाने के लिए मना लिया। करीब 2:30 बजे गांधी विहार ड्रेन, योगराज कालोनी के पास सुनसान जगह पर उसने उसकी कमर पर कट्टा लगाया और दो हजार रुपये और मोटरसाइकिल लूटकर भाग गया। इसके बाद, एक जून को ऐसा ही एक और मामला तिमारपुर थाने में दर्ज हुआ, जिसमें शिकायतकर्ता से आरोपित पिस्टल की नोक पर 600 रुपये और मोबाइल लूटकर फरार हो गया। जांच के दौरान, पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले।

इस दौरान मुखबिरों से गुप्त सूचना मिली कि आरोपित तारा चौक के पास आने वाला है। टीम ने जाल बिछाते हुए आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने बताया कि बीटेक की पढ़ाई पूरी की है और वह एसएससी सीजीएल परीक्षा की तैयारी के लिए बीते वर्ष दिल्ली आया था और मुखर्जी नगर में एक पीजी में रह रहा था।

कुछ महीने पहले उसने अपने दोस्त भरतपुर के राहुल से 35 हजार रुपये उधार लिए थे, लेकिन वह समय पर उसे चुका नहीं पाया। फिर, राहुल ने उसे अपराध करने के लिए उकसाया ताकि वह आसानी से पैसा कमा सके और लूटे गए सामान से उधार चुका सके। राहुल ने उसे एक कट्टा और 17 मुहैया कराया। फिर उसने बाइक राइडरों को लूटने की योजना बनाई। उसे यह पता था कि आनलाइन राइडर्स की लोकेशन ट्रैक की जाती है, इसलिए ऑनलाइन राइड बुक करने के बाद वह राइड कैंसल करने के लिए कहता था। दोनों ही घटनाओं में वह राइडर्स को गांधी विहार में एक सुनसान जगह पर ले गया और उनसे उनका सामान और नकदी लूट ली। आरोपित राहुल फरार चल रहा है। मामले में आगे की जांच जारी है।

तीस हजारी कोर्ट का होगा नवीनीकरण, पांच करोड़ रुपये होंगे खर्च

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार का लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) जल्द ही तीस हजारी जिला कोर्ट का नवीनीकरण करने जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक अगले कुछ माह में कोर्ट परिसर में मरम्मत और सौंदर्यीकरण कार्य शुरू किया जाएगा। इस परियोजना के तहत अदालतों, अधिवक्ताओं और न्यायाधीशों के चैंबर, शौचालय, गलियारों की मरम्मत की जाएगी। साथ ही कंटीली तार, सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे और दो नए पोर्टा केबिन बनाए जाएंगे। पूरी योजना पर करीब पांच करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

एक अधिकारी ने बताया कि 10 कोर्टरूम और उनसे जुड़े चैंबर्स को नए सिरे से तैयार किया जाएगा। इसमें छत की वाटरप्रूफिंग, फाल्स सीलिंग, खिड़की-दरवाजों का फर्नीचर कार्य, नई फ्लोरिंग शामिल हैं। कोर्ट परिसर के शौचालय भी दुरुस्त किए जाएंगे ताकि आगंतुकों और अधिवक्ताओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। पीडब्ल्यूडी ने इस कार्य के लिए निविदा जारी कर दी है। अधिकारी के अनुसार काम के आवंटन की तारीख से तीन माह में यह परियोजना पूरी हो जाएगी।

कोर्ट परिसर के एक्सटेंशन ब्लाक, जिसमें करीब 50 कोर्ट चैंबर हैं, उसके चारों ओर कंटीली तार लगाने का काम भी किया जाएगा। इसके अलावा फुट ओवर ब्रिज के पास दो पोर्टा केबिन सुरक्षा अधिकारियों के लिए बनाए जाएंगे। इसके अलावा पीडब्ल्यूडी करीब 91 लाख रुपये की लागत से सीसीटीवी कवरेज बढ़ाने की योजना पर भी काम कर रहा है। इसके तहत 80 बुलेट कैमरे और 15 डोम कैमरे लगाए जाएंगे जिससे परिसर के सभी ब्लाइंड स्पाट कवर हो सकें।

उत्तर दिल्ली के सिविल लाइंस क्षेत्र के पास स्थित यह कोर्ट वर्ष 1950 में स्थापित हुआ था। वर्तमान में यह अत्यधिक भीड़भाड़ वाला परिसर है। भीड़ को देखते हुए पिछले वर्षों में सरकार द्वारा न्यायिक अधिकारियों की नियुक्ति और कोर्टरूम विस्तार की प्रक्रिया भी शुरू की गई थी।

शिष्टाचार स्क्वाड ने मंगोलपुरी बस स्टैंड पर चलाया महिला सुरक्षा जागरूकता अभियान

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और सार्वजनिक स्थलों को उनके लिए अधिक सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से, दिल्ली पुलिस आउटर जिले की एंटी ईव-टीजिंग यूनिट 'शिष्टाचार स्क्वाड' ने मंगोलपुरी स्थित डी-ब्लॉक बस स्टैंड पर एक विशेष जागरूकता अभियान चलाया। आउटर जिले के डीसीपी सचिन शर्मा ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के साथ सार्वजनिक स्थानों पर होने वाली छेड़छाड़, अश्लील टिप्पणियों और अन्य प्रकार के उत्पीड़न को लेकर लोगों को जागरूक करना था। स्क्वाड के सदस्यों ने यात्रियों को पंपलेट्स वितरित किए और बातचीत के माध्यम से उन्हें महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा के अधिकार के प्रति संवेदनशील बनाया। अभियान के दौरान स्क्वाड ने स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर प्रभावी रोकथाम रणनीतियों पर चर्चा की और महिलाओं को किसी भी प्रकार की घटना की रिपोर्ट बेझिझक करने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही, उन्हें कानूनी अधिकारों, सहायता प्रणाली और प्रमुख महिला हेल्पलाइन नंबरों की भी जानकारी दी गई। यह सामुदायिक केंद्रित पहल स्थानीय लोगों के बीच सराहना का केंद्र बनी रही। बड़ी संख्या में लोगों ने इस प्रयास की प्रशंसा करते हुए सहयोग देने की इच्छा व्यक्त की। 'शिष्टाचार स्क्वाड' की सक्रिय मौजूदगी और उनका सजग रुख समाज में यह स्पष्ट संदेश देता है कि महिला सुरक्षा के लिए सामूहिक जागरूकता और शून्य सहिष्णुता ही एक सुरक्षित वातावरण की नींव है।

संपादकीय

आदित्य वशिष्ठ

इस कोरोना का यथार्थ

कोरोना वायरस का संक्रमण लगातार फैलता जा रहा है। हमारी निगाह संक्रमित मरीजों की संख्या पर थी। आश्वस्त किया जा रहा था कि कोरोना की यह नस्ल उतनी भयावह नहीं है, जितनी हम पिछली तीन लहरों के दौरान देख और झेल चुके हैं। यह नस्ल संक्रामक जरूर है, तेजी से फैलती है, लेकिन अपेक्षाकृत मारक नहीं है, लिहाजा चिंता न करें, लेकिन सावधानी जरूर बरतें। अब देश में संक्रमित लोगों की संख्या 4000 को पार कर चुकी है और दिल्ली हाई कोर्ट ने भी हस्तक्षेप कर केंद्र सरकार से स्टेट्स रपट तलब की है, तब हम भी कुछ चिंतित हुए हैं। शुक्र है कि अदालत ने सरकार को नोटिस नहीं भेजा, क्योंकि देश में सैंपल कलेक्शन और पैथ लैब को लेकर कोई मानक प्रक्रिया ही नहीं है। जांच की गुणवत्ता पर भी सवाल उठते रहे हैं, क्योंकि पैथ लैब की रिपोर्टों में गहरी भिन्नता है। यह कोरोना की पूर्व लहरों के दौरान महसूस किया जा चुका है। फिलहाल केरल, महाराष्ट्र, दिल्ली, गुजरात, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक आदि राज्यों में संक्रमण का ज्यादा प्रभाव देखा गया है। अकेले केरल में ही संक्रमित मरीजों की संख्या 1500 के पास पहुंच चुकी है। आर्थिक राजधानी मुंबई और देश की राजधानी दिल्ली में कोरोना संक्रमण तेजी से फैल रहा है। फिलहाल मौतों की संख्या आधा दर्जन है और 146 करोड़ की आबादी वाले देश में यह आंकड़ा नगण्य है। अभी तक जो मौतें हुई हैं, वे मधुमेह, उच्च रक्तचाप, निमोनिया, गुर्दे की पुरानी बीमारी, एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम आदि पहले से ही मौजूद बीमारियों के कारण हुई हैं, लेकिन चिकित्सकों ने यह स्पष्ट नहीं किया कि कोरोना संक्रमण का असर कितना था? जिन राज्यों में संक्रमण तेजी से फैल रहा है, वे बेहतर संसाधनों और स्वास्थ्य ढांचे वाले राज्य हैं, लिहाजा उनकी जिम्मेदारी अधिक है कि संक्रमण का न्यूनतम विस्तार होना चाहिए। 2020-22 के दौरान भी कोरोना की शुरुआत इसी तरह हुई थी। अंततः 5.3 लाख मौतें दर्ज की गईं। जो मौतें दर्ज नहीं की जा सकीं, उनका आंकड़ा भी काफी होगा! गैर-सरकारी संगठन और एजेंसियां यह संख्या 45-47 लाख मानती हैं। बहरहाल उतनी दहशत में आने की जरूरत नहीं है, क्योंकि भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) का कहना है कि ज्यादातर कोरोना संक्रमण हल्के हैं। उन्होंने एलएफ-7, एक्सएफजी, जेएन-1 और एनबी-1.8.1 जैसे कुछ सब-वेरिएंट की पहचान की है। उनमें एलएफ-7, एक्सएफजी और जेएन-1 सबसे सामान्य हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मई, 2025 तक ऐसे वायरस को 'वेरिएंट्स अंडर मॉनिटरिंग' के वर्ग में रखा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन में मुख्य वैज्ञानिक रह चुकीं सौम्या स्वामीनाथन ने भी कहा है कि यह 2020-21 के भयानक दौर की वापसी का संकेत नहीं है, लेकिन इसके मायने ये भी नहीं हैं कि इसको हल्के में लिया जाए। चूंकि भारत में 70 फीसदी से अधिक आबादी में कोरोना का टीकाकरण हो चुका है, लिहाजा महामारी विशेषज्ञों और मेडिकल बिरादरी का मानना है कि कोरोना का मौजूदा वेरिएंट 'मौसमी फ्लू' से कुछ ही ज्यादा है। लेकिन थाईलैंड की खबर है कि वहां करीब 2.5 लाख लोग कोरोना की गिरफ्त में आ चुके हैं।

खतरनाक रूप लेता रूस-यूक्रेन युद्ध

यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदोमिर जेलेंस्की ने कहा कि रूस को करीब 7 अरब डॉलर मूल्य का नुकसान हुआ है परंतु जिस बात ने दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है और जो आने वाले महीनों और वर्षों तक सैन्य योजनाकारों और सामरिक विशेषज्ञों की चर्चा का विषय रहने वाली है, वह है इस हमले का तरीका। यूक्रेन ने यह हमला रेडियो नियंत्रित ड्रोन के माध्यम से किया। इन्हें सामान्य निर्माण सामग्री की तरह वाणिज्यिक कंटेनर ट्रकों में लादा गया और उसके बाद रूस में हवाई ठिकानों के आसपास के इलाकों में भेजा गया। एक खास समय पर इन सभी ड्रोन को उड़ाया गया और हवाई अड्डों पर खड़े विमानों को निशाना बनाया गया। यह पहला मौका नहीं है जब यूक्रेन ने नियमित वाणिज्यिक लॉजिस्टिक को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया है। खबरें बताती हैं कि 2022 में क्राइमिया द्वीप को रूस से जोड़ने वाले केर्च पुल पर हुए हमले, जिसने कई सप्ताह तक रूस के सैन्य यातायात को बाधित किया था और जो प्रतीकात्मक रूप से बहुत प्रभावी था, उसे भी प्लास्टिक ढोने वाले एक ट्रक की आड़ में अंजाम दिया गया था। विस्फोटकों को प्लास्टिक के ढेर में छिपाया गया था और इसे आर्मीनिया और जॉर्जिया से होते हुए क्रीमिया की ओर भेजा गया था। ऐसे ही तरीके इस्तेमाल करके करीब 120 ड्रोनों की मदद से ताजा हमला किया गया। ये ड्रोन बहुत महंगे या किसी खास गुणवत्ता के नहीं थे। लब्बोलुआब यह कि अपेक्षाकृत छोटा और मुश्किलों से जूझ रहा देश, जिसके पास अपनी मजबूत वायु सेना तक नहीं है, उसने आधुनिक लॉजिस्टिक्स और सस्ते ड्रोन की मदद से एक महाशक्ति के सामरिक बेड़े को क्षति पहुंचा दी जो उसके परमाणु प्रतिरोधक तंत्र का हिस्सा था।

- संजय सिन्हा

युद्ध पर विराम लगता नहीं दिख रहा। रूस और यूक्रेन के बीच पिछले तीन वर्षों से चल रहा युद्ध एक नई और खतरनाक करवट ले चुका है। इस्तांबुल वार्ता के कुछ ही घंटों बाद यूक्रेन ने अब रूसी कब्जे वाले इलाकों में गहरे और सामरिक रूप से संवेदनशील ठिकानों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। चंद दिन पहले रूसी एयरबेसों पर हुए भीषण ड्रोन हमले में यूक्रेन ने कम से कम 40 आधुनिक फाइटर जेट तबाह कर दिए थे जिससे रूस को बड़ा झटका लगा। अब, आगे बढ़ते हुए यूक्रेन ने जापोरिझिया और खेरसॉन क्षेत्रों में बिजली ढांचों पर हमला कर दिया है जिससे 7 लाख से अधिक लोग अंधेरे में डूब गए हैं। रूसी अधिकारियों के मुताबिक यूक्रेनी ड्रोन और तोपों के जरिए किए गए हमलों में जापोरिझिया और खेरसॉन क्षेत्रों के बिजली सबस्टेशनों को भारी नुकसान पहुंचा है। इस हमले के बाद कम से कम 700,000 लोग अंधेरे में जीने को मजबूर हैं जिससे अस्पताल, जलापूर्ति और मोबाइल नेटवर्क जैसी जरूरी सेवाएं भी बाधित हो गईं।

इन हमलों का सबसे गंभीर असर जापोरिझिया परमाणु संयंत्र पर पड़ा है। यह यूरोप का सबसे बड़ा न्यूक्लियर पावर प्लांट है और रूसी नियंत्रण में है। रूसी परमाणु एजेंसी रोसएटम के प्रमुख अलेक्सी लिक्हाचेव ने कहा, 'स्थिति नियंत्रण में है लेकिन बेहद जटिल है।' विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे हैं कि अगर संयंत्र की बाहरी बिजली सप्लाई बाधित रहती है तो कूलिंग सिस्टम फेल हो सकता है और परमाणु रिसाव जैसी गंभीर स्थिति पैदा हो सकती है। इस हमले पर यूक्रेन की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन पश्चिमी मीडिया के मुताबिक यह 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद से रूसी कब्जे वाले इलाकों पर सबसे बड़ा हमला हो सकता है। गौर करने वाली बात यह है कि यह हमला तुर्की में हुई रूस-यूक्रेन वार्ता के चंद घंटों बाद ही हुआ। वार्ता में रूस ने कहा कि वह तभी युद्ध समाप्त करेगा अगर यूक्रेन नए बड़े क्षेत्र सौंपे और अपनी सेना के आकार पर सीमाएं स्वीकार करे। वहीं यूक्रेन ने इस मांग को 'औपनिवेशिक सोच से प्रेरित ज़मीनी कब्जा' बताया और दो टूक कहा कि वह कूटनीति और सैन्य बल दोनों से अपनी जमीन वापस लेगा। एक साहसिक और अप्रत्याशित हमले में यूक्रेन के सैन्य बलों ने रूसी क्षेत्र के भीतर जाकर लगातार कई हमले किए और रूस के लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियारों या सामरिक बमबारी बेड़े को निशाना बनाया। रूस के अधिकारियों ने इस हमले की पुष्टि की है लेकिन यह नहीं बताया कि कितनी क्षति पहुंची है। रूस के सामरिक बमबारी बेड़े को हुई क्षति की भरपाई संभव नहीं है क्योंकि ये 1950 के दशक के हैं और इन्हें बनाने वाली इकाइयां बहुत पहले बंद हो चुकी हैं। यूक्रेन की सुरक्षा सेवा ने दावा किया कि उसने एक तिहाई बेड़े को निशाना बनाया है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदोमिर जेलेंस्की ने कहा कि रूस को करीब 7 अरब डॉलर मूल्य का नुकसान हुआ है परंतु जिस बात ने दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है और जो आने वाले महीनों और वर्षों तक सैन्य योजनाकारों और सामरिक विशेषज्ञों की चर्चा का विषय रहने वाली है, वह है इस हमले का तरीका। यूक्रेन ने यह हमला रेडियो नियंत्रित ड्रोन के माध्यम से किया। इन्हें सामान्य निर्माण सामग्री की तरह वाणिज्यिक कंटेनर ट्रकों में लादा गया और उसके बाद रूस में हवाई ठिकानों के आसपास के इलाकों में भेजा गया। एक खास समय पर इन सभी ड्रोन को उड़ाया गया और हवाई अड्डों पर खड़े विमानों को निशाना बनाया गया। यह पहला मौका नहीं है जब यूक्रेन ने नियमित वाणिज्यिक लॉजिस्टिक को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया है। खबरें बताती हैं कि 2022 में क्राइमिया द्वीप को रूस से जोड़ने वाले केर्च पुल पर हुए हमले, जिसने कई सप्ताह तक रूस के सैन्य यातायात को बाधित किया था और जो प्रतीकात्मक रूप से बहुत प्रभावी था, उसे भी प्लास्टिक ढोने वाले एक ट्रक की आड़ में अंजाम दिया गया था। विस्फोटकों को प्लास्टिक के ढेर में छिपाया गया था और इसे आर्मीनिया और जॉर्जिया से होते हुए क्रीमिया की ओर भेजा गया था। ऐसे ही तरीके इस्तेमाल करके करीब 120 ड्रोनों की मदद से ताजा हमला किया गया। ये ड्रोन बहुत महंगे या किसी खास गुणवत्ता के नहीं थे। लब्बोलुआब यह कि अपेक्षाकृत छोटा और मुश्किलों से जूझ रहा देश, जिसके पास अपनी मजबूत वायु सेना तक नहीं है, उसने आधुनिक लॉजिस्टिक्स और सस्ते ड्रोन की मदद से एक महाशक्ति के सामरिक बेड़े को क्षति पहुंचा दी जो उसके परमाणु प्रतिरोधक तंत्र का हिस्सा था। ड्रोन और वैश्वीकृत दुनिया में आपसी व्यापार संपर्क के इस मेल से सुरक्षा की दृष्टि से सर्वथा नई और अप्रत्याशित चुनौती उत्पन्न हुई है। भारत में इसे खासतौर पर महसूस किया जाएगा क्योंकि हमारे कई सामरिक क्षेत्र इस लिहाज से संवेदनशील हैं। इनमें कई तो प्रमुख औद्योगिक केंद्र भी हैं। राष्ट्रपति जेलेंस्की के मुताबिक यूक्रेन ने इस हमले की योजना 18 महीने पहले बनाई थी।

जाहिर है यूक्रेन ने रूस में भी कुछ पकड़ बना रखी है। हालांकि उन्होंने दावा किया ऐसे सभी लोगों को पहले ही वापस बुला लिया गया है परंतु इस हमले की लागत की बात करें तो समय और संसाधन के मामले में इसमें ज्यादा खर्च नहीं आया। इस मामले में तो ये तरीके ऐसी सरकार ने आजमाए जो तीन साल से जंग में है परंतु ऐसी कोई वजह नहीं है कि छद्म युद्ध में लगे दूसरे गैर सरकारी तत्व इस तरीके को नहीं आजमाएंगे। भारत के योजनाकारों को अपनी सैन्य और अधोसंरचना संबंधी संवेदनशील स्थितियों का आकलन करते हुए ड्रोन की इस जंग जैसे हालात के लिए तैयार रहना होगा। इस तरह की जंग कतई आसान हो सकती है। कई गैर सरकारी तत्व 100-150 ड्रोन जुटा सकते हैं और उन्हें दूर से संचालित कर सकते हैं। बिना संदेह वाले ट्रक और वाणिज्यिक वाहनों का इस्तेमाल करके इन ड्रोन को हमले की जगह तक पहुंचाया जा सकता है। भारत पर किसी बड़े हमले के परिणाम, उस लागत के अनुपात में बहुत अधिक होंगे जो उस शत्रु ने सोची होगी। तो नए दौर के खतरों से अहम अधोसंरचना की रक्षा पर पुनर्विचार करने के सिवा कोई विकल्प नहीं है। शेयरों में तेजी आ गई है। इन शेयरों में तेजी की मुख्य वजह दुनिया भर में बढ़ते जियो-पॉलिटिकल तनाव हैं। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध ने हाल ही में फिर से भयानक रूप ले लिया है। 31 मई को रूस ने यूक्रेन पर युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया जिसमें 472 ड्रोन और 7 मिसाइल दागे गए।

यूक्रेन ने दावा किया कि उसने 385 ड्रोन मार गिराए। इसके जवाब में, यूक्रेन ने 1 जून को इस्तांबुल में शांति वार्ता से ठीक एक दिन पहले रूस के सैन्य हवाई अड्डों पर बड़ा हमला किया। यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार, इस सरप्राइज ड्रोन अटैक में रूस के भीतरी इलाकों में तैनात 40 से ज्यादा लड़ाकू विमान नष्ट हो गए। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने इसे 'शानदार ऑपरेशन' बताते हुए कहा कि यह इतिहास में दर्ज होगा। दोनों देशों के बीच बातचीत जारी है, लेकिन हालिया हिंसक घटनाओं ने आशंका जताई है कि युद्ध और भी भीषण रूप ले सकता है। इसके अलावा, संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी एजेंसी IAEA ने आरोप लगाया है कि ईरान ने परमाणु हथियार बनाने के लिए जरूरी समृद्ध यूरेनियम का उत्पादन बढ़ा दिया है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के पास अब 60 प्रतिशत शुद्धता वाला 400 किलो से ज्यादा यूरेनियम है जो हथियार-ग्रेड सामग्री के लिए जरूरी 90 प्रतिशत शुद्धता के करीब है।

ईरान और अमेरिका के बीच तनाव

इससे ईरान और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ गया है। अमेरिका ने कई दौर की वार्ता के बाद ईरान को परमाणु समझौते का नया प्रस्ताव भेजा है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सोशल मीडिया पर लिखा कि 'ईरान इस प्रस्ताव का जवाब अपने राष्ट्रीय हितों और जनता के अधिकारों के अनुरूप देगा।'

कुदरत के सबक को कब पढ़ेगा इंसान?

- डॉ. सत्यवान सौरभ

वैश्विक आर्थिक गतिविधियों में ठहराव का यह दौर बेशक चिंताजनक है, लेकिन पर्यावरण पर इसका अप्रत्याशित सकारात्मक असर दुनिया के लिए चेतावनी और सीख दोनों है। अनजाने में ही सही, जब मनुष्य ने अपनी गतिविधियां रोक दीं, तो कुदरत जैसे खुलकर सांस लेने लगी। पिछले कुछ महीनों से नदियों के बहाव में पारदर्शिता लौट आई, वायु प्रदूषण में अभूतपूर्व कमी देखी गई और आकाश फिर से नीला हो गया। यह सब देख कर मानो कुदरत पुकार कर कह रही हो- 'हे मानव! अब तो संभल जा, पढ़ मेरी पीर!'

लॉकडाउन में सांस लेती धरती

पांच साल पहले कोविड-19 के कारण लागू लॉकडाउन ने इंसानी गतिविधियों को थाम दिया। औद्योगिक उत्सर्जन, वाहनों का धुआं और अनावश्यक यात्रा सब पर रोक लगी। इसके परिणामस्वरूप, वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड और नाइट्रोजन ऑक्साइड जैसी गैसों का स्तर घटा, जिससे दुनिया भर के बड़े शहरों में वायु गुणवत्ता में बेहतरी देखी गई। शोध बताते हैं कि साल 2020 में वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में 5% की रिकॉर्ड कमी दर्ज हुई। यह बताता है कि वायु प्रदूषण की जड़ें हमारी जीवनशैली में छिपी हैं। गंगा और यमुना जैसी नदियों में पानी पहले से कहीं अधिक साफ दिखा। उत्तर भारत की मैदानी जमीनों से हिमालय के हिमाच्छादित शिखरों का दीदार संभव हुआ। यह सब इसलिए हुआ क्योंकि मनुष्य ने एक बार के लिए 'ठहरना' सीखा। यह एक ऐसा ठहराव था जिसमें धरती को आराम मिला और पर्यावरण को राहत।

क्या यह स्थायी हो सकता है?

पांच साल पहले लॉकडाउन एक आपातकालीन परिस्थिति थी, न कि समाधान। लेकिन इसने हमें यह अहसास जरूर दिलाया कि प्रदूषण और पारिस्थितिकीय क्षरण मानव निर्मित हैं और इन्हें कम किया जा सकता है- अगर राजनीतिक इच्छाशक्ति और नागरिक संकल्प हो। लेकिन अफसोस, जैसे-जैसे लॉकडाउन हटा, वैसे-वैसे सब कुछ पहले जैसा होने लगा। प्रदूषण लौट आया, नदियाँ फिर से काली होने लगीं, कारखानों का धुआं फिर से आसमान ढंकने लगा।

हॉकिंग की चेतावनी और आज की सच्चाई

महान भौतिक विज्ञानी स्टीफन हॉकिंग ने चेतावनी दी थी कि यदि मनुष्य ने अपनी जीवनशैली और पर्यावरण के प्रति व्यवहार नहीं बदला तो उसे पृथ्वी को छोड़कर किसी अन्य ग्रह की शरण लेनी पड़ेगी। उनके अनुसार पृथ्वी की शेष उम्र महज 200 से 500 वर्षों की है। वे भविष्यवाणी करते थे कि या तो किसी धूमकेतु का टकराव, या सूर्य की विकिरण, या कोई महामारी पृथ्वी से जीवन मिटा देगी। कोविड-19 जैसी महामारी उनके कथन को और भी भयावह यथार्थ में बदल देती है।

अब भी समय है-परिवर्तन की राह

हमें यह स्वीकारना होगा कि अब विकास की परिभाषा बदलने की जरूरत है। 'अर्थव्यवस्था की वृद्धि' तब तक अधूरी है जब तक वह पारिस्थितिकीय स्थिरता को न छूती हो। हमें 'स्मार्ट ग्रोथ' से आगे बढ़कर 'ग्रीन ग्रोथ' की दिशा में सोचना होगा। कम कार्बन उत्सर्जन वाली जीवनशैली अपनाना अब विकल्प नहीं, आवश्यकता बन चुकी है। यानी ऐसी जीवनशैली जो प्रकृति के साथ सामंजस्य में हो-उदाहरणस्वरूप साइकिल चलाना, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग, स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता, ऊर्जा की बचत और उपभोग में संयम।

परिवहन और उद्योग में बदलाव जरूरी

भारत और विश्व के लिए अब समय है कि वह अपने उद्योग और परिवहन व्यवस्था को पर्यावरण-अनुकूल बनाए। जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करते हुए सौर, पवन और अन्य हरित ऊर्जा स्त्रोतों की ओर अग्रसर होना होगा। वाहनों में इलेक्ट्रिक टेक्नोलॉजी का उपयोग बढ़ाना, रेलवे और सार्वजनिक परिवहन को सुलभ और स्वच्छ बनाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। यह बदलाव न केवल प्रदूषण कम करेगा, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव भी घटाएगा। वायु प्रदूषण से हर साल दुनिया भर में लगभग 70 लाख मौतें होती हैं। यह आंकड़ा जलवायु संकट की गंभीरता को दर्शाता है।

तत्काल और दीर्घकालिक कदमों की जरूरत

हमें ब्लैक कार्बन, मीथेन, हाइड्रोफ्लोरोकार्बन, ट्रोपोस्फेरिक ओजोन जैसे अल्पकालिक जलवायु प्रदूषकों को कम करने के लिए तत्काल नीतिगत फैसले लेने होंगे। इन गैसों का प्रभाव जलवायु पर तुरंत पड़ता है और इन्हें नियंत्रित करना तुलनात्मक रूप से आसान है। भारत को एक राष्ट्रीय जनजागरूकता अभियान चलाना चाहिए जो जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, जल और ऊर्जा संरक्षण जैसे मुद्दों को स्कूल-कॉलेजों से लेकर पंचायत स्तर तक ले जाए। क्योंकि यदि हमने पर्यावरण को नहीं समझा, तो कोविड-19 जैसे संकट आम बात हो जाएंगे।

पांच साल पूर्व कोविड-19: एक इशारा, एक अवसर था

कोरोना संकट ने हमें बहुत कुछ सिखाया-कैसे कम संसाधनों में भी जीवन जीया जा सकता है, कैसे घर में रहकर काम किया जा सकता है, कैसे जरूरतों को सीमित किया जा सकता है। यह एक 'प्राकृतिक अनुशासन' था जिसने हमें हमारे अति-उपभोक्तावाद पर सोचने को मजबूर किया। अब हमें चाहिए कि इस संकट से निकली सीख को भविष्य की नीतियों और जीवनशैली में जगह दें। यह एक मौका है-एक 'रीसेट बटन'। प्रकृति ने हमें चेताया है, अब हमें प्रतिक्रिया देनी होगी।

धरती की पुकार और हमारी जिम्मेदारी

हमारी धरती सिर्फ एक ग्रह नहीं, हमारा घर है। हमने उसे मां कहा है, लेकिन व्यवहार उपभोक्ता जैसा किया है। अब समय है कि हम केवल 'धरती माता की जय' बोलने की जगह धरती माता की रक्षा में खड़े हों। हमें जंगलों, नदियों, पहाड़ों, पशु-पक्षियों और पूरे जैव विविधता तंत्र को बचाना होगा।

'धरती खाली-सी लगे, नभ ने खोया धीर!
अब तो मानव जाग तू, पढ़ कुदरत की पीर!'

आगे की राह: प्रकृति के साथ साझेदारी

जलवायु परिवर्तन केवल पर्यावरण का मसला नहीं है, यह सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक चुनौती भी है। यदि हमने पर्यावरण को अनदेखा किया, तो कृषि, स्वास्थ्य, रोजगार, और खाद्य सुरक्षा जैसे क्षेत्र भी संकट में आ जाएंगे।

आज की सबसे बड़ी ज़रूरत यह है कि हम विज्ञान, तकनीक और परंपरागत ज्ञान के समन्वय से ऐसी नीतियां बनाएं जो टिकाऊ विकास को संभव बनाएं। स्कूलों में जलवायु शिक्षा हो, गांवों में हरित रोजगार के अवसर हों, शहरों में स्वच्छ परिवहन और स्वच्छ ऊर्जा की व्यवस्था हो।

कण-कण में चेतना

समस्त सृष्टि के मूल में एक ही शक्ति या चेतना है, वह चेतना जब जड़ पदार्थों से संयोग करती है, तो जीवों के रूप में व्यक्त होती है और जब ब्रह्मांड व्यापी हो जाती है, तो उसे ही ब्रह्म कहा जाता है। वस्तुतः शास्त्रों के अनुसार जो सर्वव्यापी है वही अणु में है, जो ब्रह्मांड में है वह कण में भी है। आत्मा, जिसे शरीर तक सीमित रहने वाली चेतना का एक कण समझा जाता है, विकसित होकर परमात्मा के समान विभूतियों की भंडार बन जाती है। आज वैज्ञानिक भी जगत के कण-कण में व्याप्त उस चेतना के अस्तित्व की पुष्टि करने लगे हैं, जिसे धर्म परमसत्ता कहता है। इस परम चेतना के वास्तविक स्वरूप तक तो विज्ञान नहीं पहुंचा है, पर जहां तक भी उसे सफलता मिली है, उससे यह सत्य साफ नजर आ रहा है कि विज्ञान और धर्म समन्वय की ओर बढ़ रहे हैं। चेतना के विषय में धर्म और विज्ञान ने काफी कुछ वर्णन किया है। ऋग्वेद के अनुसार, एक ही देव विश्व को उत्पन्न करते हैं, देखते व चलाते हैं। उनकी शक्ति सर्वत्र समाई हुई है। वही परम शक्तिमान और कर्मानुसार फल देने वाला है। उपनिषदों में प्रमुख ईशवास्योपनिषद में ईशावास्यमिदं सर्वं यत्किंचित जगत्यां जगत कहकर विश्व की हर वस्तु में ईश्वरीय चेतना होने की घोषणा की गई है। गीता में नैनं छिंदंति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः कह कर इसी आत्मा अर्थात चेतना के कभी नष्ट न होने की घोषणा भगवान श्रीकृष्ण ने की है। महान दार्शनिक शंकराचार्य का अद्वैतवाद एक प्रकार से एक ही चेतना के सर्वत्र विराजमान होने के वैदिक दृष्टिकोण को प्रतिध्वनित करता है। रामानुजाचार्य के अनुसार आत्मा अविनाशी है और चैतन्यता उसका प्रधान गुण हैं। महान दार्शनिक कोयरे ने चेतना को नकारने वाले वैज्ञानिकों पर बरसते हुए कहा था कि यह कितनी अजब बात है कि विज्ञान ने हर पदार्थ को मान्यता दी है, लेकिन मनुष्य के अस्तित्व को ही मानने से इंकार कर दिया है। इमर्सन एवं बर्पले के मत में सारा संसार कहीं से चेतना उधार ले रहा है। जिस तरह किसी बड़े विद्युत घर से बिजली लेकर छोटे-छोटे बल्ब जलने लगते हैं, वैसे ही यह चेतना जीवों में अलग-अलग रूप में दिखाई देती है। विज्ञान का पर्याप्त अध्ययन करने वाले दार्शनिक स्पिनोजा के अनुसार विचार चेतना का प्रत्यक्ष रूप है, क्योंकि ये कभी नष्ट नहीं होते। वैज्ञानिक न्यूटन के अनुसार, सृष्टि का कोई कण चेतना से वंचित नहीं है। परमात्मा इसी रूप में सर्वव्यापी है।

धर्मकर्म

आज का इतिहास

1674 – छत्रपति शिवाजी महाराज का रायगढ़ के किले में राज्याभिषेक।
1752 – भयंकर आग लगने के कारण मोस्को में करीब 18,000 जलकर राख हो गए थे।
1808 – नेपोलियन के भाई जोसफ को आज ही के दिन स्पेन का राजा बनाया गया था।
1916 – अमेरिका के ईस्ट क्लीवलैंड में महिलाओं को वोट का अधिकार दिया गया।
1919 – फिनलैंड ने बोलशेविक के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
1944 – द्वितीय विश्व युद्ध में अमेरिका और मित्र देशों के सेनाओं ने नॉर्मैंडी पर आक्रमण किया। यह इतिहास में समुद्र, जमीन और हवा से होने वाला सबसे बड़ा आक्रमण था।
1966 – अश्वेतों के मानवाधिकारों के पैरोकार जेम्स मेरिडिथ कार्यकर्ता पर गोली चली।
1967 – इजरायली सेना ने गाजा पर कब्जा किया।
1981 – बिहार की बाघमती नदी में एक ट्रेन गिर जाने से करीब 800 लोगों की मौत। मानसी से सहरसा जा रही इस यात्री गाड़ी के नौ में से सात डिब्बे नदी में जा गिरे थे।
1995 – पाकिस्तान में बाल अपराधियों को कोड़े मारने अथवा उनकी फांसी की सजा पर रोक।
1997 – बैंकॉक में भारत, बांग्लादेश, श्रीलंका एवं थाईलैंड ने 'बिम्सटेक' नामक आर्थिक सहयोग समूह का गठन किया।
2002 – इस्त्रायली सेना ने रामल्ला में फ़लस्तीनी नेता यासिर अराफात के मुख्यालय पर हमला किया।
2004 – भूतपूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन का निधन।
2005 – ईरान गैस पाइप लाइन योजना पर भारत और पाकिस्तान में सहमति।

पाक भारत के दम को आजमाने की भूल न करें

- ललित गर्ग

भारत ने पहलगाम के नृशंस एवं बर्बर आतंकी हमले का जिस पराक्रम एवं शौर्य से बदला लिया, लेकिन विडम्बना है कि उस एकदम स्पष्ट सन्देश से पाकिस्तान ने कोई सबक नहीं लिया, पाकिस्तान की ऐसे सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक से भी अक्ल नहीं आयी। पाकिस्तान ऐसे कुत्ते की दूम है, जिसे चाहे कितना ही तरोड़ों-मरोडो वह टेढ़ी की टेढ़ी ही रहने वाली है। लेकिन इस बार भारत ने एक बड़ा सबक लिया है कि पाक के किसी भी झांसे एवं घड़ियाली आंसुओं में वह नहीं आयेगा। इसीलिये भारत हर मोर्चे पर सतर्क एवं सावधान है।

भारत ने गैर-सामरिक एवं सामरिक मोर्चे पर सर्तकता दिखाते हुए तमाम समीकरण ही नहीं बदले हैं बल्कि भारत की सुरक्षा एवं आतंकवाद के खिलाफ सख्ती को तीक्ष्ण धार दी है। अब कोई भी आतंकी हमला युद्ध की चुनौती के रूप में लिया जाएगा और उसकी कड़ी एवं विध्वंसक प्रतिक्रिया ही होगी। भारत किसी परमाणु ब्लैकमेलिंग का शिकार नहीं होगा। आतंकियों और उनके समर्थकों में कोई भेद नहीं किया जाएगा। भारत आतंकवाद एवं कश्मीर के मामले में किसी भी महाशक्ति की मध्यस्थता स्वीकार नहीं करेगा। भारत ने हाल की स्थितियों में जो भी निर्णय लिये स्व-विवेक से लिये, अमेरिका की इसमें कोई भूमिका नहीं रही। पाक भारत के दम को कमतर न आंके और उसे आजमाने की भूल न करें। भारत के कतिपय राजनीतिक दल एवं कुछ लोग सवाल उठा रहे हैं कि जब भारत विजयी स्थिति में आगे बढ़ रहा था तब उसने शांति की पहल क्यों स्वीकार की? भारत ने बड़ी जीत हासिल कर ली थी और उससे भी बड़ी जीत के लिये उसकी तैयारी थी तो संघर्ष विराम क्यों किया? इसका जवाब भारत के शीर्ष नेतृत्व ने एकदम सरल तरीके से दिया है कि भारत ने अपने सभी लक्ष्य हासिल किए।

भारतीय सेना को छह-सात मई की रात पाकिस्तान के आतंकी अड्डों को नष्ट करने के बाद उसके प्रमुख एयरबेस इसलिए नष्ट करने पड़े, क्योंकि उसने अपने यहां के आतंकी अड्डों को निशाना बनाए जाने से चिढ़कर भारत पर मिसाइल और ड्रोन दागने शुरू कर दिए थे। लाहौर और सियालकोट के एयर डिफेंस ध्वस्त कर दिए गए। 11 पाकिस्तानी एयरफील्ड बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुए। इनमें रावलपिंडी स्थित सामरिक महत्व वाला नूर खान बेस, सरगोधा में मुशाफ बेस और जैकबाबाद में शाहबाज बेस प्रमुख हैं। चूंकि भारतीय सेना की अभूतपूर्व जवाबी कार्रवाई से पाकिस्तान बुरी तरह पस्त पड़ गया, इसलिए उसने सैन्य कार्रवाई रोकने की गुहार लगाई-भारत से भी और अमेरिका से भी। लेकिन यह स्पष्ट है कि अमेरिका की सैन्य कार्रवाई रोकने में कोई भूमिका नहीं थी। भारत आपरेशन सिंदूर इस शर्त पर स्थगित करने को तैयार हुआ कि इसके आगे की कार्रवाई में पाक की जनता को ही अधिक नुकसान एवं परेशानी झेलनी थी। भारत ऐसा नहीं चाहता था कि पाक आकाओं की नासमझी का शिकार आम-जनता हो। भारत ने आतंकी ढांचे को ध्वस्त कर दिया और जब पाकिस्तान ने भारतीय नागरिकों को निशाना बनाया तब भी भारतीय प्रतिक्रिया संयमित एवं उचित दायरे में रही। पाक दुष्प्रचार की पोल खोलने के लिए खुद प्रधानमंत्री आदमपुर एयरबेस गए। वह जिस सी-130जे सुपर हरक्युलिस से उतरे वही पाक के दावों को झुठलाने के लिए बहुत था। पाक के झूठे दावे अनेक बार तार-तार हुए है। अब भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संकल्प व्यक्त किया है कि आतंकियों और उनके आकाओं की कोई भी हरकत के परिणाम उनकी कल्पनाओं से भी परे होंगे। भारत कभी झूकेगा नहीं, युद्ध जैसी स्थितियां अस्तित्व बचाने के लिये ही है, किसी पर आधिपत्य करने के लिये नहीं।

भारत- पाक के बीच सैन्य टकराव रुक जाने पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह श्रेय लेने में देर नहीं लगाई कि उनके हस्तक्षेप के कारण दोनों देश हमले रोकने को राजी हुए। यह दावा झूठा ही नहीं, बल्कि बेबुनियाद था। ट्रंप ने इसे संघर्ष विराम की संज्ञा देते हुए कहा कि मैंने व्यापार का हवाला देकर दोनों देशों की लड़ाई रोकी। इस पर भारत ने साफ कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति से व्यापार को लेकर कोई बात नहीं हुई। ट्रंप का दावा उस समय थोथा भी साबित हो गया, जब अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय व्यापार न्यायालय ने उनकी इस दलील को ठुकरा दिया कि उन्होंने ट्रेड की बात करके ही भारत और पाक के बीच सैन्य टकराव थामा। न्यूयार्क स्थित इस संघीय अदालत ने उनकी टैरिफ नीति को भी अवैध बता दिया। इससे सिद्ध हो गया कि ट्रंप जो कुछ कह रहे, वह सही नहीं, राजनीतिक महत्वाकांक्षा का बेहूदा प्रदर्शन है।

भारत अभी भी पाक लिये सख्त बना हुआ है, क्योंकि उसकी भूलें अक्षम्य है। भारत की पाक के खिलाफ सख्त कार्रवाइयों में मुख्य हैं सबसे प्रमुख सिंधु जल समझौते को स्थगित करना, चूंकि पाक सिंचाई संबंधी आवश्यकता के लिए एक बड़ी हद तक सिंधु और उसकी सहायक नदियों के पानी पर निर्भर है, इसलिए भारत के फैसले से उसे बड़ा झटका लगना स्वाभाविक है। पाक की कृषि एवं खाद्य सुरक्षा के लिए इस फैसले के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। इसके साथ ही भारत ने पाक के साथ तमाम व्यापारिक रिश्ते समाप्त कर दिये हैं। जिससे पाक की अर्थ-व्यवस्था प्रभावित हो रही है। भारत की ऐसी जवाबी कार्रवाइयों से पाकिस्तान में खलबली मची हुई है। लेकिन इन सबके बावजूद पाक सुधरने को तैयार नहीं है। पाक की दुनियाभर में तीव्र भर्त्सना और निन्दा हो रही है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के रूप में पाकिस्तान के पहलगाम हमले की जिम्मेदारी लेने वाले रेजिस्टेंस फोर्स की लानत-मलानत ही हुई, पाक की किसी भी बात को तवज्जो नहीं दी गयी, बल्कि उसे फटकार लगी। पाक का टूटना बिखरना खयाली पुलाव नहीं, बल्कि यह उसके आतंकी षडयंत्रों की नियति है।

पहलगाम की घटना स्पष्ट रूप से यह एक सोची-समझी आतंकी साजिश थी। इसका मकसद सांप्रदायिक तनाव को भड़काना और कश्मीर में फल-फूल रहे पर्यटन को नुकसान पहुंचाना था। वहां शांतिपूर्ण चुनाव होने एवं चुनी हुई सरकार का सफलतापूर्वक चलना भी पाक के लिये नागवार गुजर रहा था। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाने के बाद अथक प्रयासों से आ रही शांति एवं समृद्धि के दम पर हालात सामान्य होते जा रहे थे। उसे पाक आका एवं आतंकी छिन्न-भिन्न करना चाहते थे। पाक रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने 25 मई को स्काई न्यूज पर साक्षात्कार में आतंकी ढांचे से जुड़े सवाल के जवाब में कहा, 'हम तीन दशकों से आतंक को पालना-पोसने का गंदा काम अमेरिका और ब्रिटेन के लिए करते आए हैं।' पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने भी आतंकी ढांचे के अस्तित्व को स्वीकार करते हुए कहा कि पाकिस्तान का एक अतीत रहा है। जबकि वास्तविकता यही है कि आतंक पाक का अतीत ही नहीं, बल्कि वर्तमान भी है। यह उसकी मौजूदा नीति है, इसी के तहत पाक समय-समय पर भारत की शांति को क्षत-विक्षत करने की कुचेष्ठा करता रहा है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 संपादक - आदित्य वशिष्ठ कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

मुख्यमंत्री ने 'एक पेड़ मां के नाम'-2025 अभियान का किया शुभारंभ

पुत्रों की तुलना वृक्ष के साथ करना, प्रकृति की महत्ता को दर्शाता है: डॉ. मोहन यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विश्व पर्यावरण दिवस है और गंगा दशहरा भी आज है। दोनों भारतीय संस्कृति के लिए विशेष महत्व रखते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पर्यावरण संरक्षण को 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के साथ जोड़ा है। राज्य सरकार आज से इस अभियान की शुरुआत कर रही है। हमारी संस्कृति में एक वृक्ष को सौ पुत्रों के बराबर माना है।

उन्होंने कहा कि परंपरागत रूप से कहा जाता है कि एक बावड़ी 10 कुओं के बराबर है, 10 बाबड़ी एक तालाब के बराबर है, 10 तालाब एक पुत्र के बराबर है और 100 पुत्र एक वृक्ष के समान है। पुत्रों की तुलना वृक्ष के साथ करना, प्रकृति की महत्ता को दर्शाता है। अगर प्रकृति संरक्षित रहेगी तो हमें अपने आप फलने-फूलने का अवसर मिलता रहेगा। वर्तमान दौर में भारतीय संस्कृति और प्राचीन ज्ञान को पुनर्स्थापित करने का समय है। आज रिसाइकिलिंग और री-यूज की चर्चा की जाती है, न्यूनतम संसाधनों से बेहतर जीवनशैली की ओर भी ध्यान दिया जा रहा है। अगली पीढ़ी को बेहतर धरती और वातावरण सौंपने के लिए पर्यावरण संरक्षण के प्रति सभी को सचेत होना होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव विश्व पर्यावरण दिवस पर कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस वर्ष पर्यावरण दिवस का विषय 'प्लास्टिक प्रदूषण उन्मूलन' है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि सबको स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में योगदान देना होगा। वायु की गुणवत्ता मे सुधार, प्लास्टिक के उपयोग को कम करने और जल संरक्षण के लिए व्यक्तिगत जवाबदेही और सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना जरूरी है।

राज्य सरकार पर्यावरण अनुकूल उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय पौराणिक कथाओं में वृक्षों, नदियों, पहाड़ों के साथ-साथ वन्यजीवों की पूजा के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण की शिक्षा दी गई है, हमें इनसे प्रेरणा लेनी होगी। उन्होंने कहा कि 19वीं शताब्दी में महान वैज्ञानिक जगदीशचंद्र बसु ने लंदन में रायल सोसाइटी को वैज्ञानिक रूप से सिद्ध करके बताया कि पौधों में प्राण होते हैं। जबकि भारत के लोक मानस में यह ज्ञान सदियों से रचा-बसा है।

डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार संस्कृति को संरक्षित करते हुए अलग-अलग क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति प्रदान कर रही है। पर्यावरण दिवस पर सभी पुरस्कार विजेता बधाई के पात्र हैं। बदलते दौर में प्लास्टिक के उपयोग को लेकर री-यूज, रि-साइकिल की बात कही जा रही है, यह प्रक्रियाएं भारतीय जीवनशैली में पहले से ही विद्यमान हैं। हमने नेट जीरो एमीशन का लक्ष्य रखा है। इसी आधार पर 2030 तक प्रदेश की ऊर्जा क्षमता को 500 गीगा वॉट तक बढ़ाने की योजना बनाई गई है। जल गंगा संरक्षण अभियान के अंतर्गत प्रदेशभर में जल स्त्रोतों का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। अब तक 60 हजार के लक्ष्य के विरुद्ध 75 हजार से अधिक खेत तालाबों का निर्माण पूर्ण हो चुका है। तीन महीने के इस अभियान में 95 हजार 500 कुओं को रीचार्ज किया गया है और 1225 अमृत सरोवरों का जीर्णोद्धार हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब नदियों पर बांध बनाए जाते हैं तो किसानों को भी लाभ मिलता है और सिंचाई का रकबा बढ़ता है। 2002-03 तक प्रदेश की सिर्फ 7 लाख हेक्टेयर भूमि सिंचित थी, जो अब 55 लाख हेक्टेयर तक पहुंच गई है। विश्व का पहला नदी जोड़ो अभियान प्रदेश में चल रहा है, जिसके अंतर्गत दो नदियों को जोड़कर जल भंडारण क्षमता और उपयोगिता बढ़ाई जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने केन-बेतवा लिंक परियोजना का भी भूमि-पूजन किया है। पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना से मध्यप्रदेश सरकार ने राजस्थान के साथ वर्षों से लंबित जल बंटवारे का समाधान निकाला। मध्यप्रदेश नदियों का मायका है। प्रदेश में सर्वाधिक 247 नदियां प्रवाहित होती हैं।

प्रदेश की जलराशियां पड़ोसी राज्यों को भी समृद्धि प्रदान करती हैं। किसी राज्य को ज्यादा पानी भी मिल जाए तो कोई बुराई नहीं। भारतीय संस्कृति में उदारता का भाव समाया हुआ है। महाराष्ट्र सरकार के साथ तापी मेगा रिचार्ज परियोजना पर सहमति बन चुकी है। इस पर बांध बनाकर प्राकृतिक रूप से ग्राउंड वाटर को रिचार्ज किया जाएगा। जल भंडारण क्षेत्र में यह दुनिया का सबसे अनोखा प्रयोग होगा। दोनों राज्यों के 2 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई का लाभ मिलेगा।

कर्नाटक सरकार बड़े आयोजनों के लिए नयी एसओपी तैयार करेगी: गृहमंत्री

बेंगलुरु। राज्य के गृहमंत्री जी परमेश्वर ने गुरुवार को बताया कि कर्नाटक सरकार बड़े आयोजनों, सभाओं और जश्न के लिए एक नयी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करेगी ताकि भविष्य में किसी भी अप्रिय घटना को टाला जा सके। यह कदम बुधवार को एम चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम के पास मची भगदड़ की घटना के बाद उठाया गया है जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई थी।

मंत्री ने संवाददाताओं से बातचीत के दौरान कहा कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) टीम की आईपीएल जीत के जश्न में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि सरकार उन खामियों का पता लगाएगी जिनकी वजह से यह हादसा हुआ। उन्होंने बताया कि इस घटना में 11 लोगों की मौत हुई है और 56 घायल हुए है। इनमें से 46 को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है, जबकि 10 अस्पताल में भर्ती है। चिकित्सकों के अनुसार, इन दस लोगों की स्थिति गंभीर नहीं है।

मंत्री ने कहा कि ऐसी घटनाओं को रोकने के उद्देश्य से सरकार और गृह विभाग एक नयी एसओपी तैयार करेंगे। अब से कोई भी बड़ा आयोजन या समारोह पुलिस विभाग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार ही आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नया एसओपी इस तरह से बनाया जाएगा कि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। मंत्री ने कहा कि जान गंवाने की ऐसी अप्रिय घटनाएं नहीं होनी चाहिए, मासूमों की जान नहीं जानी चाहिए। शवों को देखना सभी के लिए पीड़ादायक होता है। कई युवा 20-25 वर्ष की आयु के थे। वे जश्न मनाने आए थे, उन्हें क्या पता था कि यह उनकी आखिरी शाम होगी। हम व्यवस्था की खामियों की पहचान कर सख्त कदम उठाएंगे।

मंत्री ने कहा कि राज्य के क्रिकेट इतिहास में ऐसी घटना कभी नहीं हुई। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने बुधवार को बैठक की थी और इस घटना की न्यायिक जांच के आदेश दिए हैं। जांच का नेतृत्व बेंगलुरु शहर के उपायुक्त करेंगे। मंत्री ने कहा कि यदि कोई लापरवाही सामने आती है, तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मैं अभी मामले के विस्तार में नहीं जाना चाहता क्योंकि जांच चल रही है। सरकार द्वारा पर्याप्त कदम नहीं उठाए जाने और उनकी ओर से चूक के बारे में पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में गृह मंत्री ने कहा कि जैसा कि आप जानते हैं कि आरसीबी की जीत के लिए मंगलवार की पूरी रात बेंगलुरु की सड़कों पर जश्न मनाया गया। फिर सुबह (बुधवार को) जश्न का माहौल (टीम के शहर में उतरने के साथ) बनाया गया...एक तरह से पूरा समुदाय जश्न के उन्माद में था। उन्होंने कहा कि किसी को भी उम्मीद नहीं थी कि स्टेडियम में 30000 लोगों की कुल क्षमता के मुकाबले करीब तीन लाख लोग आएंगे। बेंगलुरू मेट्रो से मिली जानकारी के अनुसार बुधवार रात 11 बजे तक करीब 8.7 लाख लोगों ने आवागमन किया। आप कल्पना कर सकते हैं कि कितनी भीड़ आई होगी। मंत्री ने कहा कि वह स्टेडियम के निकट घटनास्थल का दौरा करेंगे और आरसीबी तथा कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के प्रतिनिधियों के साथ भी चर्चा करेंगे।

घटना के संबंध में कथित तौर पर प्राथमिकी दर्ज नहीं किए जाने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि किसी भी तकनीकी बात पर मैं पुलिस आयुक्त और महानिदेशक से चर्चा करूंगा। यह पूछे जाने पर कि मौतों की जिम्मेदारी कौन लेगा, मंत्री ने कहा कि चूक के बारे में पता चलने पर जिम्मेदारी तय की जा सकती है। इस आरोप के बारे में पूछे जाने पर कि सरकार ने जल्दबाजी में कार्यक्रम आयोजित करने के खिलाफ वरिष्ठ अधिकारियों के सुझावों की अनदेखी की, उन्होंने कहा कि ऐसे दावे किए जा रहे हैं, देखते हैं किसने और कब कहा।

ऐसे प्रयास किए जाएं कि भारत, पाक को एक ही पलड़े में नहीं तौला जाए: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र में दो जिम्मेदारियां मिलने पर गुरुवार को चिंता जताई और कहा कि सरकार द्वारा ऐसे कूटनीतिक प्रयास किए जाएं कि वैश्विक स्तर पर भारत और पाकिस्तान को एक ही पलड़े में नहीं तौला जाए। मुख्य विपक्षी दल ने यह भी कहा कि पाकिस्तान को दो अहम जिम्मेदारियां मिलना भारतीय विदेश नीति के पतन की दुखद दास्तां है, लेकिन वैश्विक समुदाय पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद के प्रायोजन को लगातार वैध ठहराना कैसे जारी रख सकता है? पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) तालिबान प्रतिबंध समिति के अध्यक्ष और यूएनएससी आतंकवाद विरोधी समिति के उप प्रमुख की जिम्मेदारी मिली है।

> कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 9 मई को आईएमएफ ने पाक को एक अरब डॉलर दिए। ऑपरेशन सिंदूर के तुरंत बाद विश्व बैंक ने पाक को 40 अरब डॉलर देने का फैसला किया। ऑपरेशन सिंदूर के तुरंत बाद 3 जून को एडीबी ने पाक को 80 करोड़ डॉलर दिए।' उन्होंने कहा कि अब 4 जून को पाकिस्तान को यूएनएससी तालिबान प्रतिबंध समिति के अध्यक्ष और यूएनएससी आतंकवाद विरोधी समिति के उप प्रमुख के रूप में चुना गया। उन्होंने कहा कि बेशक, यह हमारी अपनी विदेश नीति के पतन की दुखद दास्तां है लेकिन वैश्विक समुदाय पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद के प्रायोजन को लगातार वैध ठहराने की अनुमति कैसे दे सकता है?

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि कांग्रेस अंतरराष्ट्रीय समुदाय से पाकिस्तान से पैदा होने वाले आतंकवाद पर भारत के रुख को समझने और उसका समर्थन करने का आह्वान करती है। पाकिस्तान आतंक का जनक है। भारत आतंक का शिकार है। दोनों की बराबरी नहीं की जा सकती। उन्हें एक तराजू के एक ही पलड़े में नहीं रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आईएमएफ, एडीबी और विश्व बैंक द्वारा ऋण और प्रोत्साहन पैकेज को मंजूरी देने या इसका निर्णय लेने से केवल पाकिस्तान के सैन्य खर्च में वृद्धि होगी, जिसका उपयोग उसकी सेना भारतीय नागरिकों के खिलाफ आतंक फैलाने के लिए करती है।

कांग्रेस अध्यक्ष का कहना है कि 15 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आतंकवाद रोधी समिति के उप प्रमुख और 2025 के लिए तालिबान प्रतिबंध समिति के अध्यक्ष के रूप में पाकिस्तान का नामकरण अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और अस्वीकार्य है। खरगे ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भारत के मामले में गुण-दोष देखना चाहिए कि पाकिस्तान को उसके आतंकी वित्तपोषण की निगरानी के लिए एफएटीएफ की ग्रे सूची में वापस शामिल किया जाना चाहिए।

उन्होंने इस बात का उल्लेख किया कि पाकिस्तान को 2008 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमनोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार के समय भारत के राजनयिक प्रयासों के बाद 2008 में पहली बार ग्रे सूची में डाला गया था और प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के तहत और फिर 2012 में शामिल किया गया था। यह तीन बार ग्रे सूची में रहा है, आखिरी बार 2018 में था। खरगे ने इस बात पर जोरे दिया कि पाकिस्तान को उसके पापों के लिए जवाबदेह बनाना न केवल भारत के लिए, बल्कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय के हितों के लिए जरूरी है।

उन्होंने कहा कि शायद यह याद दिलाने की जरूरत है कि 9/11 हमले के लिए जिम्मेदार आतंकवादी ओसामा बिन लादेन को पाकिस्तान में पाया गया और खत्म कर दिया गया। 9/11 की योजना बनाने वाला खालिद शेख मोहम्मद भी पाकिस्तानी था। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि एक जिम्मेदार विपक्षी दल के रूप में, हम अपनी सरकार से इसके लिए उचित और दृढ़ कूटनीतिक कदम उठाने का आग्रह करते हैं कि वैश्विक स्तर पर भारत और पाकिस्तान को एक ही पलड़े में नहीं तौला जाए।

21वीं मंजिल से कूदकर महिला ने की आत्महत्या

पुणे। पुणे में एक आवासीय इमारत की 21वीं मंजिल से कूदकर 25 वर्षीया महिला आईटी पेशेवर ने आत्महत्या कर ली। एक अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि अभिलाषा भाऊसाहेब कोथिंभिरे ने 31 मई को हिंजवडी इलाके में आत्महत्या कर ली और बुधवार रात को आकस्मिक मौत की रिपोर्ट दर्ज की गई। अधिकारी ने बताया कि बुधवार तड़के करीब 4:30 बजे महिला दोपहिया वाहन से क्राउन ग्रीन सोसाइटी पहुंची, इसके बाद वह 21वीं मंजिल पर अपने दोस्त के घर गई और वहां से छलांग लगा दी। पुलिस के अनुसार महिला ने एक सुसाइड नोट छोड़ा, जिसमें लिखा है, 'मेरी जीने की इच्छा खत्म हो चुकी है। मैं अब और नहीं जीना चाहती।' पिंपरी चिंचवड़ थाने के अधिकारी ने बताया कि नोट में उसने अपने माता-पिता और दोस्तों से यह कदम उठाने के लिए माफी भी मांगी है।

उत्तरी सिक्किम में बचाव अभियान फिर शुरू, 59 पर्यटकों को हवाई मार्ग से निकाला गया

गंगटोक। मौसम साफ होने के बाद फिर शुरू किए गए बचाव अभियान के तहत अत्यधिक बारिश से प्रभावित उत्तरी सिक्किम से 59 पर्यटकों को गुरुवार सुबह गंगटोक वापस लाया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। वे उत्तरी सिक्किम के लाचुंग में करीब एक सप्ताह से फंसे तकरीबन 109 पर्यटकों में शामिल थे।

मौसम साफ होने के बाद सुबह-सुबह राजधानी गंगटोक के पास पाकयोंग हवाई अड्डे से दो एमआई-17वी5 हेलीकॉप्टर उत्तरी सिक्किम के चातेन के लिए रवाना हुए। अधिकारियों ने बताया कि एक हेलीकॉप्टर से 39 पर्यटक लौटे, जबकि दूसरे हेलीकॉप्टर से 20 सैलानियों को वापस लाया गया। उन्होंने बताया कि निकाले गए लोगों में दो विदेशी भी शामिल हैं। सिक्किम राष्ट्रीयकृत परिवहन (एसएनटी) ने इन पर्यटकों को पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी तक पहुंचाने के लिए बसें तैनात की हैं। जो लोग हवाई मार्ग से सिलीगुड़ी के निकट बागडोगरा जाना चाहते हैं, उनके लिए पाकयोंग हवाई अड्डे पर एक अतिरिक्त हेलीकॉप्टर तैयार रखा गया है। अधिकारियों ने बताया कि दो हेलीकॉप्टर एनडीआरएफ और बिजली विभाग के कर्मियों तथा एयरटेल के इंजीनियरों के साथ रवाना हुए। बिजली महकमे और एयरटेल के इंजीनियर आवश्यक सेवाओं को बहाल करने के लिए वर्षा प्रभावित क्षेत्र में काम करेंगे।

एक अधिकारी ने बताया कि पर्यटकों को होटलों और चातेन सैन्य शिविर में ठहराया गया है। उत्तरी सिक्किम में खराब मौसम के कारण बुधवार को पाकयोंग हवाई अड्डे से हेलीकॉप्टर उड़ानें स्थगित कर दी गईं, जिससे निकासी में देरी हुई। चातेन में रविवार को एक सैन्य शिविर पर भूस्खलन के कारण तीन सैन्यकर्मियों की मौत हो गई और छह सैनिक लापता हो गए। कई अन्य घायल भी हुए। एक अधिकारी ने बताया कि लापता छह कर्मियों की तलाश के अभियान में अत्यंत खराब मौसम, ऊबड़-खाबड़ जमीन और चुनौतीपूर्ण उच्च ऊंचाई वाले इलाकों के कारण बाधा उत्पन्न हुई है।

अगर प्रौद्योगिकी को कमान सौंपी तो न्यायपालिका में लोगों का विश्वास कमजोर होगा: न्यायमूर्ति गवई

नई दिल्ली। भारत के प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई ने न्याय वितरण प्रणाली में प्रौद्योगिकी को प्राथमिकता देने को लेकर आगाह करते हुए कहा कि इससे न्यायपालिका में लोगों का विश्वास खत्म हो जाएगा और ऐसे में संतुलन बनाते हुए अदालतों को मानवता की दृष्टि नहीं खोनी चाहिए। प्रधान न्यायाधीश ने गत चार मई को लंदन में ब्रिटिश इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल एंड कम्पेरेटिव लॉ में 'न्यायालय, वाणिज्य और कानून का शासन' विषय पर मुख्य भाषण दिया।

अपने संबोधन में, उन्होंने डिजिटल युग में वाणिज्य और 'कानून के शासन' की अवधारणा को संतुलित करने में न्यायपालिका की भूमिका को रेखांकित किया और कहा कि अदालतों को वाणिज्यिक व्यावहारिकता के साथ इस प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल होने की आवश्यकता है। उन्होंने पूर्व प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के एक कथन को उद्धृत करते हुए कहा कि प्रौद्योगिकी को सभी के लिए न्याय का साधन बनाना चाहिए। न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि जिस क्षण हम प्रौद्योगिकी को कानूनी प्रणाली में ड्राइवर सीट पर बैठने देते हैं, हम अपने आप में जनता के विश्वास को खत्म करना शुरू कर देते हैं और इसके साथ ही कानून के शासन की बुनियाद भी कमजोर होने लगती है। उन्होंने कहा

> न्यायमूर्ति गवई ने दुनिया भर की अदालतों से विकसित हो रहे वाणिज्यिक और तकनीकी परिदृश्यों के बीच कानून के शासन को बनाए रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में कानून के शासन के लिए न केवल हमारे ध्यान की आवश्यकता है, बल्कि वाणिज्यिक व्यावहारिकता द्वारा निर्देशित हमारी सक्रिय और विचारशील भागीदारी की भी जरूरत है। न्यायमूर्ति गवई ने उभरती प्रौद्योगिकियों और न्याय प्रणाली के भविष्य के मुद्दे पर बात की और कहा कि उस यांत्रिक चमत्कार से लोगों ने आज के स्मार्ट फोन, स्मार्ट कंप्यूटर और शायद इतिहास के सबसे स्मार्ट इंसानों की ओर बढ़ते देखा है। उन्होंने कहा कि आज हम ऐसे युग में जी रहे हैं, जहां कंप्यूटर एल्गोरिद्म हमारे दैनिक विकल्पों को तेजी से आकार दे रहे हैं, चाहे वे विज्ञापन हों जिन्हें हम देखते हैं या फिर लोग हों जिन्हें हम काम पर रखते हैं।

कि फिर भी तकनीक से समाकलन की इस दौड़ में, हमें अपनी मानवता को नहीं भूलना चाहिए। कानून का शासन एक अमूर्त अवधारणा के रूप में नहीं बल्कि वास्तविक समस्याओं का सामना कर रहे वास्तविक लोगों के लिए एक जीवंत वादे के रूप में मौजूद है। न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि हमारे न्यायालयों के समक्ष आने वाला प्रत्येक मामला न्याय के लिए किसी की आशा और किसी के इस विश्वास का प्रतिनिधित्व करता है कि प्रणाली निष्पक्ष और समान रूप से काम करेगी।

बाघों की संख्या बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभाने वाले आईबीसीए प्रमुख यादव को 'क्रिस्टल कॉम्पस अवॉर्ड'

नई दिल्ली। 'इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस' (आईबीसीए) के महानिदेशक एस. पी. यादव को भारत में 'बंगाल टाइगर' की आबादी को विलुप्ति के कगार से बचाने में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए प्रतिष्ठित 'क्रिस्टल कॉम्पस अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया है।

इस पुरस्कार को आमतौर पर 'भूगोल का ऑस्कर' कहा जाता है जिसे 2012 में रूसी भूगोल सोसायटी द्वारा स्थापित किया गया था और यह भूगोल, पारिस्थितिकी तथा प्राकृतिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और प्रचार-प्रसार के क्षेत्र में असाधारण उपलब्धियों को मान्यता देता है। यादव को यह पुरस्कार 29 मई को 'मास्को इंटरनेशनल हाउस ऑफ म्यूजिक' में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया।

भारत सरकार ने 1973 में 'प्रोजेक्ट टाइगर' की शुरुआत की थी जब शिकार और मानव-वन्यजीव संघर्ष के चलते 'बंगाल टाइगर' के अस्तित्व पर गंभीर खतरा मंडरा रहा था। इस परियोजना की शुरुआत नौ बाघ अभयारण्यों के साथ हुई थी, जो कुल 18,278 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले थे। वर्तमान में यह 58 बाघ अभयारण्यों तक विस्तारित हो चुका है, जो 84,488 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र तक फैला हुआ है। आज भारत में दुनिया की सबसे बड़ी वन्य बाघ आबादी है। अखिल भारतीय बाघ आकलन 2022 के अनुसार, देश में बाघों की न्यूनतम संख्या 3,682 दर्ज की गई है, जो 2018 में 2,967 थी। भारत में बाघों की आबादी सालाना छह प्रतिशत की दर से बढ़ रही है।

रूसी विज्ञान अकादमी के वरिष्ठ वैज्ञानिक व्याचेस्लाव रोजनोव ने यादव को पुरस्कार प्रदान करते हुए कहा कि उन्होंने न केवल भारत में 'बंगाल टाइगर' की आबादी को पुनर्स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी बाघ संरक्षण को बढ़ावा देने का कार्य किया। पुरस्कार प्राप्त करने के बाद यादव ने कहा कि यह पुरस्कार हमारी सरकार की उपलब्धियों को मान्यता देता है जिसने इस परियोजना का समर्थन किया, उन संस्थानों को सम्मान देता है जिनसे हम सक्रिय रूप से सहयोग करते हैं और उन हजारों लोगों की मेहनत को सलाम करता है जो इस नेक कार्य में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि 'प्रोजेक्ट टाइगर' के सफल होने और विश्वभर में वन्यजीव संरक्षण का मॉडल बनने का मुख्य कारण भारत सरकार का निरंतर समर्थन रहा है।

तेजस्वी ने नीतीश को पत्र लिखा, नये आरक्षण कानून की मांग की

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने गुरुवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखकर राज्य विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने की मांग की ताकि समाज के कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण बढ़ाकर '85 फीसदी' करने के लिए नये विधेयक पेश किए जा सकें। राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी ने यह पत्र सोशल मीडिया पर साझा किया। पत्र में उन्होंने नीतीश सरकार पर इस मुद्दे पर 'जानबूझकर' टालमटोल करने का आरोप लगाया। तेजस्वी जब बिहार के उपमुख्यमंत्री थे, तब राज्य में कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण बढ़ाकर 75 फीसदी कर दिया गया था।

राजद नेता ने कहा है कि नये विधेयकों को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए तत्काल केंद्र के पास भेजा जाना चाहिए। तेजस्वी ने याद दिलाया कि 2023 में पारित पिछले कानून को पटना उच्च न्यायालय ने रद्द कर दिया था। उच्च न्यायालय का कहना था कि आरक्षण में वृद्धि किसी "वैज्ञानिक अध्ययन" के आधार पर नहीं की गई थी, जो इस तरह की आवश्यकता को उजागर करे। बिहार में आरक्षण में वृद्धि जाति सर्वेक्षण के आधार पर की गई थी, जिसमें 1931 की जनगणना की तुलना में राज्य में दलितों और पिछड़े वर्गों की आबादी में वृद्धि दिखाई गई थी। तेजस्वी ने तमिलनाडु का उदाहरण दिया, जहां '69 फीसदी आरक्षण लागू है।'

राकांपा के गुटों के विलय पर कोई चर्चा या प्रस्ताव नहीं: सुप्रिया सुले

मुंबई। राकांपा (एसपी) की सांसद सुप्रिया सुले ने गुरुवार को कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दो प्रतिद्वंद्वी गुटों के एक साथ आने पर कोई चर्चा नहीं हुई या कोई प्रस्ताव नहीं आया है। शरद पवार और उनके भतीजे अजित पवार के नेतृत्व वाले राकांपा के दो खेमों के विलय को लेकर राजनीतिक हलकों में चल रही चर्चा के बारे में पूछे जाने पर सुले ने यहां संवाददाताओं से कहा कि इस मामले को लेकर कोई उत्सुकता नहीं है।

राकांपा (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष और पार्टी प्रमुख शरद पवार की बेटी ने कहा कि आप हमें अगले कुछ दिन में विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन की बैठक में देखेंगे। राकांपा का 26वां स्थापना दिवस 10 जून को पुणे में मनाया जाएगा। शरद पवार उस दिन सुबह अपने खेमे के नेताओं को संबोधित कर सकते हैं, जबकि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और राकांपा अध्यक्ष अजित पवार बाद में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करेंगे। राकांपा (एसपी) प्रमुख और उनके भतीजे अजित पवार हाल के दिनों में कई मौकों पर मिले हैं, जिससे राजनीतिक हलकों में उनके बीच सुलह की अटकलें तेज हो गई हैं। जुलाई 2023 में, अजित पवार राकांपा के कई नेताओं के साथ भाजपा-शिवसेना की राज्य सरकार में शामिल हो गए थे।

कभी अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं पर गोलियां चलती थीं, आज पुष्प वर्षा होती है : आदित्यनाथ

अयोध्या(उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कभी अयोध्या आने वाले रामभक्तों पर गोलियां चला करती थीं और श्रद्धालुओं पर लाठी डंडे बरसाकर उन्हें प्रताड़ित किया जाता था, लेकिन आज श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा होती है तथा उन्हें पीने के लिए शुद्ध पानी मिलता है। उन्होंने कहा कि अयोध्या आज पूरी दुनिया के सामने 'अतिथि देवो भवः' की नयी परिभाषा गढ़ रही है।

एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को अपने एक दिवसीय अयोध्या दौरे के दौरान चौधरी चरण सिंह पुष्प वाटिका में पौधारोपण किया। इसके बाद उन्होंने राम कथा पार्क में आयोजित अयोध्या नगर निगम के वर्तमान बोर्ड के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने गंगा दशहरा, सरयू महोत्सव और विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं दीं और साथ ही अयोध्या के विकास और पर्यावरण संरक्षण के लिए नगर निगम द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने बीते समय को याद करते हुए कहा कि कभी अयोध्या आने वाले

रामभक्तों पर गोलियां चला करती थीं और श्रद्धालुओं पर लाठी डंडे बरसाकर उन्हें प्रताड़ित किया जाता था, लेकिन आज श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा होती है तथा उन्हें पीने के लिए शुद्ध पानी मिलता है। अयोध्या आज पूरी दुनिया के सामने 'अतिथि देवो भवः' की नयी परिभाषा गढ़ रही है।

आदित्यनाथ ने कहा कि आज अयोध्या की पहचान विश्व पटल पर बदल रही है। 22 जनवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा ने 500 साल के लंबे इंतजार को समाप्त किया। उन्होंने बृहस्पतिवार को श्रीरामलला मंदिर में हुए श्रीराम दरबार सहित सात अन्य मंदिरों में देव विग्रहों की स्थापना के लिए श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट के पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया और सभी सनातन धर्मावलंबियों को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री ने गंगा दशहरा के पावन अवसर पर सरयू महोत्सव के आयोजन की सराहना की। उन्होंने कहा कि मां सरयू और भगवान श्रीराम का गहरा संबंध है तथा अयोध्या की पहचान मां सरयू के बिना अधूरी है।

हजारों वर्षों से यह पवित्र नदी हमें दर्शन दे रही है। उन्होंने सरयू महोत्सव के आयोजन के लिए सभी को बधाई दी और कहा कि यह आयोजन अयोध्या की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत को और समृद्ध करेगा। योगी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई नमामि गंगे परियोजना की प्रशंसा भी की। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले गंगा का जल प्रदूषित हो गया था।

पिछली सरकारों द्वारा विकास के नाम पर अनियोजित और अवैज्ञानिक ढंग से कार्य करने के चलते गंगा पूरी तरह से प्रदूषित हो गई थीं। लेकिन, नमामि गंगे के माध्यम से गंगा की अविरलता और निर्मलता को पुनर्स्थापित किया गया। आदित्यनाथ ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए यह अभियान शुरू किया है और यदि प्रत्येक व्यक्ति एक पेड़ मां के नाम पर लगाए, तो पर्यावरण संकट कभी नहीं आएगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने बृहस्पतिवार सुबह लखनऊ में अपने आवास पर बेल और उसके बाद अयोध्या में सरयू तट पर पुष्प वाटिका में पीपल, पाकड़, नीम और नौग्रहों के पेड़ लगाए गए। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश वन विभाग के आगामी अभियानों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 23 जून को श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर भारतीय जनता पार्टी बड़े पैमाने पर पौधारोपण अभियान चलाएगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश के हर जनपद की कम से कम एक नदी को पुनर्जनन का संकल्प लिया गया है।

इसके अंतर्गत एक से सात जुलाई तक नदियों के तटवर्ती क्षेत्रों में पौधारोपण अभियान चलाया जाएगा। साथ ही राजमार्गों और एक्सप्रेसवे के किनारे भी बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया जाएगा। उन्होंने सभी से अपील की कि वे 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में हिस्सा लें। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि द्वारा वर्णित अयोध्या का दिव्य स्वरूप आज साकार हो रहा है। उन्होंने सुझाव दिया कि अयोध्या में मां जानकी, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न, हनुमान, सुग्रीव, जामवंत, माता शबरी और निषाद राज के नाम पर वाटिकाएं विकसित की जाएं। आदित्यनाथ ने अयोध्या वासियों से जिला प्रशासन के साथ मिलकर किसी नदी को पुनर्जनन का संकल्प लेने का आह्वान किया।

अदालत ने खिलाड़ी को शस्त्र लाइसेंस देने से मना करने का आदेश रद्द किया

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने गौरव गुप्ता नाम के एक खिलाड़ी को शस्त्र लाइसेंस देने से मना करने के जिला मजिस्ट्रेट, देवरिया के आदेश को दरकिनार कर दिया है। गुप्ता ने खेल प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धाओं में हिस्सा लेने के उद्देश्य से शस्त्र लाइसेंस के लिए आवेदन किया था। न्यायमूर्ति पीयूष अग्रवाल ने सोमवार को दिए अपने निर्णय में शस्त्र लाइसेंस जारी करने के याचिकाकर्ता के आवेदन पर नए सिरे से विचार करने के लिए इस मामले को जिला मजिस्ट्रेट, देवरिया के पास भेज दिया और याचिकाकर्ता के आवेदन में यदि कोई त्रुटि है, तो उसे दूर करने का एक उचित अवसर देने को कहा।

रिट याचिका दायर करते हुए याचिकाकर्ता ने जिला मजिस्ट्रेट, देवरिया के तीन मई, 2025 के आदेश को चुनौती दी थी। याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि इस अदालत के 27 फरवरी, 2025 के आदेश के अनुपालन में लाइसेंसिंग अधिकारी ने आवेदन पर विचार कर इसके साथ संलग्न खेल प्रमाण पत्र में कुछ खामियां गिनाते हुए आवेदन खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता को यह प्रमाण पत्र एक जूनियर शूटर के तौर पर दिया गया है और चूंकि याचिकाकर्ता की शूटिंग का वर्ग अच्छी तरह से परिभाषित नहीं है और इस संबंध में कोई हलफनामा दाखिल नहीं किया गया, इसलिए शस्त्र नियम, 2016 के मुताबिक, शस्त्र लाइसेंस नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता को त्रुटि दूर करने का कोई अवसर नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि चूंकि उसे जुलाई, 2025 में आयोजित होने जा रहे प्री-यूपी स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप प्रतियोगिता में हिस्सा लेना है, शस्त्र लाइसेंस नहीं होने से उसे अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा।

वहीं, राज्य सरकार के वकील ने कहा कि चूंकि याचिकाकर्ता अपने आवेदन के समर्थन में आवश्यक दस्तावेजी साक्ष्य उपलब्ध कराने में विफल रहा, याचिकाकर्ता का आवेदन खारिज किया जाना उचित है। संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने याचिकाकर्ता के आवेदन पर गौर किया जिसमें पाया गया कि जूनियर शूटर के तौर पर विस्तृत सूचना के लिए उक्त नियमों के मुताबिक, कोई कॉलम नहीं बनाया गया है। इसके अलावा, याचिकाकर्ता को त्रुटि सुधारने का कोई अवसर नहीं दिया गया। अदालत ने कहा कि इस मामले के विशेष तथ्यों और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए तीन मई, 2025 का आदेश कानून की दृष्टि में न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता।

सेप्टिक टैंक से निकली जहरीली गैस से एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत

पीलीभीत। पीलीभीत जिले के माधोटांडा क्षेत्र में सेप्टिक टैंक की सफाई करते समय जहरीली गैस के कारण दम घुटने से एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि माधोटांडा थाना क्षेत्र के सेल्हा गांव में बुधवार शाम प्रह्लाद मंडल (60) अपनी बेटी तनु (32) और दामाद कार्तिक विश्वास (38) के साथ सफाई करने टैंक में उतरे थे और इसी समय पास में बने पुराने सेप्टिक टैंक से गैस का रिसाव हो गया जिससे दम घुटने से तीनों की मौके पर ही मौत हो गई।

उन्होंने बताया कि जब कुछ देर बाद प्रह्लाद की पत्नी वहां पहुंचीं तो तीनों को टैंक में बेसुध पड़ा देख शोर मचाया। अधिकारियों के

मुताबिक, इस पर एकत्र हुए ग्रामीणों ने तीनों को टैंक से बाहर निकाला और एक साथ तीन मौतों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। उनके मुताबिक, तनु अपने पति कार्तिक और बच्चों के साथ मायके में ही रह रही थी। कार्तिक पास के ही गांव मैनीगुलड़िया का रहने वाला था।

पुलिस ने बताया कि प्रह्लाद मंडल ने कुछ दिन पहले घर के बाहर शौचालय बनवाया था और सेप्टिक टैंक का आकार छोटा होने से परेशानी को देखते हुए उसने लगभग आठ फुट गहरा गड्ढा खुदवाकर उसमें नया टैंक बनवाया था। दुर्घटना के बाद गांव पहुंचे कलीनगर के तहसीलदार वीरेंद्र कुमार ने परिजनों से प्रकरण की जानकारी ली। परिवार की आर्थिक स्थिति के आधार पर तहसीलदार ने हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा पीड़ित परिवार को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

पुलिस मुठभेड़ में बदमाश घायल, दो गिरफ्तार

प्रतापगढ़। जिले की थाना कोतवाली लालगंज पुलिस और विशेष टीम की बीती रात एक संयुक्त जांच अभियान के दौरान बदमाशों के साथ हुई। मुठभेड़ में एक बदमाश के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि एक घायल आरोपी समेत दो बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से दो अवैध तमंचे, कारतूस, चोरी की रकम और मोटरसाइकिल बरामद की गई है जबकि एक बदमाश अँधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गया। अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) संजय राय ने बताया कि थाना कोतवाली लालगंज प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार यादव और विशेष टीम के प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार पाण्डेय पुलिस बल के साथ जगन्नाथपुर नहर पुलिया के निकट वाहनों की जांच कर रहे थे। पुलिस टीम ने मोटरसाइकिल सवार बदमाशों को रोकने का प्रयास किया तो बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में पैर में गोली लगने से शाहिद उर्फ पिंकू (23) घायल हो गया।

बिजली अधिकारी पर हमला करने पर पान सिंह तोमर की पोती पर मामला दर्ज

झांसी। चंबल के पूर्व विद्रोही पान सिंह तोमर की पोती बताई जाने वाली एक किशोरी ने झांसी जिले में बिजली का मीटर बदलने को लेकर हुए विवाद के दौरान बिजली विभाग के एक कनिष्ठ अभियंता पर कथित तौर पर हमला किया। उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। बबीना के थानाध्यक्ष (एसएचओ) तुलसी राम पांडेय ने बताया कि यह घटना मंगलवार को हुई। ग्रामीण विद्युत वितरण खंड के कनिष्ठ अभियंता वैभव रावत अपनी टीम के साथ पंजाबी कॉलोनी में स्मार्ट मीटर लगा रहे थे।

पांडेय के अनुसार जब टीम ने पूर्व सैनिक शिवराम सिंह तोमर के घर पर

मीटर बदलने की कोशिश की तो उनकी बेटी सपना तोमर ने मीटर लगाने का विरोध किया और इंजीनियर के साथ हाथापाई की। पांडेय ने बताया कि लड़की के खिलाफ मारपीट और सरकारी काम में बाधा डालने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामले ने और अधिक तूल पकड़ लिया। सपना तोमर को पूर्व सैनिक एवं ऐथलीट पान सिंह तोमर की पोती बताया जा रहा है।

सामूहिक दुष्कर्म के मामले में सात साल से फरार व्यक्ति भदोही में गिरफ्तार

भदोही (उप्र)। भदोही जिले में 2018 में एक दलित महिला से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में सात साल से फरार चल रहे एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को बताया कि सामूहिक दुष्कर्म के मामले में सात साल से फरार सुदामा सिंह के खिलाफ एक विशेष (एससी/एसटी) अदालत से गैर जमानती वारंट जारी था। उन्होंने बताया कि एक मुखबिर की सूचना पर सुदामा सिंह को बुधवार देर शाम जिले के चौरी थाना क्षेत्र के डोमनपुर गांव स्थित उसके घर से गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि यह घटना जिले के चौरी थाना इलाके में 18 सितंबर, 2018 की दोपहर की है जब 40 वर्षीय एक दलित महिला घर से दवा लेने जा रही थी। पुलिस के मुताबिक, डोमनपुर

गांव से गुजरते हुए साहिब बाबा मजार के पास महिला के गांव के सुनील कुमार सरोज ने एक साज़िश के तहत उसे बातचीत के लिए रोका। उन्होंने बताया कि उसी समय डोमनपुर गांव के सुदामा सिंह और टिंकू सिंह भी आ गए। तीनों महिला को ज़बरदस्ती खींच कर एक बगीचे में ले गए जहां उन्होंने कथित तौर पर उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि घटना के दूसरे दिन महिला अपने पति और अन्य लोगों के साथ चौरी थाना आई और मामला दर्ज कराया। सुनील और टिंकू सिंह को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था, लेकिन घटना के बाद से आरोपी सुदामा सिंह फरार था। मांगलिक ने बताया कि सुदामा सिंह के खिलाफ गैर ज़मानती वारंट जारी था और पुलिस उसकी तलाश में थी।

संभल में बीमा घोटाला : ईडी ने पुलिस से मांगे दस्तावेज

संभल (उप्र)। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में बीमा राशि के दावे की रकम हड़पने के लिए बीमित व्यक्तियों की हत्या कराने से जुड़े मामले की जांच के लिये प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने स्थानीय पुलिस से सम्बन्धित दस्तावेज और दर्ज मुकदमों की प्रतियां मांगी है। अधिकारियों का कहना है कि एक अनुमान के मुताबिक यह गोरखधंधा 100 करोड़ रुपये से ज्यादा का है।

अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी क्षेत्र) अनुकृति शर्मा ने संवाददाताओं को बताया कि घोटाले में शामिल गिरोह पर जनवरी से ही नजर रखी जा रही थी और इस मामले के सिलसिले में अब तक 52 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है जबकि 50 से अधिक आरोपी अब भी फरार हैं तथा तीन आरोपियों ने अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया है। उन्होंने पुष्टि की कि ईडी ने पुलिस से इस मामले से जुड़े

दस्तावेज, दर्ज मुकदमों की प्रतियां और अन्य जानकारी मांगी थी जो उसे दे दी गयी है।

शर्मा ने बताया कि गिरोह के सदस्य आमतौर पर नौजवानों को निशाना बनाते थे और कुछ मामलों में जीवन बीमा राशि का दावा करने के लिए उनकी हत्या कर देते थे। अधिकारी ने बताया कि वे कैंसर जैसी लाइलाज बीमारियों से पीड़ित लोगों और यहां तक कि मृत लोगों के नाम पर बीमा पॉलिसी लेते थे और दस्तावेजों में हेराफेरी एवं जालसाजी करके स्वास्थ्य और जीवन बीमा कंपनियों से बीमे की रकम ऐंठने की साजिश रचते थे। शर्मा ने कहा कि इस घोटाले के तार कम से कम 12 अलग-अलग राज्यों से जुड़े हैं और इस मामले में अब तक 17 मुकदमे दर्ज किये गये हैं। इनमें हत्या के चार मामले शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि हत्या के मामलों में बीमा भुगतान प्राप्त करने के लिए मौतों को अज्ञात वाहनों की वजह से हुई सड़क दुर्घटना बताकर पेश किया जाता था। इन मामलों में दर्ज प्राथमिकियों पर पहले अंतिम रिपोर्ट लगा दी गई थी लेकिन गड़बड़ियां मिलने पर पुलिस ने उनकी फिर से जांच की। उन्होंने बताया कि अब तक की पड़ताल में पता चला है कि गिरोह द्वारा इस्तेमाल किए गए 29 मृत्यु प्रमाण पत्र पूरी तरह से फर्जी थे, जबकि कुछ अन्य असली थे मगर बीमा दावों से मिलान कराने के लिए उनकी तारीखों में छेड़छाड़ की गई थी। शर्मा ने बताया कि गिरोह का संचालन केवल संभल जिले तक ही सीमित नहीं है और अमरोहा, बदायूं और मुरादाबाद जैसे आस-पास के जिलों में भी मामले सामने आए हैं। अधिकारी के मुताबिक, अब तक की जांच से पता चला है कि यह 100 करोड़ रुपये से ज्यादा का घोटाला है तथा जांच आगे बढ़ने पर यह आंकड़ा और भी बढ़ सकता है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने विभिन्न बीमा कंपनियों से विस्तृत आंकड़े मांगे हैं और वर्तमान में अन्य संदिग्ध दावों की पहचान करने के लिए रिकॉर्ड की जांच की जा रही है। अधिकारी ने बताया कि संदिग्ध डेटा को आगे की जांच और कार्रवाई के लिए बीमा कंपनियों के साथ साझा किया जाएगा।

शर्मा के अनुसार, शुरुआती जांच के नतीजे आशा कार्यकर्ताओं, स्वास्थ्य क्षेत्र में काम करने वाले व्यक्तियों और बीमा फर्मों के कर्मचारियों की संलिप्तता की ओर इशारा करते हैं। उन्होंने बताया कि जांच तेजी से आगे बढ़ रही है और इस मामले में कई और गिरफ्तारियां होने की संभावना है।

संभल : कब्रिस्तान पर देर रात हुई बुलडोजर की कार्रवाई

संभल (उप्र)। संभल जिले के चंदौसी में उप जिलाधिकारी के नेतृत्व में मुरादाबाद मार्ग पर रेलवे क्रॉसिंग के पास स्थित कब्रिस्तान पर बुधवार रात बुलडोजर से कार्रवाई कर अतिक्रमण हटाया गया। चंदौसी के उप जिलाधिकारी विनय कुमार मिश्रा ने

बृहस्पतिवार को बताया कि करीब छह महीने पहले अतिक्रमण रोधी अभियान चलाया गया था और उसमें पाया गया था कि कब्रिस्तान की चहारदीवारी 10 मीटर आगे बढ़ी हुई है।

मिश्रा के मुताबिक, उस समय कब्रिस्तान प्रबंधन ने उसे खुद ही हटा लिया था तथा उस समय यह सहमति बनी थी कि अन्य जो भी अतिक्रमण है उसे भी हटाया जाएगा। उन्होंने बताया कि कब्रिस्तान के बगल से सड़क का निर्माण कराया जाना है और इस सड़क पर जो अवरोध रह गया है उसे हटाया जा रहा है। अधिकारी ने बताया कि चूंकि यहां पर रेलवे क्रॉसिंग है इसलिए दिन में वाहनों के आवागमन के चलते काम करना मुश्किल है, लिहाज़ा यहां रात में अतिक्रमण हटाने का कार्य किया जा रहा है। मिश्रा ने बताया कि एक तरफ की 10 मीटर और दूसरी ओर की करीब सात मीटर चहारदीवारी अतिक्रमण करके बनायी गयी थी जिसे पहले हटा दिया गया था। उनके मुताबिक, कुछ कब्रें रह गई थीं जिन्हें बराबर करके अब अवरोध हटाया गया है।

पर्यावरण संरक्षण को लेकर 'किताबी-दिखावटी सैद्धांतिकता' से ऊपर उठें : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण को 'हमारा पहला परिवार' बताते हुए लोगों से पर्यावरण संरक्षण के लिए 'किताबी-दिखावटी सैद्धांतिकता' से ऊपर उठकर आगे बढ़ने और ईमानदारीपूर्ण नजरिया अपनाने का आग्रह किया।

यादव ने 'एक्स' पर एक लम्बी पोस्ट में जोर देकर कहा कि पर्यावरण संरक्षण को किताबी प्रतिबद्धताओं या प्रतीकात्मक भावों तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि उसे प्रकृति के मूर्त और अमूर्त पहलुओं को संरक्षित करने के उद्देश्य से वास्तविक कार्रवाई में तब्दील किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण ही प्रथम परिवार है। पर्यावरण संरक्षण हमारा प्राकृतिक धर्म है। सपा प्रमुख ने कहा कि आज पर्यावरण दिवस है। ये दिन है पर्यावरण के संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता, वचनबद्धता और किताबी-दिखावटी सैद्धांतिकता से ऊपर उठकर कर्मठता के स्तर पर परिधिमय प्राकृतिक आवरण को बचाये-बनाए रखने का।

यादव ने कहा कि एक पर्यावरण हमारे आसपास होता है और एक वो भी होता है, जो हमारे देखने-छूने व अन्य इंद्रियों की क्षमताओं से परे होता है। हमें उसे भी बचाना है तभी ये धरा-धरती जीवनदायिनी बनी रहेगी।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि एक पर्यावरण हमारे अंदर भी होता है और वो होता है, भावनाओं, संवेदनाओं और सहनशीलता का पर्यावरण, जो हमसे विविधताओं को स्वीकार करवाता है और औरों के साथ जीना सिखाता है। एकरंगी को बहुरंगी बनाता है। यही आंतरिक पर्यावरण मानव होने की कसौटी होता है। यही हमें सकारात्मकता से भरता है, यही हमारी सोच और हमारे विचार का क्षितिज बड़ा करता है। उन्होंने कहा कि इसी के आधार पर हम देश, काल, समय की सीमा से परे जाना सीखते हैं और ऐसे काम करने के लिए प्रेरित होते हैं जिनका लाभ देश-दुनिया के समाज को युगों-युगों तक मिलता है।

यादव के मुताबिक, जब ये आंतरिक पर्यावरण संरक्षित होता है, तभी बाहरी पर्यावरण संरक्षित हो सकता है और इसके मूल में करुणा और प्रेम होता है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण एक साझी विरासत है इसीलिए ये किसी एक का ही नहीं, किसी एक पीढ़ी का ही नहीं बल्कि सबका मिला-जुला दायित्व है। ये वर्तमान के लाभ-हानि के तराजू पर तौलने का मुद्दा नहीं है बल्कि पृथ्वी के प्राकृतिक भविष्य के लिए किया गया प्रयासों और संसाधनों का सर्वथा सार्थक निवेश है।

उन्होंने कहा कि पर्यावरण ही मानवीय एकता का सबसे साक्षात और बुनियादी आधार है। आइए हम पर्यावरण के संरक्षण और संवर्धन के लिए हाथ बढ़ाएं और हाथ मिलाएं, मेलमिलाप व मेलजोल से अंदर-बाहर की विविधताओं से युक्त सौहार्द को बढ़ाएं, सबको गले लगाएं और आनेवाली पीढ़ियों के लिए कुछ बेहतर दुनिया दे जाएं। पर्यावरण के मुद्दों के बारे में वैश्विक जागरूकता बढ़ाने के लिए संयुक्त राष्ट्र की पहल पर वर्ष 1972 से 'विश्व पर्यावरण दिवस' हर साल पांच जून को मनाया जाता है।

गंगा में डूबने से नाबालिग समेत तीन लोगों की मौत

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में बृहस्पतिवार को गंगा दशहरा के मौके पर गंगा नदी में स्नान के दौरान डूबने से एक नाबालिग लड़की समेत तीन लोगों की मौत हो गयी। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

सहायक पुलिस आयुक्त (बिल्हौर) अमरनाथ यादव ने बताया कि सेन पश्चिम पारा के रहने वाले बलराम के परिवार के कुछ लोग एक विवाह में शामिल होने के लिए कल्लूपुरवा गांव के बाहर इकट्ठा हुआ था। उन्होंने बताया कि इस दौरान उनमें से कुछ लोगों ने 'गंगा दशहरा' के अवसर पर पास में ही गंगा नदी में स्नान करने की इच्छा जतायी। अधिकारी ने बताया कि इस बीच प्रियंका निषाद (13) नदी में कूद गयी और गहरे पानी में चले जाने की वजह से डूबने लगी।

उन्होंने बताया कि प्रियंका को बचाने के लिये बलराम निषाद (21) और उनके बहनोई संदीप निषाद (19) भी नदी में कूद पड़े। पुलिस ने बताया कि बलराम और संदीप दोनों ही तैरना नहीं जानते थे, नतीजतन वे भी डूबने लगे। पुलिस के मुताबिक, स्थानीय ग्रामीणों और गोताखोरों ने बलराम, संदीप और प्रियंका को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। यादव ने बताया कि पुलिस ने मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की है।

राज्यपाल ने मुस्तफाबाद में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को किया लाभान्वित

फूल खिलता है तो उसे खिलने का अवसर देना चाहिए, जो बच्चे खेलेंगे वे खिलेगें: पटेल

पीलीभीत। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने गुरुवार को अपने दो दिवसीय भ्रमण के दूसरे दिन मुस्तफाबाद में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को लाभान्वित किया।

इस अवसर पर अपने सम्बोधन में राज्यपाल ने आंगनबाड़ी/स्कूली छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम की तारीफ करते हुए कहा कि बच्चें अलग अलग अंदाज लेकर सामने आये जो कि प्रशंसा योग है। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत विकसित भारत बनेगा, इस सपने को साकार करने का कार्य हम सब का दायित्व है। इसके लिए सतत कार्य करते रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि फूल खिलता है तो उसे खिलने का अवसर देना चाहिए, जो बच्चें खेलेंगे वे खिलेगें। उन्होंने शिशुओं, धात्री महिलाओं व कुपोषित बच्चों के लिए किये जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार से बताया। आंगनबाड़ी केंद्र से लेकर उच्च शिक्षा तक एक सततता होनी चाहिए जिससे विकसित भारत का सपना साकार हो सके। हमारे देश व प्रदेश में इस दिशा में कार्य हो रहा है।

इस अवसर पर उन्होंने 200 आंगनबाड़ी केंद्रों हेतु किट, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अन्तर्गत 100 स्वीकृति पत्र, 70 वर्ष से अधिक आयु के पात्र व्यक्तियों को 100 आयुष्मान कार्डए क्षय रोगियों को 100 पोषण पोटली, पीएम कुसुम योजना के लाभार्थियों को 20 प्रमाण-पत्र, कृषि यंत्रीकरण योजना के 05 लाभार्थियों को प्रमाण पत्र/चाबी, ओडीओपी योजनांतर्गत के 02 लाभार्थियों को टूल किट एवं 03 लाभार्थियों को 10-10 लाख रुपये की ऋण सहायता हेतु चेक, एनआरएलएम योजनांतर्गत 05 उत्कृष्ट कार्य करने वाले समूहों की कैडर को 100 प्रशस्ति पत्र, एनआरएलएम योजनांतर्गत 05 स्वयं सहायता समूहों को 51 सीसीएल के डेमों चेक आदि का वितरण किया।

राज्यपाल ने महिलाओं की स्थिति पर चर्चा करते हुए कहा कि लिंगानुपात को बेहतर बनाने का प्रयास होना चाहिए। बेटी को बचाने के लिए कार्य होना चाहिए। बेटी का अच्छी तरह से पालन पोषण होना चाहिए। उन्होंने कहा कि 06 वर्ष की बच्चियों का प्रवेश विद्यालय में व 03 वर्ष की बच्चियों को आंगनबाडी केंद्र में प्रवेश दिया जाये। उन्हें आगे बढ़ाया जाना चाहिए। बेटियां आज सब कुछ कर सकती हैं। सभी को अपने जीवन में अनुशासन लाना चाहिए। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की समाज में महत्वपूर्ण भूमिका है। कौशल का विकास होना चाहिए। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की उनके योगदान के लिए सराहना की।

उन्होंने कहा कि टीवी मरीजों को निक्षय मित्रों के द्वारा पोषण पोटली वितरित की जा रही है। मरीजों को लगभग 09 महीने तक पोषण पोटली दी जानी चाहिए। जो जिम्मेदारी दी गई है निभाएं और मरीजों को टीवी मुक्त बनाएं। बाल विवाह पर अपने विचार साझा करते हुए उन्होंने कहा कि हमारा संविधान कहता है कि 14 वर्ष तक सभी को पढ़ना आवश्यक है। बाल विवाह पर रोक लगाए तथा पुलिस को सूचना दें।

उन्होंने दहेज की चर्चा करते हुए कहा कि दहेज अपराध का एक बहुत बड़ा कारण है। इसको बंद करने की जरुरत है। सास को बहू को बेटी की तरह रखना चाहिए। लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है। पूरे भारत में नारी सशक्तिकरण के लिए काम हो रहा। अब हमारी बेटियां बाहर निकल सकती हैं। हमारे प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, स्वयं सहायता समूह के माध्यम से महिलाओं को मजबूत कर रहे हैं। परिवर्तन हम अपनी आंखों के सामने देख सकते हैं।

उन्होंने कहा कि 9 से 14 वर्ष की सभी बच्चियों को कैंसर रोधी एचपीवी वैक्सीन लगवाई जानी चाहिए। विद्यालय खुलने पर 9 से 14 वर्ष तक सभी बच्चियों का एचपीवी टीकाकरण कराया जाए। आज 05 बेटियों को एचपीवी वैक्सीन लगाई है और सभी से कहा कि आपके घरों और पड़ोस में भी लोगों को एचपीवी वैक्सीन लगवाने हेतु जागरूक करें। राज्यपाल ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मुस्तफाबाद में पौधारोपण भी किया गया।

इस अवसर पर आंगनबाड़ी के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। राज्यपाल ने कार्यक्रम प्रस्तुत करने बच्चों को उपहार भेंट किया। इसके साथ उपाधि महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने नारी सशक्तीकरण पर भाषण दिया तथा दूसरी छात्रा ने नारी सशक्तीकरण पर कविता सुनाई।

गंगा को प्रदूषित करने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई: मंत्री पाटिल

बुलंदशहर। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल ने गुरुवार को कहा कि भारतीय संस्कृति में प्रत्येक नदी को 'मां' का दर्जा दिया गया है, ऐसे में उनका संरक्षण केवल एक दायित्व नहीं, बल्कि श्रद्धा का विषय है। पाटिल ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की।

एक बयान के मुताबिक यह कार्यक्रम 'नमामि गंगे' मिशन के तहत आयोजित किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य भारत के सतत विकास, नदी पुनरुद्धार, स्वच्छ पर्यावरण और युवा सहभागिता को लेकर प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करना था। इस कार्यक्रम की शुरुआत एक वृक्षारोपण अभियान से हुई, जिसमें जल शक्ति मंत्री पाटिल शामिल हुए।

पाटिल ने अपने संबोधन में कहा कि हमारी संस्कृति में प्रत्येक नदी को 'मां' कहा गया है। ऐसे में उनका संरक्षण केवल एक दायित्व नहीं, बल्कि श्रद्धा का विषय है। केंद्रीय मंत्री ने नदियों में फैल रहे प्लास्टिक प्रदूषण को समय की सबसे बड़ी चुनौती करार दिया। उन्होंने कहा कि हमें प्रदूषण के स्रोत पर ही रोक लगानी होगी। प्लास्टिक के उपयोग को खत्म करना होगा और जनजागरुकता फैलानी होगी। जब तक हम यह नहीं समझेंगे कि गंगा केवल एक नदी नहीं, बल्कि जीवनदायिनी शक्ति है – तब तक संरक्षण अधूरा रहेगा।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2014 में शुरू की गई नमामि गंगे परियोजना की सराहना की। पाटिल ने बताया कि गंगा बेसिन के हर कोने में गंदे पानी को शोधित करने के लिए अवजल शोधन संयंत्र (एसटीपी) लगाए गए हैं, जिससे गंगा में सीधे प्रदूषण का प्रवाह रोका गया है। गंगा प्रहरियों से मिलने के अनुभव को साझा करते हुए पाटिल ने कहा कि ये प्रहरी न सिर्फ स्वयं गंगा की सफाई करते हैं, बल्कि दूसरों को प्रदूषण फैलाने से रोकते भी हैं। यह सुनिश्चित करना होगा कि गंगा में गंदा पानी न पहुंचे और जो भी गंगा को प्रदूषित करे, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो।

योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में निखर रहा उत्तर प्रदेश: प्रवीण पटेल

प्रयागराज। डॉ मुरली मनोहर जोशी सेवा समिति एवं भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बालसन चौराहे पर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय पार्क में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का 53वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया।

सांसद प्रवीण पटेल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा कि योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में आज उत्तर प्रदेश विकसित एवं उत्तम बनकर निखर रहा है और गुंडा मुक्त प्रदेश हो रहा है। इस अवसर पर पार्क में स्वच्छता अभियान चलाकर विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक वृक्ष मां के नाम से वृक्षारोपण किया गया।

पूर्व भाजपा अध्यक्ष शशि वार्ष्णेय एवं कार्यकर्ताओं ने उन्हें मिठाई खिलाते हुए गंगा दशहरे के पर्व पर मां भागीरथी से दीर्घायु जीवन जीने की कामना की और मिठाई एवं शरबत वितरण किया। इस अवसर पर राजेश केसरवानी, ज्ञानेंद्र गुप्ता संदीप यादव, विवेक मिश्रा, अमन शर्मा, बृजेश श्रीवास्तव, दिव्यांशु शुक्ला, अनुराग सोनी, शांतनु घोष, रमन घोष, सरोज गुप्ता, विनीता गुप्ता, मीना राय आदि उपस्थित रहे।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किया पौधरोपण

पौड़ी गढ़वाल। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मुख्यालय स्तर पर रांसी स्टेडियम के पास एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत वृहद स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान सहित अन्य अधिकारियों और स्थानीय लोगों ने सहभागिता करते हुए विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे। मंत्री, जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, डीएफओ गढ़वाल ने देवदार व संयुक्त मजिस्ट्रेट ने बांज के पौधे रोपे। यह कार्यक्रम आगामी 20 जुलाई तक चलता रहेगा और 25 जुलाई को वृहद् स्तर पर पौधरोपण कार्यक्रम किया जायेगा।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि जीवनदायिनी सांसें और शुद्ध जल पूरी तरह से पेड़ों पर निर्भर हैं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों को सुरक्षित रखने हेतु हर नागरिक का यह कर्तव्य बनता है कि वह पौधरोपण में सक्रिय भागीदारी निभाये। हम सबका प्रयास धरती को शुद्ध, स्वच्छ और हरा-भरा बनाए रखने की दिशा में एक सार्थक कदम है। उन्होंने भावी पीढ़ियों की चिंता करते हुए कहा कि आने वाले समय में ऑक्सीजन, पानी जैसी मूलभूत आवश्यकताओं की कमी न हो, इसके लिए आज वृक्षारोपण करना अत्यंत आवश्यक हो गया है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि सिर्फ पौधरोपण ही नहीं, बल्कि उनकी देखरेख भी उतनी ही जरूरी है। साथ ही उन्होंने जंगलों को आग से बचाने और प्राकृतिक संतुलन बनाये रखने की बात भी कही। जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि यह एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। उन्होंने आम जनमानस से अपील की कि वह अधिक से अधिक पौधे लगाएं और उनके संरक्षण की जिम्मेदारी भी लें। इस दौरान जिलाधिकारी ने आगामी चुनाव में अधिक से अधिक मतदान करने के लिये शपथ दिलायी और डीएफओ गढ़वाल ने पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिये प्लास्टिक का उपयोग न करने की शपथ दिलायी।

टोलकर्मी का शव मिलने पर आक्रोशित लोगों ने लगाया हत्या का आरोप, हाईवे जाम

बिजनौर। नजीबाबाद हाइवे स्थित भनेड़ा टोल पर उस समय हंगामा हो गया, जब टोलकर्मी का शव जेनरेटर में मिलने के बाद परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए कई घंटे हाइवे जाम कर दिया। दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की।

मामला किरतपुर थाना अंतर्गत भनेड़ा टोल का है जहां पर संदीप कुमार पुत्र रुप चंद निवासी ग्राम भट्टपुर नैन अपनी ड्यूटी पर रात आठ बजे पहुंचा था। गुरुवार सुबह उसका शव जेनरेटर में पड़ा मिला। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा काटा तथा हाइवे पर जाम लगा दिया। मृतक के सिर पर काफी कटें हुए बड़े घाव पाये गये। घाव किसी धारदार हथियार का बताया जा रहा है। घटना के बाद टोल मैनेजर व जिम्मेदार लोग फरार हो गए।

मौके पर एडीशनल एसपी, पुलिस क्षेत्राधिकारी नगीना, पुलिस क्षेत्राधिकारी नजीबाबाद, थाना प्रभारी किरतपुर थाना प्रभारी नजीबाबाद व भारी पुलिस बल मौजूद रहा। आक्रोशित लोगों ने मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता व दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। पुलिस अधिकारियों के द्वारा आश्वासन के बाद जाम हटाया गया। पुलिस के मुताबिक शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु बिजनौर भेजा गया है।

सीएम योगी आदित्यनाथ के जन्मदिन पर वाराणसी में मां गंगा का दुग्धाभिषेक

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 53वें जन्मदिवस पर गुरुवार को धर्म नगरी काशी में युवा संगठनों के साथ हिंदू युवा वाहिनी के कार्यकर्ताओं ने दशाश्वमेध घाट पर मां गंगा का दुग्धाभिषेक किया।

मां गंगा का विधि विधान से पूजन कर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्वस्थ और दीर्घ जीवन की कामना कार्यकर्ताओं ने की। इस कार्यक्रम का नेतृत्व हिंदू युवा वाहिनी के वाराणसी मंडल प्रभारी अंबरीश सिंह 'भोला' ने किया। इसमें युवाओं के साथ कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

अंबरीश सिंह ने बताया कि हर साल की तरह इस बार भी मुख्यमंत्री योगी के जन्मदिन पर विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। सुबह दशाश्वमेध घाट पर बटुकों के साथ मां गंगा का पूजन अर्चन किया गया। साथ ही मां की चुनरी और दुग्धाभिषेक किया गया।

मुख्यमंत्री के जन्मदिन पर ही गुरुवार शाम त्रिशक्ति सेवा फाउंडेशन व हिंदू युवा वाहिनी वाराणसी के संयुक्त तत्वावधान में 'वृहद् रक्तदान शिविर' का आयोजन राजकीय जिला महिला अस्पताल, एमसीएच विंग भू - तल कबीरचौरा में किया गया है।

गंगा दशहरा पर काशी, प्रयागराज में हजारों की संख्या में आए श्रद्धालु

वाराणसी/प्रयागराज। काशी और प्रयागराज में गंगा दशहरा के पावन अवसर पर गुरुवार को आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। यह उत्सव ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन मां गंगा का अवतरण स्वर्ग लोक से धरती पर हुआ था। गुरुवार की सुबह तड़के से ही दशाश्वमेध घाट सहित अन्य प्रमुख घाटों पर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

दूर-दराज से आए हजारों श्रद्धालुओं ने मां गंगा की आराधना और पवित्र स्नान कर पुण्य अर्जित किया। गंगा स्नान के साथ ही श्रद्धालुओं ने दीपदान, गंगा आरती और मंत्रोच्चार के माध्यम से गंगा मैया से सुख-शांति और मोक्ष की कामना की। घाटों पर सुरक्षा और व्यवस्था के लिए प्रशासन मुस्तैद रहा। एनडीआरएफ और जल पुलिस की टीमें भी घाटों पर तैनात की गईं। काशी की गलियों से लेकर घाटों तक आज का दिन भक्ति भाव और गंगा मैया की जयकारों से गुंजायमान रहा। श्रद्धालुओं का कहना है कि गंगा

दशहरा पर काशी में गंगा स्नान का विशेष महत्व है, जिससे सभी पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। गंगा दशहरा वह दिन है जब गंगा नदी का धरती पर अवतरण हुआ था, और इसी दिन को मां गंगा के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है।

दशाश्वमेध घाट के तीर्थपुरोहित विवेकानंद ने कहा कि ज्येष्ठ माह का शुक्ल पक्ष है। इस दिन को गंगा दशहरा के उत्सव के रूप में मनाया जाता है। भागीरथ ने अपने पूर्वजों की मुक्ति के लिए मां गंगा की आराधना कर उनको प्रसन्न किया और मां गंगा को धरती पर लेकर आए। श्रद्धालु दूर-दूर से आते हैं और मोक्ष पाने के लिए गंगा जी में डुबकी लगाते हैं।

गुजरात के राजकोट से आए महंत विजय महाराज ने बताया कि सनातन धर्म में गंगा दशहरा का बहुत महत्व है। आज ही के दिन गंगा जी धरती पर अवतरित हुईं थीं। इसी क्रम में गंगा दशहरा का पर्व संगम नगरी प्रयागराज में भी पूरी आस्था और श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है।

इस मौके पर प्रयागराज में गंगा यमुना और अदृश्य सरस्वती के त्रिवेणी संगम पर आस्था की डुबकी लगाने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु आए हुए हैं और ब्रह्म मुहूर्त से ही श्रद्धालु गंगा में आस्था की डुबकी लगाने के साथ ही पूजा अर्चना और दान पुण्य भी कर रहे हैं।

श्रद्धालु महंत गोपाल ने कहा कि गंगा दशहरा के दिन भागीरथ के पूर्वजों के मोक्ष के लिए मां गंगा स्वर्ग लोक से मृत्युलोक में आईं। हम सब भाग्यशाली है जो इस दिन गंगा मां की पूजा अर्चना कर मोक्ष की याचना करते हैं। इस उत्सव के दौरान लोगों के 10 तरह के पाप से मुक्ति मिलती है। इसलिए इस दिन को गंगा दशहरा नाम दिया गया है। गंगा स्थान करने वाले श्रद्धालु के पितरों को भी मुक्ति मिलती है। प्रयागराज में एक रुपये के दान का लाभ एक लाख रुपये के बराबर माना जाता है। सीता जी ने मां गंगा को जगत जननी का नाम दिया है।

एक श्रद्धालु का कहना है कि हम गंगा दशहरा के अवसर पर पवित्र स्नान करने के लिए संगम में मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती के तट पर आए हैं। इस स्नान से पितर भी प्रसन्न होते हैं। महाकुंभ के आयोजन के बाद से लोगों में अध्यात्म बढ़ा हुआ है।

किसानों की तरक्की के बिना देश की प्रगति अधूरी: चौहान

केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने पंजाब के किसानों से बातचीत की, फसल विविधीकरण पर दिया जोर

चंडीगढ़। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पटियाला में किसानों के एक समूह से बृहस्पतिवार को बातचीत की और उन्हें फसल विविधीकरण अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि समय की मांग है कि ऐसी फसलें उगाई जाएं जो लाभ देने के साथ-साथ पानी की खपत भी कम करें। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद सिंधु जल संधि को निलंबित करने के केंद्र के फैसले का जिक्र करते हुए चौहान ने कहा कि पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के लिए सिंधु, झेलम और चिनाब नदियों के पानी का उपयोग करने के प्रयास किए जाएंगे।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसानों के मुद्दों का समाधान चर्चा एवं संवाद के माध्यम से संभव है। केंद्र के 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' के तहत केंद्रीय कृषि मंत्री ने पटियाला के राजपुरा में गंडिया खेड़ी गांव का दौरा किया, जहां उन्होंने किसानों के एक समूह से मुलाकात की। समूह ने अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराने के अलावा अपनी नवीन कृषि पद्धतियों के बारे में जानकारी दी। चौहान के साथ पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति सतबीर सिंह गोसल और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के वैज्ञानिक भी मौजूद रहे।

देश के खाद्यान्न भंडार में पंजाब के किसानों की भूमिका की सराहना करते हुए चौहान ने कहा कि देश ने इस वर्ष गेहूं, धान, मक्का और सोयाबीन का सर्वकालिक रिकॉर्ड उत्पादन दर्ज किया है। चौहान ने कहा, '' इसमें पंजाब की सबसे बड़ी भूमिका रही और मैं पंजाब की धरती को नमन करता हूं।'' केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लक्ष्य है कि फसल उत्पादन बढ़े, लागत कम हो, किसानों को उनकी फसलों का लाभकारी मूल्य मिले और अगर उन्हें कोई नुकसान होता है तो उन्हें मुआवजा दिया जाए। किसानों के साथ अपनी बातचीत का जिक्र करते हुए चौहान ने कहा कि वे

किसानों द्वारा अपनाई जा रही चावल की सीधी बुआई तकनीक से प्रभावित हैं और वे अन्य किसानों से भी कम पानी की खपत के लिए डीएसआर अपनाने का आग्रह करेंगे।

उन्होंने कहा, '' मुझे सीधी बुआई, मशरूम की खेती या साइलेज बनाने सहित अच्छी फसल पद्धतियों से अवगत कराया गया।'' 'साइलेज' एक संरक्षित हरे चारे का प्रकार है जो पशुओं के लिए एक पौष्टिक और संतुलित आहार होता है राष्ट्रव्यापी अभियान 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' के बारे में चौहान ने कहा कि वह किसानों से मिलकर उनकी समस्याएं समझ रहे हैं। एक सवाल के जवाब में चौहान ने कहा कि फसल विविधीकरण कार्यक्रम समय की मांग है। उन्होंने कहा, '' हमें ऐसी फसलें उगानी चाहिए जो लाभ के साथ-साथ कम पानी भी लें।'' इससे पहले उन्होंने किसानों से फलों, सब्जियों और अन्य फसलों के साथ प्रयोग करने का आह्वान भी किया।

अदाणी समूह ने 2024-25 में 75,000 करोड़ रुपये कर का भुगतान किया, पिछले वर्ष से 29 % अधिक

नई दिल्ली। अदाणी समूह के खंड में शामिल कंपनियों ने वित्त वर्ष 2024-25 में 29 प्रतिशत अधिक करीब 75,000 करोड़ रुपये के कर का भुगतान किया। इसमें प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों के साथ-साथ कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा के लिए किए गए भुगतान भी शामिल हैं। बयान में कहा गया, ''वित्त वर्ष 2025 (अप्रैल 2024 से मार्च 2025 वित्तीय वर्ष) के लिए सूचीबद्ध कंपनियों के माध्यम से अदाणी समूह का सरकारी खजाने में कुल योगदान 29 प्रतिशत बढ़कर 74,945 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 58,104 करोड़ रुपये था।'' समूह ने

बताया कि उसकी सूचीबद्ध कंपनियों में सबसे अधिक अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल), अदाणी सीमेंट लिमिटेड (एसीएल), अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) और अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने कर का भुगतान किया। बयान में कहा गया, ''समूह की सात सूचीबद्ध कंपनियों अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड, अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड, अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड, अदाणी पावर लिमिटेड, अदाणी टोटल गैस लिमिटेड और अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड द्वारा प्रकाशित स्वतंत्र वार्षिक रिपोर्ट के आंकड़े इसमें शामिल हैं।'' इस आंकड़े में तीन अन्य सूचीबद्ध कंपनियों एनडीटीवी, एसीसी और सांघी इंडस्ट्रीज द्वारा चुकाया गया कर भी शामिल है जिनका नियंत्रण उक्त सात कंपनियों के पास है।

घरेलू स्टेनलेस स्टील की खपत पिछले पांच वर्ष में 84% बढ़ी

मुंबई। घरेलू स्टेनलेस स्टील की खपत पिछले पांच वर्ष में 84 प्रतिशत बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 48 लाख टन तक पहुंच गई। उद्योग संगठन भारतीय स्टेनलेस स्टील विकास संघ (आईएसएसडीए) के अनुसार, वित्त वर्ष 2020-21 में भारत में स्टेनलेस स्टील की खपत 26.1 लाख टन थी।

वित्त वर्ष 2021-22 में यह बढ़कर 34.6 लाख टन हो गई। आईएसएसडीए के अध्यक्ष राजमणि कृष्णमूर्ति ने ग्लोबल स्टेनलेस-स्टील एक्सपो 2025 (जीएसएसई 2025) में कहा कि यह मांग बुनियादी ढांचे, रेलवे, हवाईअड्डे, मेट्रो आदि क्षेत्रों से प्रेरित है। आंकड़ों के अनुसार, 2022-23 में मांग सालाना आधार पर 14 प्रतिशत बढ़कर 39.4 लाख

टन हो गई थी। 31 मार्च 2025 को समाप्त वित्त वर्ष में 48 लाख टन तक पहुंचने से पहले 2023-24 में 44.9 लाख टन थी। कृष्णमूर्ति ने कहा, ''मांग मुख्य तौर पर भवन एवं निर्माण, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं, रेलवे व परिवहन आदि क्षेत्रों से खपत में मजबूत वृद्धि से प्रेरित रही।'' भारतीय स्टेनलेस स्टील विकास संघ (आईएसएसडीए) के अनुसार, देश में स्टेनलेस स्टील की मांग के अगले दो से तीन वर्ष में सालाना आधार पर सात से आठ प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। भारत, दुनिया में स्टेनलेस स्टील का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है और इसका 'मेल्ट' उत्पादन चीन और इंडोनेशिया के बाद दुनिया में तीसरा सबसे ज्यादा है। स्टेनलेस स्टील के गुणों के बारे में उन्होंने कहा कि यह अपनी मजबूती, शून्य रखरखाव एवं जीवन चक्र लागत के कारण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए सुरक्षित है और इसे पुनर्चक्रित किया जा सकता है।

जयपुर हवाई अड्डे के विकास के लिए 600 करोड़ रुपये की 14 परियोजनाएं शुरू

जयपुर। निजी क्षेत्र की कंपनी जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने जयपुर हवाई अड्डे पर यात्री सुविधा बढ़ाने और बढ़ते यात्री भार को देखते हुए बुनियादी ढांचे में सुधार का काम शुरू किया है। कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि हवाई अड्डे को विभिन्न स्तर पर बेहतर बनाने और यात्रियों के समग्र अनुभव को बेहतर करने के लिए 600 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 14 परियोजनाएं शुरू की गई हैं।

उन्होंने कहा, '' कुल मिलाकर इन परियोजनाओं का उद्देश्य जयपुर हवाई अड्डे के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाना और यह सुनिश्चित करना है कि यह अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरा उतरे एवं बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करे।'' इसके

तहत टर्मिनल-2 का विस्तार किया जा रहा है जो इसके बुनियादी ढांचे के विकास की योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (जेआईएएल), अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी है। उन्होंने कहा, '' 15,000 वर्ग मीटर के विस्तार से मौजूदा टर्मिनल की कुल क्षमता में वृद्धि होगी। वर्तमान में, टर्मिनल पर 39 चेक-इन काउंटर हैं। विस्तार के तहत 24 नए काउंटर शुरू करने की योजना है। इससे चेक-इन काउंटर की कुल संख्या 63 हो जाएगी, जिससे यात्रियों को लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा।''

नए चेक-इन काउंटर के अलावा हवाई अड्डे पर आठ अतिरिक्त 'सेल्फ-बैगेज ड्रॉप' (एसबीडी) काउंटर भी शुरू किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, '' 'एक्स-रे बैगेज इंस्पेक्शन सिस्टम' (एक्सबीआईएस) की नौ नई मशीन लगने से सुरक्षा जांच प्रक्रिया भी बेहतर होगी।'' इसी तरह 'बोर्डिंग गेट' की संख्या छह से बढ़कर 10 की जाएगी। दो नए प्रवेश द्वार बनाए जाने से उनकी कुल संख्या भी छह हो जाएगी। साथ ही 6,000 वर्ग मीटर का नया 'फोरकोर्ट एरिया' भी विकसित किया जाएगा।

पाकिस्तान : वित्त वर्ष 25-26 के लिए 4,224 अरब रुपये के राष्ट्रीय विकास बजट को मंजूरी

इस्लामाबाद। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में पाकिस्तान की राष्ट्रीय आर्थिक परिषद (एनईसी) ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 4,224 अरब रुपये के राष्ट्रीय विकास बजट को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी है। एनईसी ने आगामी वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सकल घरेल उत्पाद (जीडीपी) की 4.2 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल करने का लक्ष्य रखा है।

'रेडियो पाकिस्तान' की ओर से बुधवार को जारी खबर के अनुसार, इस्लामाबाद में बुधवार को हुई एनईसी की बैठक में पंजाब, सिंध, खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान के चार प्रांतीय मुख्यमंत्रियों ने हिस्सा लिया। बैठक में 30 जून को समाप्त होने वाले चालू वित्त वर्ष में जीडीपी की वृद्धि दर 2.7 प्रतिशत रहने की घोषणा भी की गई। पाकिस्तान एक जुलाई से 30 जून तक के वित्त वर्ष का अनुसरण करता है। प्रधानमंत्री शरीफ ने बैठक को संबोधित करते हुए भारत के सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) को स्थगित करने का मुद्दा उठाते हुए कहा कि पाकिस्तान को जल संसाधनों से वंचित करने की भारत की धमकियां अस्वीकार्य हैं और ''हम इस मोर्चे पर भी भारत को मात देंगे।'' शरीफ ने कहा कि विदेशी मुद्रा विनिमय एवं वृद्धि दर बढ़ाने में कृषि क्षेत्र की अहम भूमिका है, इसलिए कृषि उत्पादन को बेहतर बनाने के लिए रणनीति बनाई जा रही है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के तुरंत बाद भारत ने अन्य दंडात्मक उपायों के साथ-साथ सिंधु जल संधि को स्थगित करने की घोषणा की थी। सिंधु जल संधि पर 1960 में दोनों देशों ने अपने बीच जल विवाद को सुलझाने और सिंधु बेसिन की छह मुख्य नदियों के पानी को साझा करने के लिए हस्ताक्षर किए थे। इस बीच, एनईसी ने 13वीं पंचवर्षीय विकास योजना और उरान पाकिस्तान खाके को भी मंजूरी दे दी, जो राष्ट्रीय आर्थिक वृद्धि में तेजी लाने की एक प्रमुख परियोजना है।

पीयूष गोयल ने की मिलान में इतालवी व्यापार जगत के नेताओं से मुलाकात

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को इटली के उप-प्रधानमंत्री के साथ सह-अध्यक्षता बैठक से पहले कई इतालवी सीईओ से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने इस बात पर चर्चा की कि वे निरंतर विकास के लिए भारत के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र का किस तरह से सर्वोत्तम लाभ उठा सकते हैं।

गोयल फ्रांस में भारत-फ्रांस आर्थिक सहयोग को मजबूत करने पर केंद्रित अपनी गतिविधियों को पूरा करने के बाद इटली के अपने दो दिवसीय आधिकारिक दौरे पर हैं। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने गुरुवार को 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, इटली के उप-प्रधानमंत्री के साथ सह-अध्यक्षता बैठक से पहले मिलान में इतालवी व्यापार जगत के कई नेताओं से मुलाकात की। पीयूष गोयल ने पोस्ट किया, ₹इंजीनियरिंग और विनिर्माण तकनीक कंपनी पोग्गीपोलिनी एस.पी.ए. के सीईओ मिशेल पोग्गीपोलिनी से मुलाकात की। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में देश की बढ़ती भूमिका को देखते हुए, भारत में कंपनी के लिए प्रौद्योगिकी, नवाचार और विनिर्माण अवसरों पर उत्पादक चर्चाओं में शामिल हुए। उन्होंने एसओएल ग्रुप के महानिदेशक डेनियल फोर्नी से भी मुलाकात की, जो तकनीकी और चिकित्सा गैसों के उत्पादन, अनुप्रयुक्त अनुसंधान और विपणन के क्षेत्र में एक इतालवी बहुराष्ट्रीय कंपनी है और इस बात पर चर्चा की कि समूह भारत में प्रमुख क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति का और विस्तार कैसे कर सकता है।

गोयल ने इतालवी लाइटिंग दिग्गज आईमून की सीईओ सुश्री लॉरा टारक्विनियो और उनकी टीम से मुलाकात की। उन्होंने लिखा है कि हमने स्मार्ट लाइटिंग समाधानों के लिए भारत में उपलब्ध निवेश के अपार अवसरों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। इसके अलावा वाणिज्य मंत्री ने वाणिज्यिक प्रशीतन विशेषज्ञ इप्टा समूह के सीईओ मार्को नोसिवेली से भी मुलाकात की। गोयल के अनुसार, ₹भारत के तेजी से बढ़ते खुदरा और कोल्ड चेन क्षेत्रों के साथ हमने चर्चा की कि कंपनी किस तरह अवसर का लाभ उठा सकती है और भारत में स्थायी प्रशीतन समाधानों में योगदान दे सकती है।₹ गोयल ने आगे लिखा, ₹एक्सल और ट्रांसमिशन सिस्टम के वैश्विक निर्माता कैरारो ग्रुप के वाइस चेयरमैन टॉमसो कैरारो से मिलकर अच्छा लगा, जिसकी भारत में मजबूत उपस्थिति है। इटली के दो दिवसीय आधिकारिक दौरे पर आए केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने लिखा है, उप-प्रधानमंत्री एवं विदेश मामलों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग मंत्री महामहिम एंटोनियो तजानी द्वारा आयोजित एक शानदार रात्रिभोज में शामिल होकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। एक प्रतिष्ठित सभा को संबोधित करने और भारत-इटली के बीच आर्थिक संबंधों को गहरा करने पर सार्थक चर्चा करने का सौभाग्य मिला। ब्रेशिया में पिनाकोटेका टोसियो मार्टिनेंगो संग्रहालय ने वास्तव में समग्र अनुभव को समृद्ध किया। उत्कृष्ट कला से घिरा, माहौल खूबसूरती से सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शाता है जिसे हमारे दोनों देश गहराई से महत्व देते हैं। हमारी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए मिलकर काम करने की उम्मीद है।

टीवीएस मोटर ने नियुक्त किया सुदर्शन वेणु को चेयरमैन

नई दिल्ली। टीवीएस मोटर कंपनी के निदेशक मंडल ने सुदर्शन वेणु को चेयरमैन नियुक्त किया है। टीवीएस मोटर कंपनी ने बृहस्पतिवार को बयान में कहा कि 25 अगस्त से वेणु को चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) नियुक्त किया जाएगा। वेणु वर्तमान चेयरमैन राल्फ स्पेथ की जगह लेंगे। स्पेथ ने बोर्ड को सूचित किया है कि वह आगामी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में कंपनी के निदेशक के रूप में पुनर्नियुक्ति को इच्छुक नहीं हैं। टीवीएस मोटर ने कहा कि इसके परिणामस्वरूप, वह 22 अगस्त, 2025 को एजीएम के समापन पर कंपनी के चेयरमैन पद से हट जाएंगे।

भारतीय रेलवे के जरिये वित्त वर्ष 2024-25 में 5.18 लाख वाहन भेजे: मारुति सुजुकी

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया ने वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय रेलवे के जरिये सर्वाधिक 5.18 लाख वाहन भेजे। कार बाजार की अग्रणी कंपनी ने बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2014-15 से अभी तक भारतीय रेलवे के जरिये करीब 24 लाख वाहन भेजे गए हैं। वाहन विनिर्माता ने कहा कि वर्तमान में भारतीय रेलवे के जरिये 20 से अधिक केंद्रों में वाहन भेजे जाते हैं। इससे समूचे भारत में 600 से अधिक शहरों में सेवा दी जाती हैं। कंपनी द्वारा निर्यात के लिए उपयोग किए जाने वाले मुंद्रा और पीपावाव के बंदरगाह स्थानों को भी रेलवे के माध्यम से सेवा दी जाती है। एमएसआई के प्रबंध निदेशक एवं

मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हिसाशी ताकेउची ने कहा, '' कार्बन उत्सर्जन को कम करना हमारे लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है...उत्पादों तथा परिचालन दोनों स्तर पर।'' उन्होंने कहा कि मारुति सुजुकी 2013 में 'ऑटोमोबाइल-फ्रेट-ट्रेन-ऑपरेटर लाइसेंस' हासिल करने वाली भारत की पहली कंपनी थी। ताकेउची ने कहा, '' तब से, हमने रेलवे के जरिये करीब 24 लाख वाहन भेजे हैं। वित्त वर्ष 2030-31 तक, हम रेलवे के माध्यम से वाहन प्रेषण की हिस्सेदारी बढ़ाकर 35 प्रतिशत करने की योजना बना रहे हैं।'' मारुति सुजुकी वर्तमान में 40 से अधिक 'फ्लेक्सी डेक रेक' संचालित करती है, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता प्रत्येक यात्रा पर करीब 300 वाहन ले जाने की है।

सेंट्रल बैंक ने फ्यूचर जनरली इंडिया लाइफ इंश्योरेंस में 25.18 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने दिवाला प्रक्रिया के तहत 57 करोड़ रुपये में फ्यूचर जनरली इंडिया लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड में 25.18 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया है। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि बुधवार (चार जून) को 65,43,80,439 शेयर के अधिग्रहण के साथ बैंक ने बीमा क्षेत्र में कदम रखा। वर्तमान में, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की फ्यूचर जनरली इंडिया लाइफ इंश्योरेंस कंपनी (एफजीआईएलसीसीएल) में 25.28 प्रतिशत हिस्सेदारी है। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने भारतीय दिवाला एवं ऋण शोधन अक्षमता बोर्ड (कॉरपोरेट व्यक्तियों के लिए दिवाला समाधान प्रक्रिया) विनियमन, 2016 के तहत सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा प्रस्तुत बोली/समाधान योजना के जरिये फ्यूचर जनरली इंडिया लाइफ इंश्योरेंस कंपनी में 25.18 प्रतिशत शेयर हिस्सेदारी को मंजूरी दे दी है। एफजीआईएलसीसीएल बचत बीमा, निवेश योजना (यूएलआईपी), टर्म बीमा योजना, स्वास्थ्य बीमा योजना, बाल योजना, सेवानिवृत्ति योजना, ग्रामीण बीमा योजना और समूह बीमा योजनाएं प्रदान करता है। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने पिछले वर्ष अगस्त में घोषणा की थी कि वह जीवन एवं साधारण बीमा उपक्रमों में कर्ज में डूबी फ्यूचर एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एफईएल) की हिस्सेदारी अधिग्रहण के लिए सफल बोलीदाता के रूप में उभरा है। बैंक ने कहा था कि उसे फ्यूचर जनरली इंडिया लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड और फ्यूचर जनरली इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड में फ्यूचर एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एफईएल) की श्रेणी 1 परिसंपत्तियों की बिक्री के लिए ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) द्वारा सफल बोलीदाता घोषित किया गया है।

फिल्म सिटी निर्माण की उलटी गिनती शुरू, जल्द रखी जाएगी आधारशिला

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सेक्टर- 21 में प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय फिल्म सिटी के पहले चरण का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। निर्माणस्थल पर 10 से अधिक जेसीबी मशीनों और 20 से अधिक ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की मदद से भूमि को समतल करने और तारबंदी का काम युद्धस्तर पर शुरू कर दिया गया है।

अगले कुछ दिनों में फिल्म सिटी की आधारशिला रखी जाएगी, जिसकी तैयारी को लेकर तेजी से काम किया जा रहा है। फिल्म निर्माता बोनी कपूर और भूटानी ग्रुप के कंसोर्शियम बेब्यू भूटानी फिल्म सिटी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा इस परियोजना का विकास किया जा रहा है। पहले चरण में 230 एकड़ भूमि पर स्टूडियो और अन्य बुनियादी संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा। अनुमान है कि एक सप्ताह के भीतर फिल्म सिटी की आधारशिला रख दी जाएगी। इस दौरान केंद्र और राज्य सरकार के प्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए साइट पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत तारबंदी और चहारदीवारी का निर्माण कार्य शुरू किया गया है। फिल्म सिटी में विभिन्न प्रकार के स्टूडियो, बाजार, अस्पताल, धर्मस्थल, पुलिस थाना और अन्य आवश्यक ढांचों का निर्माण प्रस्तावित है। निर्माण की प्रक्रिया शुरू होने के बाद डेढ़ वर्ष के भीतर इस प्रोजेक्ट को क्रियान्वित करने की योजना है। यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि यह परियोजना विश्वस्तरीय फिल्म सिटी के रूप में विकसित की जाएगी। पहले चरण में 155 एकड़ क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियां और 75 एकड़ में व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जाएंगी। फिल्म सिटी को चार अलग-अलग जोनों में विभाजित किया जाएगा। इसमें ग्रीन बेल्ट, आंतरिक सड़कें और इमारतें भी शामिल होंगी।

यमुना प्राधिकरण क्षेत्र को एक अंतरराष्ट्रीय स्तर की सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है और फिल्म सिटी इसका प्रमुख हिस्सा बनने जा रही है। इस परियोजना से न केवल फिल्म इंडस्ट्री को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी उत्पन्न होंगे। स्थानीय निवासियों और कारोबारियों में इस परियोजना को लेकर उत्साह देखा जा रहा है।

गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट की बड़ी उपलब्धि, पांच और थाने ISO सर्टिफाइड

इन बिंदुओं का रखा गया ध्यान

आधार भूत संरचना, गुणवत्ता प्रबंधन, थाना कार्यालय प्रक्रिया, कानून व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, आपातकालीन स्थिति में त्वरित जवाबदेही, नए कानूनों का प्रभावी ढंग से अनुपालन, सिटीजन चार्टर का प्रभावी क्रियान्वयन।

नोएडा। पुलिस सेवा के अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप पाए जाने पर गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट के पांच और थानों को आईएसओ सर्टिफाइड घोषित किया गया है। आईएसओ प्रदाता कंपनी की तरफ से बृहस्पतिवार को कोतवाली सेक्टर 39, 49, 58, बिसरख और बीटा टू के थानाध्यक्षों व संबंधित डीसीपी को सर्टिफकेट दिया गया। इस मौके पर पुलिस कमिश्नर ने अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बेहतर पुलिस सिस्टम बनाने की बात कही। सेक्टर-108 स्थित पुलिस कमिश्नरेट मुख्यालय में बृहस्पतिवार को आयोजित कार्यक्रम में कोतवाली सेक्टर 39 के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह, सेक्टर 49 के प्रभारी निरीक्षक अनुज कुमार सैनी, सेक्टर 58 के प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार, बिसरख के प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह और बीटा टू के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार को आईएसओ सर्टिफिकेट दिया गया। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने बताया कि आम लोगों को प्रदान की जाने वाली पुलिस सेवा, जन शिकायतों के समयबद्ध निवारण व प्रशासनिक व्यवस्था के स्तर को बेहतर बनाने के लिए एक एसओपी बनाई गई थी।

इसी क्रम में इन पांचों थानों के कार्यालय, सीसीटीएनएस, आईजीआरएस, मालगृह, जीडी/पासपोर्ट/ डाक सेक्शन, आर्म्स रखरखाव, साइबर डेस्क, महिला हेल्प डेस्क से लेकर सिटीजन चार्टर का प्रभावी क्रियान्वयन कराया गया। इसके बाद आईएसओ प्रदाता फर्म की टीम ने गहन समीक्षा और ऑडिट की। इसके बाद इन थानों को आईएसओ सर्टिफिकेशन दी गई।

इस मौके पर कंपनी के अधिकारी ने बताया कि आईएसओ सर्टिफिकेशन के जो अंतर्राष्ट्रीय प्रोटोकॉल हैं। इसके अनुरूप पांच थाने पाए गए। इसके बाद कंपनी की तकनीकी कमिटी ने क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम के लिए यह प्रमाण पत्र जारी किया है। नोएडा कमिश्नरेट पहले से ही आईएसओ सर्टिफाइड है। वही कमिश्नरेट के तीन थाने कोतवाली एक्सप्रेस वे, बादलपुर और नॉलेज पार्क को पहले ही यह सर्टिफिकेट मिल चुका है। इस सर्टिफिकेट को प्राप्त करने वाला नोएडा कमिश्नरेट प्रदेश का पहला कमिश्नरेट है। वहीं अब आठ थानों को भी एक जिले में पहली बार आईएसओ सर्टिफिकेशन मिला है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अन्य थानों को भी इस तरह का बनाया जाएगा और पुलिसकर्मियों को भी बेहतर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

यातायात पुलिसकर्मियों को दिए गए 'हीट कंट्रोल' हेलमेट

ट्रैफिक पुलिस को मिलेगी गर्मी से राहत, 8 से 10 घंटे चलेगी कूलिंग हेलमेट की बैटरी

नोएडा। पूरा उत्तर भारत इन दिनों भीषण गर्मी से जूझ रहा है। भले ही मई-जून में अब पहले जैसी गर्म हवाएं न चल रही हों लेकिन गर्मी और तेज धूप तो है ही। दिल्ली-एनसीआर का भी हाल कुछ ऐसा ही है। ऐसे में यातायात पुलिसकर्मियोंको बहुत ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ती है। क्यों कि सारा दिन वह तपती धूप में खड़े होकर सड़क पर ट्रैफिक व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालते हैं। तपती धूप और गर्मी से उनकी तबीयत न बिगड़े इसके लिए खास व्यवस्था की गई है। उनको ऐसे हेलमेट दिए गए हैं जिनमें छोटा पंखा लगा हुआ है। जब हेलमेट से ठंडी-ठंडी हवा आएगी तो ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को धूप-गर्मी से राहत जरूर मिलेगी। गौतमबुद्धनगर पुलिस ने यातायात पुलिसकर्मियों को भीषण गर्मी से बचाने के लिए 100 'हीट कंट्रोल' हेलमेट बांटे हैं। अब सिर्फ 100 हेलमेट दिए गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि अन्य पुलिसकर्मियों के लिए भी जल्द ही इस तरह से हेलमेट खरीदें जाएंगे। पुलिस उपायुक्त (यातायात) लाखन सिंह यादव ने कहा कि इन हेलमेट में बैटरी से चलने वाला मिनी फैन लगा होता है, जो सिर को ठंडा रखता है। बता दें कि इस हेलमेट में गर्मी और धूप से बचाव के लिए टेंपरेचर कंट्रोल डिवाइस लगी है।

वहीं हेलमेट के साथ ही छाता, पानी की बोतल और सेफ्टी गोगल्स भी दिए गए हैं। इससे ड्यूटी कर रहे यातायात कर्मी न सिर्फ गर्मी से बचेंगे बल्कि बेहतर तरीके से अपनी ड्यूटी भी कर पाएंगे । हेलमेट की बैटरी 8 से 10 घंटे तक चलती है और इसे कमर पर बांधा जा सकता है। हेलमेट का वजन करीब 200-250 ग्राम है, जिससे यह भारी नहीं लगता। इसमें एक शील्ड भी लगी है, जो आंखों को धूप से बचाती है। यह खास हेलमेट सिर के तापमान को सामान्य से 10-15 डिग्री तक कम करता है। उत्तर प्रदेश में यातायात पुलिस कर्मियों के लिए इस तरह की व्यवस्था पहली बार नहीं की गई है। इससे पहले 'हीट कंट्रोल' हेलमेट लखनऊ, गाजियाबाद और कानपुर में भी यातायात पुलिस कर्मियों को दिए जा चुके हैं। अब नोएडा में भी इसी तरह की व्यवस्था की गई है। गौतमबुद्धनगर पुलिस

कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने ठंडी हवा वाले हेलमेट बांटे। इससे भीषण गर्मी में रोड पर मोर्चा संभलने वाले ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को राहत मिलेगी।

सेक्टर से लेकर सोसाइटी और स्कूलों में लगे पौधे

शहर को हरा भरा रखने की ली शपथ

नोएडा। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर सेक्टर, सोसाइटी और स्कूल कॉलेज से लेकर अन्य स्थानों पर लोगों ने पौधे लगाकर शहर को हरा भरा रखने की शपथ ली। ग्रेटर नोएडा स्थित एसकेए मेट्रो विले सोसाइटी में बच्चों के द्वारा नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी गई। आर्या तिवारी, सौम्या शुक्ला, ध्युति गुप्ता, भूमि शर्मा, निधि सिंह, ऐलिन, अक्षरा मल्ल, संस्कृति साहू, रुद्राक्ष, सायशा धीमान, खुशी राजपूत, आयत सिंह ने संदेश दिया कि पौधों को बचाने के लिए कदम उठाने होंगे। प्रदूषण के खिलाफ और पर्यावरण स्वच्छता के लिए संदेश दिया। इस मौके पर एओए अध्यक्ष, सचिव और उपाध्यक्ष ने कहा की समय-समय पर सोसाइटी के अंदर और बाहर छोटे-बड़े पेड़ लगाते रहेंगे। राधा स्काई गार्डन सोसायटी में पौधरोपण किया गया।

इस अवसर पर तुलसी, शतावरी, करी पत्ता, एलोवेरा, मिंट व अजवाइन आदि का पौधरोपण किया गया। सूरजपुर वेटलैंड में एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरुआत की गई। फोर्टिस हॉस्पिटल ग्रेटर नोएडा ने एक विशेष पौधरोपण अभियान का आयोजन किया। इस पहल के तहत हॉन्डा चौक से गोलचक्कर तक फैले ग्रीन बेल्ट में विभिन्न प्रजाति के पौधे लगाए गए। ईको फ्रेंड ग्रुप की ओर से प्राधिकरण पार्क पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कासा ग्रीन्स एक सोसाइटी के सचिव महेश यादव के साथ अन्य लोगों ने पौधे लगाएं। एसडीएस एनआरआई रेजिडेंसी सोसाइटी में भी पौधारोपण किया गया। जिसमे पीपल, आम, अर्जुन आदि पौधे लगाए गए। इस मौके पर एओए अध्यक्ष अजय भान शर्मा, एसके निगम, कुलदीप भाटी के साथ अन्य लोगों ने पौधों की रक्षा करने की शपथ ली। निंबस रियल्टी ने सेतु फाउंडेशन के सहयोग से पौधारोपण किया। निंबस ग्रुप के सीईओ साहिल अग्रवाल ने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा के साथ समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलना हमारी जिम्मेदारी है। दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल में पर्यावरण दिवस उत्साह और जागरूकता के साथ मनाया गया। एनसीसी कैडेट्स और विद्यार्थियों ने भाग लिया। परिषदीय स्कूलों में भी एक पेड़ मां के नाम पर पौधारोपण किया गया।

कंपोजिट विद्यालय पर्थला खंजरपुर में इको क्लब का मिशन लाइफ के अंतर्गत खण्ड शिक्षा अधिकारी चंद्र भूषण प्रसाद, ऋतु रतन, प्रधानाध्यापक देवेंद्र यादव, अर्चना पांडेय और बच्चों ने पौधे लगाएं। छात्राओं ने अपनी माताओं के साथ सेल्फी ली। आईटीएस कॉलेज में पर्यावरण जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संकल्प संस्था ने चार टीमें गठित कर क्षेत्र के रसूलपुर, रूपवास, सादोपुर व जौनसमाना गांवों में पौधारोपण किया। छात्रों को सिंगल यूज प्लास्टिक को लेकर जागरूक करते हुए उनको पर्यावरण की रक्षा हेतु प्रेरित किया। संस्था के संस्थापक भूपेन्द्र नागर ने कहा कि हमें पेड़ को बचाना होगा। बैक्सन होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज में भी पौधारोपण किया गया। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में भी पौधारोपण किया गया। प्रोमिनेंस वर्ल्ड स्कूल में नन्हे बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरुक किया गया। उन्हें पौधे लगाकर उन्हें पानी देने व उनकी सेवा करने की शपथ ली।

नोएडा में कोरोना से पहली मौत, साढ़े तीन साल की बच्ची ने तोड़ा दम

गुरुवार को सामने आए 20 मरीज, कुल संक्रमित 150 के पार

नोएडा। नोएडा जिले में गुरुवार को कोविड से पहली मौत हुई है। मृतक साढ़े तीन साल की बच्ची का इलाज दिल्ली के चाचा नेहरू अस्पताल में चल रहा था। पोर्टल पर जानकारी आने के बाद स्वास्थ्य विभाग परिजनों से संपर्क कर रहा है।

एसीएमओ डॉ. टीकम सिंह ने बताया कि बच्ची छिजारसी की रहने वाली थी। डिहाइड्रेशन की शिकायत पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बच्ची की हालत गंभीर थी और उसे निमोनिया भी हो गया था। जांच में कोविड संक्रमण की भी पुष्टि हुई है। अस्पताल की ओर से पोर्टल पर इसकी जानकारी दी गई है। जिले में 20 और मरीजों में कोविड की पुष्टि हुई है। अब कुल मरीजों की संख्या 158 हो गई है, जिनमें 94 पुरुष और 64 महिलाएं शामिल हैं। इस समय अस्पताल में केवल दो मरीज भर्ती हैं। अब तक सात मरीज ठीक हो चुके हैं। कुल 151 सक्रिय मरीज हैं। वहीं, जैसे-जैसे मरीजों की संख्या बढ़ रही है, स्वास्थ्य विभाग ने जांच का दायरा बढ़ाने पर भी काम शुरू कर रहा है। प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर भी कोविड जांच शुरू करने की कवायद शुरू कर दी है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग को किट उपलब्ध हो गई हैं। अभी सिर्फ जिला अस्पताल में कोविड की जांच हो रही है। बृहस्पतिवार को सात लोगों के कोविड सैंपल लिए गए हैं। डॉ. टीकम सिंह ने बताया कि लखनऊ से जिले में मौजूदा स्वास्थ्य सुविधाओं की सूची मांगी गई है। स्वास्थ्य केंद्रों पर उपलब्ध ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, नेबुलाइजर, दवाओं का स्टॉक, बेड आदि की जानकारी भेज दी गई है।

इस समय भंगेल के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर 75 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर उपलब्ध हैं, जिन्हें जरूरत पड़ने पर अन्य केंद्रों पर भेजा जाएगा। ऑक्सीजन प्लांट्स का निरीक्षण किया गया है और सभी सुचारू रूप से कार्य कर रहे हैं। सभी मरीजों से फोन पर संपर्क करना स्वास्थ्य विभाग के लिए चुनौती बनता जा रहा है। इसलिए एसीएमओ की ओर से बेसिक शिक्षा अधिकारी को पत्र लिखकर शिक्षकों की मांग की गई है ताकि वे कॉल सेंटर में सहायता कर सकें और मरीजों के स्वास्थ्य की जानकारी नियमित रूप से ली जा सके।

जमीन आवंटन मामले में ग्रेनो प्राधिकरण के 3 अधिकारी निलंबित

नोएडा। उत्तर प्रदेश में ग्रेटर नोएडा के पतवारी गांव में अधिग्रहण किए बिना ही करीब आठ हजार वर्ग मीटर जमीन का आवंटन करने के मामले में दोषी पाए गए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के तीन कर्मियों को राज्य के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' ने निलंबित कर दिया है। तीनों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता के कार्यालय की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक निलंबित होने वाले कर्मचारियों में महाप्रबंधक आर के देव, प्रबंधक कमलेश मणि चौधरी और तत्कालीन वरिष्ठ 'ड्राफ्ट मैन' सुरेश कुमार शामिल हैं।

इस मामले में उच्च न्यायालय ने अधिकारी और कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई करने का आदेश दिया था। बयान के अनुसार ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने वर्ष 2008 में ग्रेटर नोएडा वेस्ट के पतवारी गांव में जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया को लागू किया था।

दिल्ली एनसीआर क्षेत्रों में गांजा सप्लाई करने वाला अंतरराष्ट्रीय तस्कर गिरफ्तार

नोएडा। उत्तर प्रदेश की नोएडा कमिश्नरेट पुलिस ने अवैध गांजे की तस्करी करने वाले एक अतंरराष्ट्रीय तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस को आरोपी के पास से 10 किलो ओजी गांजा बरामद हुआ है। इसकी अनुमानित कीमत बाजार में करीब 8 लाख रुपये बताई जा रही है। इसके अलावा आरोपी के कब्जे से सफेद रंग की एक कार वर्ना भी बरामद हुई है। आरोपी इसी कार से गांजा तस्करी करता था। इस कार्रवाई को थाना फेस-2 पुलिस और सीआरटी टीम ने मिलकर अंजाम दिया है। तस्कर की पहचान जनपद गाजियाबाद के थाना इन्द्रापुरम के शक्ति खंड-2 निवासी मिलन सुमन उर्फ रैक्स उर्फ चिंटू के रूप में हुई है। शातिर को संयुक्त टीम ने हिमाचल प्रदेश से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के दौरान टीम को इसके पास से विदेशी करेंसी मिली है। ये स्मगलिंग के जरिए विदेश से गांजा मंगवाता था। पुलिस उपायुक्त सेंट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि अतंरराष्ट्रीय तस्कर धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट में वांछित चल रहा था। इसको थाना फेस-2 पुलिस व सीआरटी टीम के संयुक्त प्रयास से बुधवार को दबोचा गया है। तस्कर अपने साथी अजीम, बंटी कुमार, सूरज राव, शमीम, चंदन राव के जेल जाने के बाद अलग से आर्डर देकर लगभग 10 किलो गांजा मंगवाया था। इसको थाना फेस-2 क्षेत्र में स्थित बंद पड़ी फैक्ट्री के अंदर छिपा कर रखा था। गिरफ्तारी के डर से आरोपी हिमाचल चला गया था, ताकि वहां से आने के बाद नए लोगों से अपना काम शुरू करा सके। आरोपी की निशादेही पर थाना फेस-2 पुलिस व सीआरटी टीम द्वारा बंद पड़ी फैक्ट्री से 10 किलो ग्राम गांजा बरामद किया गया। ये गांजा शिलांग से लाकर दिल्ली-एनसीआर में अपने गुर्गों के द्वारा बेचता था।

थाईलैंड, इंडोनेशिया की करेंसी बरामद

डीसीपी सेंट्रल नोएडा जोन ने आगे बताया कि गिरफ्तार किया गया आरोपी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्मगलिंग करता है। ये ओजी, मैंगो गांजा शिलांग और पहाड़ी क्षेत्रों से मंगाकर पैंकिग करके दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर सप्लाई करता है। महंगे दामों में बेचकर आर्थिक लाभ कमाता है। जांच के दौरान आरोपी के पर्स से तीन देशों 1 डॉलर यूएसए, 20 वात थाईलैंड, 2000 रुपये इंडोनेशिया की राष्ट्रीय मुद्रा बरामद हुई है। हाल ही में थाना फेस-3 से जेल भेजे गए। इसके साथियों के मोबाइल में इसकी चैट भी मिली थी।

पूर्व में भेजे गए जेल

डीसीपी सेंट्रल नोएडा जोन ने बताया कि यह अपराधी पूर्व में जेल भेजे गए अपने साथियों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि साथियों के जेल जाने के उपरांत तत्काल इसने नया नेटवर्क बना लिया। इनको आपूर्ति के लिए लाए गए 10 किलोग्राम गांजे की खेप बरामद हुई है। इसके संबंध में अलग से धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। वर्ष 2020 तक इसके पास कुछ भी नहीं था।

प्रियंका चोपड़ा ने एंजेलिना जोली को 50वें जन्मदिन पर शुभकामनाएं दी

मुंबई। हॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री एंजेलिना जोली के 50वें जन्मदिन पर भारतीय अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनास ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। प्रियंका ने प्यार से उन्हें "एटरनल क्वीन" कहा। प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम की स्टोरी पर एंजेलिना जोली की एक तस्वीर साझा की। बुधवार को जोली 50 साल की हो गईं। इस मौके पर प्रियंका ने लिखा, "एटरनल क्वीन को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं।" एंजेलिना जोली 1982 से अब तक कई बड़ी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। उन्होंने प्लेइंग बाय हार्ट, गॉन इन 60 सेकंड्स, लारा क्रॉफ्टः टॉम्ब रेडर, लारा क्रॉफ्टः टॉम्ब रेडर – द क्रैडल ऑफ लाइफ, स्काई कैप्टन एंड द वर्ल्ड ऑफ टुमॉरो, अलेक्जेंडर, मिस्टर एंड मिसेज स्मिथ, बियोवुल्फ़, ए माइटी हार्ट, चेंजलिंग, कुंग फू पांडा, वांटेड, साल्ट, द टूरिस्ट और मेलफिसेंट जैसी कई मशहूर फिल्मों में अभिनय किया है। अभिनेत्री एंजेलिना जोली अपने मानवीय कार्यों के लिए भी जानी जाती हैं। उन्होंने इन 'द लैंड ऑफ ब्लड एंड हनी', 'अनब्रोकन', 'बाय द सी', 'फर्स्ट दे किल्ड माई फादर' और 'विदाउट ब्लड' जैसी कई फिल्मों का निर्देशन किया है। उनके अभिनय और निर्देशन को कई बार सराहा गया है। उन्हें एक अकादमी पुरस्कार, तीन गोल्डन ग्लोब पुरस्कार और दो स्क्रीन एक्टर्स गिल्ड पुरस्कार मिल चुके हैं। इसके अलावा, उन्हें टोनी पुरस्कार, दो ब्रिटिश अकादमी फिल्म पुरस्कार और दो प्राइमटाइम एमी पुरस्कार के लिए भी नामांकित किया गया है। अगर प्रियंका चोपड़ा की बात करें, तो वह अपनी आने वाली फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट' में नजर आएंगी, जिसे इल्या नाइशुलर ने निर्देशित किया है। यह एक एक्शन से भरपूर फिल्म है, जिसमें प्रियंका "नोएल बिसेट" नाम की एमआई6 एजेंट का किरदार निभा रही हैं। फिल्म में वह जॉन सीना और इदरीस एल्बा के किरदारों के साथ मिलकर एक राजनयिक मिशन के विफल होने के बाद एक गंभीर और खतरनाक स्थिति से निपटने के लिए सेना का हिस्सा बनती हैं। यह फिल्म 2 जुलाई को प्राइम वीडियो पर रिलीज़ होगी। प्रियंका चोपड़ा फिल्म द ब्लफ में भी नजर आएंगी, जिसमें वह 19वीं सदी की एक कैरेबियाई समुद्री डाकू का किरदार निभा रही हैं। यह एक रोमांचक ड्रामा फिल्म है, जिसे फ्रैंक ई. फ्लॉवर्स और जो बॉलरीनी ने मिलकर लिखा है। इसका निर्देशन भी फ्रैंक ई. फ्लॉवर्स ही कर रहे हैं। इस फिल्म में प्रियंका के साथ कार्ल अर्बन, इस्माइल क्रूज़ कॉर्डोवा, सफिया ओकले-ग्रीन और वेदांतेन नायडू भी अहम भूमिकाओं में हैं। 19वीं शताब्दी के कैरेबियाई द्वीपों पर आधारित इस फिल्म में प्रियंका एक ऐसी महिला की भूमिका निभा रही हैं जो पहले एक समुद्री डाकू रह चुकी है। कहानी में वह अपने परिवार की रक्षा करने के लिए मजबूर होती हैं।

अजय देवगन के साथ 'धमाल 4' में धमाल मचायेगी ईशा गुप्ता

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री ईशा गुप्ता फिल्म 'धमाल 4' में अजय देवगन के साथ धमाल मचाती नजर आयेंगी। बॉलीवुड की ग्लैमरस और प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में शुमार ईशा गुप्ता एक बार फिर बड़े पर्दे पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। इस बार वह कॉमेडी से भरपूर बहुचर्चित फिल्म धमाल 4 में नजर आयेंगी। इंद्र कुमार के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में ईशा गुप्ता अजय देवगन के अपोजिट एक अहम किरदार में नजर आएंगी। यह जोड़ी इस साल की सबसे दिलचस्प कास्टिंग मानी जा रही है। अपनी खूबसूरती, आत्मविश्वास से भरपूर स्क्रीन प्रेज़ेंस और दमदार अभिनय के लिए जानी जाने वाली ईशा अब धमाल यूनिवर्स में एक नई चमक लेकर आ रही हैं। धमाल 3 में उनके स्टाइल और तेवरों भरे किरदार को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। अब वह धमाल 4 में वापसी कर रही हैं। इस बार उनका किरदार और भी बोल्ड और कहानी में केंद्रीय भूमिका निभाने वाला होगा। निर्देशक इंद्र कुमार ने कहा, हम बहुत खुश हैं कि ईशा गुप्ता दोबारा 'धमाल 4' में हमारे साथ हैं। वह 'धमाल 3' का भी हिस्सा रही थीं। वह एक बेहतरीन अभिनेत्री और शानदार इंसान हैं। उनके साथ काम करना हमेशा सुखद अनुभव होता है। हाल ही में ईशा ने हनी सिंह और जुबिन नौटियाल के साथ ब्राउन आइज़ वाली और इश्क मेरा जैसे म्यूज़िक वीडियोज़ में धमाल मचाया है। अब वह अपनी खास अदाओं और स्क्रीन पर दमदार उपस्थिति के साथ धमाल 4 में एक नई ताजगी लेकर आएंगी।

नीना गुप्ता ने 66 साल की उम्र में दिखाया बोल्ड लुक

बॉलीवुड अभिनेत्री नीना गुप्ता को किसी परिचय की जरूरत नहीं है। नीना ने अपने करियर में कई बेहतरीन फिल्में दी हैं। अपनी दमदार एक्टिंग के अलावा नीना अपने बोल्ड अंदाज के लिए भी जानी जाती हैं। 66 साल की उम्र में भी वह नई पीढ़ी की अभिनेत्रियों को टक्कर देती हैं। नीना इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' को लेकर चर्चा में हैं। नीना गुप्ता ने हाल ही में अपना जन्मदिन मनाया। इस मौके पर नीना का लुक चर्चा का विषय बन गया। नीना की आने वाली फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' के इवेंट में अपने को-स्टार्स के साथ अपना जन्मदिन मनाया। इस इवेंट में आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, कोंकणा सेन शर्मा, पंकज त्रिपाठी और डायरेक्टर अनुराग बसु भी मौजूद थे। इस दौरान नीना का ड्रेसिंग सेंस देखकर हर कोई हैरान रह गया।नीना गुप्ता एक बार फिर अपने फैशन स्टेटमेंट को लेकर सुर्खियों में हैं। 66 वर्ष की उम्र में उन्होंने एक स्टाइलिश सफेद कफ्तान पहना, जिसमें फ्रंट पर आकर्षक गोल्डन 'बिस्किट ब्रा' डिजाइन था। यह आउटफिट उनकी बेटी मसाबा गुप्ता के फैशन ब्रांड 'हाउस ऑफ मसाबा' द्वारा डिज़ाइन किया गया था। नीना का यह लुक सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। कई लोगों ने उनकी बोल्डनेस और आत्मविश्वास की तारीफ की, वहीं कुछ यूज़र्स ने उम्र को लेकर आलोचना भी की। कई फैंस ने कहा, ₹उम्र सिर्फ एक नंबर है, नीना जी प्रेरणा हैं,₹ जबकि कुछ ट्रोल्स ने लिखा, ₹आपको अपनी उम्र के अनुसार कपड़े पहनने चाहिए और इस उम्र में आपसे यह उम्मीद नहीं थी। हालांकि, नीना गुप्ता ने हमेशा की तरह अपने अंदाज से यह साबित किया कि फैशन पर कोई उम्र की सीमा नहीं होती। 'मेट्रो इन दिनों' रिलीज़ डेट 'मेट्रो इन दिनों' 4 जुलाई को रिलीज़ हो रही है। इस फ़िल्म को भूषण कुमार की टी-सीरीज़ ने प्रोड्यूस किया है। म्यूज़िक कंपोज़र प्रीतम ने फ़िल्म का संगीत तैयार किया है।

गर्मियों की संजीवनी बूटी पुदीना

गहरे हरे रंग की पत्तियों वाले पुदीने की उत्पत्ति यूरोप से मानी गयी है। प्राचीन काल में रोम, यूनान, चीनी और जापानी लोग पुदीने का प्रयोग विभिन्न औषधियों के तौर पर किया करते थे। इन दिनों भारत, इंडोनेशिया और पश्चिमी अफ्रीका में बड़े पैमाने पर पुदीने का उत्पादन किया जाता है। खासकर गर्मियों में पैदा होने वाला पुदीना औषधीय और सौंदर्योपयोगी गुणों से भरपूर है। इसे भोजन में रायता, चटनी तथा अन्य विविध रूपों में उपयोग में लाया जाता है। आइये डालते हैं पुदीने के औषधीय गुणों पर एक नजरः-

- पुदीने की पत्तियों का ताजा रस नींबू और शहद के साथ समान मात्रा में लेने से पेट की हर बीमारियों में आराम दिलाता है।
- पुदीने का रस काली मिर्च और काले नमक के साथ चाय की तरह उबालकर पीने से जुकाम, खांसी और बुखार में राहत मिलती है।
- पुदीने की पत्तियां चबाने या उनका रस निचोड़कर पीने से हिचकियां बंद हो जाती है।
- सिरदर्द में ताजी पत्तियों का पेस्ट माथे पर लगाने से दर्द में आराम मिलता है।
- मासिक धर्म समय पर न आने पर पुदीने का सुखी पत्तियों के चूर्ण को शहद के साथ समान मात्रा में मिलाकर दिन में दो-तीन बार नियमित रूप से सेवन करने पर लाभ मिलता है।
- पेट संबंधी किसी भी प्रकार का विकार होने पर एक चैथाई चम्मच पुदीने के बीज खाएं अथवा 1 चम्मच पुदीने के रस को 1 कप पानी में मिलाकर पीएं।
- अधिक गर्मी या उमस के मौसम में जी मिलचाए तो एक चम्मच सूखे पुदीने की पत्तियों का चूर्ण और आधा चम्मच इलायची पाउडर को एक गिलास पानी में उबालकर पीने से लाभ होता है।
- पुदीने की पत्तियों को सुखाकर बनाए गए चूर्ण को मंजन की तरह प्रयोग करने से मुख की दुर्गंध दूर होती है और मसूड़े मजबूत होते हैं।
- एक चम्मच पुदीने का रस, दो चम्मच सिरका और एक चम्मच गाजर का रस एक साथ मिलाकर पीने से श्वांस संबंधी विकार दूर होते हैं।
- पुदीने के रस को नमक के पानी के साथ मिलाकर कुल्ला करने से गले का भारीपन दूर होता है और आवाज साफ होती है।

गर्दन की भी देख भाल कीजिए

चेहरा ही सुन्दर दिखे और उसे टिकाने वाली गर्दन की आप देखभाल न करें, यह तो उसके साथ लापरवाही होगी जबकि चेहरे से पहले गर्दन पर झुर्रियां पड़ती हैं तो क्यों न चेहरे के अलावा गर्दन का भी खास ख्याल रखा जाये। यदि आप अपनी उम्र छुपाना चाहती हैं और जल्दी झुर्रियों का शिकार नहीं होना चाहती तो आज से ही अपनी गर्दन की भी देखभाल करनी शुरू कर दीजिए। पेश हैं कुछ उपाय।

- घर पर ही माश्चराइजर बनाकर गर्दन पर लगायें। मॉश्चराइजर बनाने के लिए एक छोटा चम्मच जैतून के तेल में पांच चम्मच एप्रीकोट तेल की मिलायें। फिर इसमें तीन बूंदें जोजोबा का तेल मिलाकर गर्दन पर लगाएं। दस मिनट गर्दन पर लगाये रखें। फिर किसी फेसवॉश से गर्दन धो लें।
- सर्दियों में अधिक माश्चराइजर लगायें। बादाम के तेल को थोड़ा सा गर्म करके धीरे-धीरे गर्दन पर लगायें। हल्के हाथों से मालिश करके पन्द्रह मिनट बाद फलालेन के कपड़े को ठंडे पानी में भिगोकर पोंछ दें।
- गर्दन पर सनस्क्रीन लगाकर ही बाहर निकलें। घर पर ही सनस्क्रीन लोशन बनाने के लिए सौ मिलीलीटर कैलेमाइन लोशन में एक छोटा चम्मच लेवेंडर आयल मिलायें।
- रोज रात को सोने से पहले रूई में कच्चा दूध लगाकर गर्दन साफ करें।
- हफ्ते में कम से कम दो-तीन बार गर्दन पर स्क्रब कीजिए। इसके लिए एक चम्मच चावल का आटा, एक चम्मच पिसी मूंग दाल, दो चम्मच शहद, दूध मिलाकर पेस्ट बना लें। इस उबटन को हल्के हाथों से गर्दन पर लगाये। इससे गर्दन की मृत कोशिकाएं दूर होंगी।
- ठंडे गुलाब जल से गर्दन को पोंछें। यह गर्दन की टोनिंग करता है।
- अब तौलिये को गर्म पानी में भिगोकर गर्दन पर हल्के से लपेट लें। पांच मिनट बाद हटा लें।
- अब शुध्द विटामिन ई का तेल या अच्छी माश्चराइजिंग क्रीम गर्दन पर लगायें। बीस मिनट बाद रूई से गर्दन को पोंछ लें जिससे फालतू क्रीम अलग हो जाएगी।
- गर्दन को झुर्रियों से बचाने के लिए व्यायाम भी महत्वपूर्ण है। व्यायाम से गर्दन चुस्त भी रहती है।

आज का राशिफल

मेष राशि :- व्यवसाय विस्तार की योजनाएं बनाएंगे, लेकिन अपेक्षित सफलता नहीं मिलने से मन में व्यग्रता रहेगी।

वृषभ राशि :-आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कार्यभार की अधिकता रहेगी और दिन भागदौड़ में बीतेगा।

मिथुन राशि :- अनावश्यक खर्चों की भी अधिकता रहेगी। शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे।

कर्क राशि :- बौद्धिक कार्यों में सफलता मिलने की संभावना रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा।

सिंह राशि :-आज का दिन सामान्य रहेगा। नराकात्मक विचारों से दूर रहें, अन्यथा बड़ा नुकसान होने की संभावना रहेगी।

कन्या राशि :- कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी, जिससे मन व्यग्र रहेगा। क्रोध पर नियंत्रण और वाणी पर संयम रखें।

तुला राशि :- नये कार्यों की शुरुआत करने से बचें। आध्यामिक और धार्मिक कार्यों के प्रति रुझान बढ़ेगा।

वृश्चिक राशि :- ईश्वरभक्ति से मन को शांति मिलेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजनों का सहयोग मिलेगा।

धनु राशि :- आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी और धनलाभ की स्थिति रहेगी।

मकर राशि :- नौकरीपेशा लोगों के लिए स्थान परिवर्तन के साथ आय वृद्धि के योग बनेंगे।

कुम्भ राशि :- कलाकार, लेखक आदि को अपनी प्रतिभा प्रकट करने का अवसर मिलेगा।

मीन राशि :-परिजनों के साथ दिन मनोरंजन और आनंद-प्रमोद में बीतेगा। दांपत्यजीवन में निकटता और मधुरता आएगी।

-ज्योतिषाचार्य: पंडित जितेंद्र तिवारी

इंडोनेशिया ओपन 2025 : पी.वी. सिंधु प्री-क्वार्टर फाइनल में हारीं, ट्रीसा-गायत्री की जोड़ी भी बाहर

जकार्ता। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पी.वी. सिंधु का इंडोनेशिया ओपन 2025 में सफर गुरुवार को प्री-क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग के हाथों हार के साथ समाप्त हो गया। सिंधु ने मैच की अच्छी शुरुआत की और पहले गेम में 10-16 से पिछड़ने के बावजूद वापसी करते हुए गेम 21-18 से अपने नाम किया। हालांकि, दूसरे गेम में चोचुवोंग ने आक्रामक खेल दिखाया और 10 अंकों की बढ़त बनाते हुए गेम 21-10 से जीत लिया।

निर्णायक गेम में दोनों खिलाड़ी लंबे समय तक बराबरी पर रहीं, लेकिन आखिरी क्षणों में चोचुवोंग ने बढ़त बनाते हुए गेम 21-18 से जीतकर मैच अपने नाम किया। महिला युगल मुकाबले में भारत की ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी जापान की युकी फुकुशिमा और मायु मात्सुमोतो के खिलाफ 13-21, 22-24 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई। भारत की चुनौती टूर्नामेंट में अभी बाकी है, क्योंकि पुरुष युगल वर्ग में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी आज बाद में अपने मुकाबले में उतरेगी।

वैभव सूर्यवंशी: अगले आईपीएल में अपनी टीम के लिए दोगुना बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगा

मुंबई। अपने पदार्पण सत्र में अमिट छाप छोड़ने वाले 14 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का कहना है कि वह अगले साल इंडियन प्रीमियर लीग में अपनी टीम राजस्थान रॉयल्स के लिए दोगुना बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे। सूर्यवंशी ने अप्रैल में जयपुर में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ 38 गेंद में सात चौकों और 11 छक्कों से 101 रन की पारी के दौरान किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा सबसे तेज शतक (35 गेंद में) का रिकॉर्ड बनाया था।

इस तूफानी पारी के दौरान सूर्यवंशी आईपीएल में दूसरा सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम करने के अलावा 14 साल और 32 दिन की उम्र में पुरुष टी20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र में शतक बनाने वाले खिलाड़ी भी बन गए। आईपीएल की आधिकारिक वेबसाइट द्वारा साझा किए गए एक वीडियो में सूर्यवंशी ने कहा, ''आईपीएल में खेलना हर किसी के लिए एक सपने जैसा है और मुझे अपने पहले सत्र से बहुत सारी सकारात्मक चीजें मिलीं और मैंने यह भी सीखा कि मैं अगले

सत्र में टीम के लिए क्या कर सकता हूं।'' रॉयल्स के निराशाजनक अभियान के बावजूद बाएं हाथ के बल्लेबाज सूर्यवंशी ने व्यक्तिगत मोर्चे पर सफलता का स्वाद चखा जब मंगलवार को फाइनल के समापन के बाद उन्हें 'आईपीएल सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन' का पुरस्कार दिया गया।

सूर्यवंशी ने कहा, ''अगले साल मैं उन क्षेत्रों पर काम करूंगा जहां मैंने गलतियां की और टीम के लिए बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगा।'' पहले सत्र से मिली सीख के बारे में बात करते हुए सूर्यवंशी ने कहा, ''मेरी सीख यह है कि मुझे अपने प्रदर्शन से दोगुना बेहतर प्रदर्शन करना होगा जिससे कि मेरी टीम भी अगले साल फाइनल में खेल सके और मैं इस पर ध्यान केंद्रित करूंगा कि अगले साल मैं टीम के लिए कितना योगदान दे सकता हूं।'' सूर्यवंशी के प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें मुंबई के आयुष म्हात्रे के साथ इंग्लैंड के कई प्रारूप के दौरे के लिए भारत की अंडर-19 टीम में भी चुना गया। म्हात्रे ने आईपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स के लिए सफल पदार्पण किया।

सूर्यवंशी ने कहा, ''यह एक नई प्रतियोगिता है। मैं पहली बार ब्रिटेन जा रहा हूं इसलिए यह एक नया अनुभव होगा। मैं अनुभव करूंगा कि वहां खेल कैसे चलता है।'' उन्होंने कहा, ''इस बार चेन्नई सुपरकिंग्स के लिए खेलने वाले आयुष म्हात्रे हमारे कप्तान हैं। तैयारियां अच्छी चल रही हैं और इंग्लैंड में खेलना अच्छा अनुभव होगा तथा हम ट्रॉफी के साथ लौटने की कोशिश करेंगे।

इंडिया ए और इंग्लैंड लायंस के बीच दूसरा टेस्ट

केएल राहुल पर होंगी नजरें

नॉर्थम्पटन। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से पहले केएल राहुल की नजरें लाल गेंद के प्रारूप में अभ्यास पर होंगी जब भारत ए टीम शुक्रवार से इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरा और आखिरी अनधिकृत टेस्ट खेलने उतरेगी। भारत के अधिकांश हिस्सों में मानसून होने के कारण राहुल ने टेस्ट टीम से पहले अभ्यास के लिये ब्रिटेन पहुंचने का फैसला किया। पहला टेस्ट 20 जून से शुरू होगा।

शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम शुक्रवार को मुंबई से रवाना होगी। इंग्लैंड में दो शतक लगा चुके राहुल भारतीय टेस्ट टीम के सबसे सीनियर सदस्य हैं। विराट कोहली और रोहित शर्मा टेस्ट क्रिकेट से विदा ले चुके हैं। राहुल ने 58 टेस्ट में 33 . 57 की औसत से रन बनाये हैं लेकिन उन्हें अधिकांश सफलता शीर्षक्रम में मिला है। अब देखना है कि वह इसी क्रम पर उतरते हैं या इसमें बदलाव किया जाता है। गिल और साइ सुदर्शन को भी दूसरा चार दिवसीय मैच खेलना था लेकिन आईपीएल के कारण नहीं खेल सके। दोनों को लीड्स पर होने वाले पहले टेस्ट से पूर्व सिर्फ टीम के भीतर अभ्यास मैच खेलने का मौका मिल सकेगा। टेस्ट टीम के सदस्यों में से छह ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ पहला मैच खेला जो ड्रॉ रहा। तेज गेंदबाज आकाश दीप दूसरे मैच में खेलेंगे। यशस्वी जायसवाल, अभिमन्यु ईश्वरन और करुण नायर ने पहले मैच में रन बनाये थे।

ऐसी संभावना है कि रुतुराज गायकवाड़ और ईशान किशन को इस मैच में मौका दिया जाये। तेज गेंदबाज हरफनमौला के लिये शार्दुल ठाकुर और नीतिश रेड्डी में से एक का चयन होगा। दोनों ने कैंटरबरी में पहला मैच खेला लेकिन ठाकुर ने रेड्डी से ज्यादा गेंदबाजी की। फिटनेस कारणों से रेड्डी आईपीएल में भी ज्यादा नहीं खेल सके थे। अगर एक बार फिर सपाट पिच मिलती है तो राहुल एंड कंपनी के लिये तैयारियों के लिहाज से यह अच्छा नहीं होगा। इंग्लैंड लायंस के लिये तेज गेंदबाज जोश टंग और क्रिस वोक्स प्रभाव छोड़ने की कोशिश करेंगे ताकि पहले टेस्ट के लिये टीम में जगह बना सकें। मार्क वुड और जोफ्रा आर्चर का चोट के कारण भारत के खिलाफ खेलना संदिग्ध है। गुस एटकिंसन भी पहले टेस्ट से बाहर रह सकते हैं।

टीम इस प्रकार हैं:

भारत ए : अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, करूण नायर, ध्रुव जुरेल, नीतिश कुमार रेड्डी, शार्दुल ठाकुर, ईशान किशन, मानव सुतार, तनुष कोटियान, मुकेश कुमार, आकाश दीप, हर्षित राणा, अंशुल कम्बोज, खलील अहमद, रुतुराज गायकवाड़, सरफराज खान, तुषार देशपांडे , हर्ष दुबे।

इंग्लैंड लायंस : जेम्स रियू (कप्तान), फरहान अहमद,जोर्डन कॉक्स, रिकी फ्लिंटॉफ, एमिलियो गे, टॉम हैंस, जॉर्ज हिल, मैक्स होल्डन, बेन मैकिनी, एडी जैक, अजीत सिंह डेल, जोश टंग, क्रिस वोक्स।

मैच का समय : दोपहर 3 . 30 से।

केएल राहुल है सबसे सीनियर प्लेयर

इंग्लैंड में दो शतक लगा चुके राहुल भारतीय टेस्ट टीम के सबसे सीनियर सदस्य हैं। विराट कोहली और रोहित शर्मा टेस्ट क्रिकेट से विदा ले चुके हैं।राहुल ने 58 टेस्ट में 33 . 57 की औसत से रन बनाये हैं लेकिन उन्हें अधिकांश सफलता शीर्षक्रम में मिला है। अब देखना है कि वह इसी क्रम पर उतरते हैं या इसमें बदलाव किया जाता है ।

भारत के खिलाफ हेडिंग्ले टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम घोषित

बेन स्टोक्स करेंगे कप्तानी

लंदन। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने भारत के खिलाफ शुरू होने वाली रोथसे टेस्ट सीरीज़ के पहले मैच के लिए 14 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। यह मुकाबला 20 जून से लीड्स के हेडिंग्ले मैदान पर खेला जाएगा। टीम की कमान एक बार फिर कप्तान बेन स्टोक्स के हाथों में होगी।

खास बात यह है कि सरे के ऑलराउंडर जेमी ओवरटन की टेस्ट टीम में वापसी हुई है। उन्होंने आखिरी बार जून 2022 में हेडिंग्ले में ही न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना डेब्यू मैच खेला था। हालांकि हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज़ के दौरान उनकी उंगली में चोट लगी थी और फिलहाल वे मेडिकल निगरानी में हैं।

ब्रायडन कार्स, जैकब बेटल और क्रिस वोक्स की भी टीम में वापसी हुई है। ये तीनों खिलाड़ी दिसंबर में न्यूजीलैंड दौरे पर टेस्ट टीम का हिस्सा थे। वहीं, तेज़ गेंदबाज़ गस एटकिंसन को ज़िम्बाब्वे के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज टेस्ट के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लगने के कारण चयन से बाहर कर दिया गया है। इंग्लैंड और भारत के बीच कुल पांच टेस्ट मैचों की सीरीज़ खेली जाएगी, जिसका अंतिम मुकाबला 4 अगस्त को लंदन के किआ ओवल में होगा।

इंग्लैंड की टेस्ट टीम:

बेन स्टोक्स (कप्तान), शोएब बशीर, जैकब बेटल, हैरी ब्रूक, ब्रायडन कार्स, सैम कुक, जैक क्रॉली, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, ओली पोप, जो रूट, जेमी स्मिथ, जोश टंग और क्रिस वोक्स।

संक्षिप्त खबरें

श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर सचित्र मैच फिक्सिंग के दोषी

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व आफ स्पिनर सचित्र सेनानायके को हम्बनटोटा उच्च न्यायालय ने लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) के दौरान साथी खिलाड़ी को मैच फिक्सिंग के लिये ललचाने का दोषी पाया है। अटार्नी जनरल के विभाग ने कहा कि देश में हाल ही में शुरू किये गए भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत राष्ट्रीय स्तर के किसी खिलाड़ी को पहली बार मैच फिक्सिंग का दोषी पाया गया है। उन्हें 2023 में गिरफ्तार करके जमानत पर छोड़ दिया गया था। 40 वर्ष के सेनानायके ने 2012 से 2016 के बीच श्रीलंका के लिये एक टेस्ट, 49 वनडे और 24 टी20 मैच खेलकर 78 विकेट लिये हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने कोलंबो किंग्स के लिये खेल रहे थारिंडु रत्नायके को फिक्सिंग की पेशकश की थी।

फ्रेंच ओपन : कोको गाफ का सामना बोइसों से, जोकोविच और सिनेर भी जीते

पेरिस। दूसरी वरीयता प्राप्त कोको गाफ ने अमेरिका की ही मेडिसन कीस को 6 . 7, 6 . 4, 6 . 1 से हराकर फ्रेंच ओपन महिला युगल सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। अब उनका सामना फ्रांस की वाइल्ड कार्डधारी लोइ बोइसों से होगा जिन्होंने छठी वरीयता प्राप्त मिर्रा आंद्रीवा को 7 . 6, 6 . 3 से हराया। बाईस वर्ष की बोइसों 1989 के बाद अपने पदार्पण ग्रैंडस्लैम में सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली पहली महिला खिलाड़ी बन गई। उस समय मोनिका सेलेस और जेनिफर कैप्रियाती ने यह कमाल किया था। वह 1999 विम्बलडन में एमेली मोरेस्मो के बाद ग्रैंडस्लैम फाइनल में पहुंचने वाली सबसे युवा फ्रेंच खिलाड़ी हैं। पुरूष वर्ग में नोवाक जोकोविच और नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनेर का सामना सेमीफाइनल में होगा। जोकोविच ने तीसरी रैंकिंग वाले अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 4 . 6, 6 . 3, 6 . 2, 6 . 4 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। वहीं सिनेर ने गैर वरीय अलेक्जेंडर बुबलिक को 6 . 1, 7 . 5, 6 . 0 से हराया।

IPL भगदड़ : RCB ने मृतकों के परिवारों को 10 लाख रूपये देने का ऐलान किया

बेंगलुरू। आईपीएल चैम्पियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने टीम की आईपीएल खिताबी जीत के जश्न के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ में मारे गए 11 प्रशंसकों के परिवारों को दस दस लाख रूपये की आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया है। विराट कोहली और टीम की एक झलक पाने के लिये लाखों की तादाद में प्रशंसक चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर एकत्र हो गए जिससे 11 लोगों की मौत हो गई थी। आरसीबी ने सोशल मीडिया पर बृहस्पतिवार को जारी बयान में कहा ,'' बेंगलुरू में कल हुए हादसे से आरसीबी परिवार दुखी है।

डब्ल्यूपीएल, प्रदेश लीग ने दिखा दिया कि महिला क्रिकेट से राजस्व मिल सकता है : स्मृति मंधाना

नई दिल्ली। अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना का मानना है कि डब्ल्यूपीएल और विभिन्न प्रादेशिक लीग ने साबित कर दिया है कि देश में महिला क्रिकेट सुरक्षित हाथों में है और आर्थिक रूप से मजबूत भी। मंधाना पहली महिला महाराष्ट्र प्रीमियर लीग में रत्नागिरी जेट्स की कप्तान होंगी।

उन्होंने टीम द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा ,'' महिला क्रिकेट को इस तरह का मंच मिलना अद्भुत है। प्रदेश संघों और डब्ल्यूपीएल ने भी इसमें काफी मदद की है। इससे साबित होता है कि महिला क्रिकेट राजस्व बना सकता है जो बहुत अच्छी बात है।'' उन्होंने कहा ,'' लोग अब महिला क्रिकेट में पैसे लगाने को तैयार हैं। खेल जितना पेशेवर होगा, उतना ही बेहतर होगा खासकर जमीनी स्तर के क्रिकेटरों के लिये।

भारत में इस समय महिला क्रिकेट में निवेश आ रहा है जिससे खिलाड़ी को निखरने में मदद मिल रही है। हमारे कैरियर में हमें काफी देर से फिटनेस और इन चीजों के महत्व के बारे में पता चला था।'' उन्होंने कहा ,'' लेकिन मुझे यकीन है कि क्लब और बाकी पहल से इन खिलाड़ियों को इसकी बेहतर जानकारी होगी और वे अच्छी तैयारी से आयेंगे।

बाहर से शांत पाटीदार के भीतर सफलता के लिये ज्वालामुखी जैसी आग है :अमय खुरासिया

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पहली बार खिताब दिलाने वाले कप्तान रजत पाटीदार की तारीफ करते हुए जूनियर दिनों के उनके कोच अमय खुरासिया ने कहा कि संकल्प को पूरा करने की उनकी मजबूत इच्छाशक्ति उन्हें खास बनाती है। भारतीय टीम के पूर्व खिलाड़ी खुरासिया लंबे समय तक इंदौर में मध्य प्रदेश क्रिकेट संघ (एपीसीए) के अकादमी के मुख्य कोच रहे हैं और उनके मार्गदर्शन में पाटीदार ने अपनी बल्लेबाजी और नेतृत्व कौशल में काफी सुधार किया है।

खुरासिया ने पाटीदार को मजबूत इच्छाशक्ति वाली खिलाड़ी करार देते हुए कहा कि वह बाहर से बेहद सौम्य और शांत दिखते है लेकिन उनके अंदर सफलता के लिए ज्वालामुखी जैसे आग है। बायें हाथ के पूर्व बल्लेबाज ने 'भाषा' को दिये साक्षात्कार में कहा, '' धैर्य और सही समय पर सही फैसला लेना सफल व्यक्ति के दो बड़े गुण होते है और पाटीदार इन दोनों कसौटी पर पूरी तरह से खरे उतरते हैं।'' पाटीदार ने अपनी कप्तानी कौशल से प्रभावित करने के साथ इस सत्र में 15 मैचों में दो अर्धशतक की मदद से 312 रन बनाये। उन्होंने आईपीएल में 42 मैचों में एक शतक और नौ अर्धशतक की मदद से 1111 रन बनाये हैं। पाटीदार इस फ्रेंचाइजी से चोटिल खिलाड़ी के विकल्प के तौर पर जुड़े थे लेकिन 2022 सत्र में लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ शतकीय पारी खेलकर उन्होंने टीम में जगह पक्की की।

आरसीबी ने जब उन्हें इस सत्र से पहले कप्तान बनाने का फैसला किया तो कइयों को हैरानी हुई थी लेकिन यह 'मास्टरस्ट्रोक' साबित हुआ । पाटीदार ने 13 मैचों की टीम की अगुवाई की जिसमें से 10 में जीत दर्ज की। टीम ने इस दौरान खिताब उठाने के साथ पहली बार चेन्नई सुपर किंग्स को उसके घर में मात दी। आरसीबी ने जब पाटीदार को कप्तान बनाया तभी खुरासिया को लगा गया था कि यह टीम इस सत्र में कुछ खास करेगी। उन्होंने कहा, '' आरसीबी ने जब उन्हें कप्तान बनाया था तब भी कई पत्रकारों ने मेरा साक्षात्कार किया था। मैंने तब ही कहा था कि इस सत्र में यह टीम कुछ अलग करने वाली है। पाटीदार बाहर से काफी शांत दिखते है लेकिन अंदर से ज्वालामुखी की तरह है।

टीम रिले प्रारूप, नयी स्कोरिंग प्रणाली को विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप में परखा जायेगा

नई दिल्ली। बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) गुवाहाटी में होने वाले विश्व जूनियर चैंपियनशिप के दौरान परीक्षण और विश्लेषण कार्यक्रम के तहत मिश्रित टीम स्पर्धा में नयी स्कोरिंग प्रणाली के साथ-साथ 15 अंको वाले तीन गेम प्रारूप का आकलन करेगा। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का आयोजन असम की राजधानी स्थित राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में होगा। बीडब्ल्यूएफ और भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) प्रतियोगिता को अधिक रोमांचक बनाने के साथ वैश्विक दर्शकों को आकर्षित करने के लिए दो नये प्रारूपों की शुरुआत करेंगे। मिश्रित टीम टूर्नामेंट में पुनः संशोधित रिले प्रारूप लागू किया जाएगा जिसमें 45 अंक हासिल करने तक 'बेस्ट ऑफ थ्री सेट' प्रारूप में मुकाबले खेले जायेंगे। प्रत्येक सेट में पांच मुकाबले होंगे । इसमें पुरुष एकल, महिला एकल, पुरुष युगल, महिला युगल और मिश्रित युगल के मुकाबले शामिल है। बीडब्ल्यूएफ के महासचिव थॉमस एल. ने बुधवार को एक विज्ञप्ति में कहा, ''हम बैडमिंटन में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए बीएआई, गुवाहाटी और बीडब्ल्यूएफ की प्रगतिशील और आधुनिक दृष्टिकोण के साथ दूरदर्शी चैंपियनशिप पेश करके खुश हैं। '' उन्होंने कहा, ''ऐसे तरीकों से हम खेल को आधुनिक बनाने के साथ खिलाड़ियों की कुशलता को सुनिश्चित करेंगे। यह वैश्विक दर्शकों के लिए भी काफी रोमांचक और आकर्षक होगा।'' बीडब्लयूएफ व्यक्तिगत प्रतियोगिता में 15 अंको के तीन गेम स्कोरिंग प्रारूप का परीक्षण करेगा। टीम रिले प्रारूप के अनुसार प्रत्येक मुकाबले में तीन सेट होंगे तथा प्रत्येक सेट में पांच मैच होंगे।

प्राइम वॉलीबॉल लीग को मिला नया सदस्य

गोवा गार्जियंस बना 10वां फ्रेंचाइज़ी

मुंबई। भारत की सबसे तेज़ी से बढ़ती खेल लीगों में शामिल प्राइम वॉलीबॉल लीग ने अपने विस्तार की घोषणा करते हुए गोवा गार्जियंस को 10वीं फ्रेंचाइज़ी के रूप में शामिल किया है। गोवा पर आधारित यह टीम लीग के चौथे सीज़न में पहली बार मैदान में उतरेगी, जिसकी शुरुआत 2 अक्टूबर 2025 से होगी।

गोवा गार्जियंस टीम का मालिकाना हक़ राजू चेकुरी के पास है, जो नेतेनरिच कंपनी के चेयरमैन, प्रेसिडेंट और सीईओ हैं। खेलों के प्रति गहरी रुचि रखने वाले चेकुरी ने कहा, "गोवा गार्जियंस के साथ प्राइम वॉलीबॉल लीग में शामिल होना सिर्फ एक टीम लॉन्च नहीं, बल्कि भारतीय वॉलीबॉल में एक दीर्घकालिक निवेश है। हमारा लक्ष्य है भारत के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की एथलेटिक प्रतिभा को निखारना और उन्हें वैश्विक मंच प्रदान करना।" उन्होंने कहा, "मेरा सपना है कि भारत अगले दशक में ओलंपिक में वॉलीबॉल में प्रतिस्पर्धा करे। इसके लिए हमें एक लीग, एक सोच बनकर मिलकर काम करना होगा ताकि खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का एक्सपोजर और प्रशिक्षण मिल सके।

गोवा गार्जियंस इसी मिशन के लिए समर्पित है।" प्राइम वॉलीबॉल लीग के मार्केटिंग पार्टनर बेसलाइन वेंचर के मैनेजिंग डायरेक्टर और को-फाउंडर तुशीन मिश्रा ने कहा, "हर सीज़न में एक नई टीम का आना यह दर्शाता है कि लीग की पहुंच और लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। गोवा गार्जियंस के आने से लीग को और मजबूती मिलेगी और अधिक भारतीय खिलाड़ियों को खुद को साबित करने का मंच मिलेगा।" पीवीएल के सीईओ जॉय भट्टाचार्य ने कहा, "गोवा गार्जियंस एक बेहतरीन जोड़ है। चेकुरी की दूरदर्शिता और खेल के प्रति उनका समर्पण हमें भरोसा दिलाता है कि यह टीम कुछ खास लेकर आएगी। वॉलीबॉल पहले से ही भारत में लोकप्रिय खेल है और इस नई टीम की एंट्री इस बढ़ती लोकप्रियता का प्रतीक है।" गोवा गार्जियंस अब लीग में अहमदाबाद डिफेंडर्स, बेंगलुरु टॉरपीडोज़, कालीकट हीरोज़, चेन्नई ब्लिट्ज़, दिल्ली तूफ़ान्स, हैदराबाद ब्लैक हॉक्स, कोच्चि ब्लू स्पाइकर्स, कोलकाता थंडरबोल्ट्स और मुंबई मेटियर्स के साथ मुकाबला करेगी। लीग के चौथे सीज़न का प्लेयर ऑक्शन 8 जून को केलिकट में आयोजित होगा, जिसे प्राइम वॉलीबॉल लीग के यूट्यूब चैनल पर लाइव देखा जा सकेगा। इसके बाद 2 अक्टूबर से शुरू होगा सीज़न 4, जो दर्शकों को रोमांचक मुकाबले और विश्वस्तरीय वॉलीबॉल का अनुभव देगा।

● लीग का चौथा सीज़न 2 अक्टूबर से होगा शुरू, 8 जून को केलिकट में होगा प्लेयर ऑक्शन

गिल को टेस्ट मैच बल्लेबाजी पर काम करना होगा और बतौर कप्तान यह आसान नहीं : रिकी पोंटिंग

नई दिल्ली। आस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर रिकी पोंटिंग का मानना है कि शुभमन गिल को अपनी टेस्ट बल्लेबाजी पर काम करना होगा और इंग्लैंड दौरे पर कप्तानी की अतिरिक्त जिम्मेदारी के बीच उसे बल्लेबाजी क्रम में चौथे नंबर पर उतरना चाहिये। विराट कोहली के संन्यास के बाद भारत के लिये चौथे नंबर पर बल्लेबाजी को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। पोंटिंग ने कहा कि कप्तानी के शुरूआती दौर में गिल इस क्रम पर उतर सकते हैं। पोंटिंग ने आईपीएल के दौरान

पीटीआई से बातचीत में कहा ,'' गिल का सफेद गेंद के प्रारूप में फॉर्म जबर्दस्त है। उसे टेस्ट बल्लेबाजी में कुछ काम करना होगा। अगर आप नये कप्तान हैं तो यह आसान नहीं होता। नये कप्तान के लिये अपनी बल्लेबाजी को लेकर सोचना आसान नहीं होता। उन्होंने कहा कि भारत ने गिल को कप्तान बनाकर सही फैसला लिया है। दो बार के विश्व कप विजेता कप्तान पोंटिंग ने कहा कि गिल लंबे समय तक कप्तानी करेंगे। उन्होंने कहा ,'' पिछले सत्र में जब रोहित ने सिडनी टेस्ट नहीं खेलने का फैसला किया तो मेरी नजर में गिल कप्तान हो सकते थे। बुमराह की फिटनेस को लेकर आशंका थी और उस मैच के दौरान ही वह चोटिल हो गए थे।'' पोंटिंग ने यह भी कहा कि गिल को टेस्ट मैच बल्लेबाजी के मानसिक पहलू पर काम करना होगा। उन्होंने कहा ,'' ऐसे महान टेस्ट बल्लेबाज भी हुए हैं जिनकी रक्षात्मक तकनीक उतनी अच्छी नहीं थी। वीरेंद्र सहवाग इसका अच्छा उदाहरण हैं। लेकिन अगर आपका अपने स्ट्रोक्स पर नियंत्रण है तो रक्षात्मक तकनीक के बारे में ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं है। खेल के मानसिक पहलू पर काम करना होगा।''

कैपिटल हिल में अमेरिकी सांसदों से मुलाकात बेहद फायदेमंद रही: थरूर

जो लोग राष्ट्रहित में काम करना पार्टी विरोधी समझते हैं, उन्हें खुद से सवाल करना चाहिए

वाशिंगटन। सांसद शशि थरूर ने उनके कांग्रेस छोड़ने की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि जो कोई भी यह मानता है कि राष्ट्रीय हित में काम करना कोई पार्टी विरोधी गतिविधि है, उसे खुद से सवाल करने की जरूरत है। थरूर पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद आतंकवाद के खिलाफ दुनिया को भारत के रुख से अवगत कराने के लिए एक सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं और वह इस समय अमेरिका में हैं।

कुछ कांग्रेस नेताओं ने पहलगाम हमले के बाद सरकार के रुख का समर्थन करने के लिए थरूर की आलोचना की है। कांग्रेस नेता को उनकी पार्टी के एक सहयोगी ने तो 'भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) का महाप्रवक्ता' तक कह दिया। थरूर ने एक साक्षात्कार में कहा कि सच कहूं तो, जब कोई देश की सेवा कर रहा हो, तो मुझे नहीं लगता कि उसे इन चीजों के बारे में बहुत ज्यादा चिंता करने की जरूरत है।' जब उनसे पूछा गया कि भारत लौटने पर वह अपने आलोचकों को क्या संदेश देंगे, तो उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि जो कोई भी यह समझता है कि राष्ट्रीय हित में काम करना किसी प्रकार की पार्टी विरोधी गतिविधि है, उसे हमसे नहीं, बल्कि खुद से सवाल करने की जरूरत है।

कई बार कुछ मुद्दों पर थरूर की टिप्पणियां कांग्रेस पार्टी के आधिकारिक रुख से भिन्न रही हैं। सोशल मीडिया पर इस बात को लेकर चर्चा हो रही है कि क्या थरूर कांग्रेस में बने रहेंगे या भाजपा में शामिल होंगे। इन अटकलों को लेकर थरूर ने कहा कि मैं संसद का निर्वाचित सदस्य हूं। मेरे कार्यकाल के चार साल बाकी हैं। मुझे नहीं पता कि इस पर कोई सवाल क्यों पूछा जा रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आलोचना करते हुए हाल में कहा था कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का फोन आने के बाद उन्होंने 'आत्मसमर्पण' कर दिया है। थरूर ने इस बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि लोकतंत्र में राजनीतिक दलों द्वारा विरोध करना, आलोचना करना और मांगें करना सामान्य बात है। उन्होंने कहा कि हम यहां किसी पार्टी के राजनीतिक मिशन पर नहीं आए हैं। हम यहां एकजुट भारत के प्रतिनिधि के तौर पर आए हैं। थरूर ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल में तीन धर्मों और सात राज्यों से पांच राजनीतिक दल शामिल थे। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि उन्होंने देखा कि उनके मित्र सलमान खुर्शीद से पूछा गया कि क्या आजकल भारत में देशभक्त होना इतना मुश्किल है।

थरूर के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों में सरफराज अहमद (झारखंड मुक्ति मोर्चा), जी. हरीश बालयोगी (तेलुगु देशम पार्टी), शशांक मणि त्रिपाठी (भारतीय जनता पार्टी), भुवनेश्वर कलिता (भारतीय जनता पार्टी), मिलिंद देवरा (शिवसेना), तेजस्वी सूर्या (भारतीय जनता पार्टी) और अमेरिका में भारत के पूर्व राजदूत तरनजीत संधू शामिल हैं। यह प्रतिनिधिमंडल 24 मई को भारत से न्यूयॉर्क पहुंचा था और फिर यह गुयाना, पनामा, कोलंबिया एवं ब्राजील की यात्रा करके वॉशिंगटन आया। थरूर ने कहा कि यह प्रतिनिधिमंडल भारत की विविधता को दर्शाता है। हम एकजुट होकर एक संदेश लेकर आए हैं इसलिए इस समूह में विविधता में भी एकता दिखती है। मेरे विचार से हमारा ध्यान इस एकजुट संदेश पर होना चाहिए क्योंकि जब राष्ट्रीय हित, राष्ट्रीय सुरक्षा की बात आती है तो मुझे लगता है कि कुल मिलाकर राष्ट्र एकजुट है। थरूर ने कहा कि वे किसी पार्टी के राजनीतिक मिशन पर नहीं हैं बल्कि एकजुट भारत के प्रतिनिधियों के तौर पर कई देशों का दौरा कर रहे हैं।

उन्होंने एक पुराने साक्षात्कार का हवाला देते हुए कहा कि हमारे राजनीतिक मतभेद सीमा पर खत्म हो जाते हैं। जब आप एक बार सीमा पार कर लेते हैं तो आप भारतीय हो जाते हैं और आपकी अन्य निष्ठाएं दोयम हो जाती हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच 'संघर्षविराम' में मध्यस्थता को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा बार-बार किए जा रहे दावों से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए थरूर ने कहा कि मुझे इस पर बात करने की जरूरत नहीं है क्योंकि मैं 'व्हाइट हाउस' (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) के साथ हमारे संबंधों में किसी भी तरह की जटिलता पैदा करने के लिए यहां नहीं हूं। उन्होंने कहा कि हम अमेरिकी राष्ट्रपति पद और अमेरिका के राष्ट्रपति का बहुत सम्मान करते हैं और मुझे लगता है कि हम ठीक से नहीं जानते कि उनके लोगों ने पाकिस्तान से क्या कहा।

थरूर ने कहा कि किसी को हमें समझाने की जरूरत नहीं, क्योंकि पहले दिन से ही हमारा संकेत था कि अगर पाकिस्तान जवाबी हमला करता है तो हम उस पर और भी जोरदार हमला करेंगे। अगर वे रुकते हैं तो हम भी रुक जाएंगे। हमने पहले दिन से ही यह कहा था। हमने आखिरी दिन भी यही कहा। उन्होंने कहा कि इसलिए हमारे दृष्टिकोण से हमें रुकने के लिए कहने की कोई जरूरत नहीं थी क्योंकि पाकिस्तान के रुकते ही हमें रुक जाना था। थरूर ने कहा कि बेशक, उन्होंने (अमेरिका ने) पाकिस्तान से बात की होगी। उन्होंने पाकिस्तान से कई बातें कही होंगी। हम कभी नहीं जान पाएंगे कि क्या कहा गया क्योंकि यह उनके और पाकिस्तान के बीच की बात है। उन्होंने कहा कि (बातचीत के बारे में) मैं आपको नहीं बता सकता क्योंकि मैं पाकिस्तानी नहीं हूं और मैं अमेरिकी भी नहीं हूं। पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान में नौ आतंकवादी ढांचों पर सटीक हमले किए थे जिसके बाद पाकिस्तान ने आठ, नौ और 10 मई को भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमला करने का प्रयास किया। भारत ने कई प्रमुख पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठानों को भारी नुकसान पहुंचाकर पाकिस्तानी हमलों का कड़ा जवाब दिया। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने 10 मई को घोषणा की कि भारत और पाकिस्तान के बीच भूमि, वायु और समुद्र में सभी प्रकार की सैन्य कार्रवाइयों को रोकने को लेकर सहमति बन गई है।

भारत को किसी की मध्यस्थता की जरूरत नहीं: थरूर ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर कहा

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत एवं पाकिस्तान के बीच हालिया संघर्ष विराम में अपनी भूमिका को लेकर बार-बार किए जा रहे दावों के बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि भारत, अमेरिकी राष्ट्रपति पद का सम्मान करता है लेकिन नयी दिल्ली ने 'कभी नहीं चाहा कि वह किसी से मध्यस्थता करने के लिए कहे' और किसी को हमें यह बताने की जरूरत नहीं कि हमें 'रुकना' है। सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल के नेता थरूर मंगलवार दोपहर यहां पहुंचे और प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को अमेरिकी सांसदों एवं सरकारी अधिकारियों के साथ बैठकें कीं। थरूर ने कहा कि मैं बस इतना कह सकता हूं कि हम अमेरिका के राष्ट्रपति के पद और अमेरिकी राष्ट्रपति का बहुत सम्मान करते हैं। हम अपने लिए बस इतना ही कह सकते हैं कि हमने कभी किसी से मध्यस्थता करने के लिए नहीं कहना चाहा। उन्होंने बुधवार को यहां 'नेशनल प्रेस क्लब' में कहा कि भारत को पाकिस्तानियों को उन्हीं की भाषा में जवाब देने में कोई दिक्कत नहीं थी। उन्होंने कहा कि जब तक वे आतंकवाद की भाषा का इस्तेमाल करते रहेंगे, हम बल की भाषा का इस्तेमाल करेंगे। इसके लिए किसी तीसरे पक्ष की जरूरत नहीं है। विदेश मामलों की संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष थरूर इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। इस प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों में सरफराज अहमद (झारखंड मुक्ति मोर्चा), जी. हरीश बालयोगी (तेलुगु देशम पार्टी), शशांक मणि त्रिपाठी (भारतीय जनता पार्टी), भुवनेश्वर कलिता (भारतीय जनता पार्टी), मिलिंद देवरा (शिवसेना), तेजस्वी सूर्या (भारतीय जनता पार्टी) और अमेरिका में भारत के पूर्व राजदूत तरनजीत संधू शामिल हैं। यह प्रतिनिधिमंडल 24 मई को भारत से न्यूयॉर्क पहुंचा था और फिर यह गुयाना, पनामा, कोलंबिया एवं ब्राजील की यात्रा करके वॉशिंगटन आया। थरूर ने कहा कि अगर पाकिस्तान आतंकवाद के बुनियादी ढांचे को खत्म कर दे तो 'हम उनसे बात कर सकते हैं।' उन्होंने कहा कि अगर वे यह दिखाने के लिए गंभीर कदम उठाते हैं कि वे हमारे साथ सामान्य संबंध बहाल करना चाहते हैं तो हम किसी मध्यस्थ की आवश्यकता के बिना उनसे निश्चित रूप से फिर से बात कर सकते हैं।' थरूर ने कहा कि जैसा कि मैंने कहा, इस संघर्ष के दौरान किसी भी स्थिति में भारत को इस बात की जरूरत नहीं थी कि कोई उसे रुकने के लिए कहे। किसी को भी हमें 'रुकने' के लिए कहने की आवश्यकता नहीं थी क्योंकि हम उनसे कह रहे थे कि जैसे ही पाकिस्तान रुकेगा, हम रुकने के लिए तैयार हैं।' उन्होंने कहा कि इसलिए यदि उन्होंने पाकिस्तानियों से कहा कि 'आप रुक जाइए क्योंकि भारतीय रुकने को तैयार हैं' और उन्होंने ऐसा ही किया तो यह पाकिस्तान को लेकर उनकी ओर से एक अच्छा कदम था। उन्होंने कहा कि हम बस इतना ही कह सकते हैं कि हमारी बातचीत में इनमें से कुछ बातें सामने नहीं आईं। थरूर ने कहा कि वह यह बात 'रचनात्मक भावना' से कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे मन में अमेरिका के लिए बहुत सम्मान है, और वाशिंगटन के साथ हमारी बहुत महत्वपूर्ण, मूल्यवान रणनीतिक साझेदारी है जिसे हम किसी छोटी सी बात के कारण जोखिम में नहीं डालना चाहेंगे। हम इस समय सहयोग के कई क्षेत्रों के बारे में बात कर रहे हैं, हम उन सभी को बढ़ाने में रुचि रखते हैं। इसलिए छोटी-छोटी बातें हो सकती हैं लेकिन हम कल पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। थरूर से ट्रंप द्वारा लगातार किए जा रहे इस दावे पर भारत की प्रतिक्रिया के बारे में सवाल पूछा गया था कि अमेरिका के राष्ट्रपति ने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम में मध्यस्थता की। थरूर ने इसी सवाल के जवाब में यह टिप्पणी की। उनसे यह भी पूछा गया कि क्या यह ऐसा सवाल है जो कांग्रेस भारत में पूछती रहती है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने टिप्पणी की थी कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ट्रंप का फोन आने के बाद 'आत्मसमर्पण' कर दिया। प्रतिनिधिमंडल के सदस्य देवरा ने कहा कि जहां तक राजनीतिक सवाल की बात है, तो मैं थरूर की प्रशंसा करना चाहूंगा। मैं उन्हें लंबे समय से जानता हूं। वह पार्टी से पहले हमेशा देश को प्राथमिकता देते हैं। सूर्या ने देवरा की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'बिल्कुल।' भारत और पाकिस्तान के बीच वार्ता को प्रोत्साहित करने में अमेरिका की क्या भूमिका है, इस सवाल के जवाब में थरूर ने कहा कि मुझे लगता है कि अमेरिका को यह समझ में आ गया है कि भारत का रुख बहुत स्पष्ट है कि हमारे सिर पर बंदूक तानकर कोई बातचीत नहीं होगी। ऐसा नहीं है कि हम पाकिस्तान से बात नहीं कर सकते। थरूर ने कहा कि भारत वे सभी भाषाएं बोल सकता है जो पाकिस्तानी बोलते हैं। समस्या यह है कि हम उन लोगों से बातचीत नहीं करेंगे जो हमारे सिर पर बंदूक तान रहे हैं। आप उन लोगों से बात नहीं करेंगे जो आपकी कनपटी पर बंदूक तान रहे हैं। ऐसा नहीं होगा। थरूर ने भारतीय दूतावास में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा कि जब भी कोई पूछता है कि क्या भारत पाकिस्तान से बात करेगा या क्या मध्यस्थता से बातचीत को बढ़ावा मिलेगा तो 'हमारा जवाब बहुत स्पष्ट है। हम उन लोगों से बात नहीं कर सकते जो हमारे सिर पर बंदूक तान रहे हैं।' उन्होंने कहा कि यदि आपका पड़ोसी अपने हमलावर कुत्तों के साथ आपके बच्चों पर हमला करता है और फिर कहता है, 'चलो बात करते हैं', तो क्या आप उनसे तब तक बात कर सकते हैं जब तक वह हमलावर कुत्तों को दूर नहीं कर देता? 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया था तथा 7 मई की सुबह भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी बुनियादी ढांचे पर सटीक हमले किए। 10 मई को दोनों पक्षों के सैन्य संचालन महानिदेशकों के बीच वार्ता के बाद सैन्य कार्रवाई को रोकने की सहमति बनी।

संक्षिप्त खबरें

इजरायल ने गाजा निवासियों को उत्तर की ओर न जाने की चेतावनी दी

यरूशलम। इजरायल ने बुधवार रात गाजा पट्टी के निवासियों को अपनी सुरक्षा के लिए उत्तर की ओर न जाने की तत्काल चेतावनी जारी की। इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) के प्रवक्ता अविचाय एड्राई ने सोशल मीडिया एक्स पर गाजा शहर के उत्तर में स्थित बेत लाहिया, जबालिया और बेत हनून में वापस लौटने वाले या लौटने का इरादा रखने वाले गाजा निवासियों को संबोधित करते हुए चेतावनी दी कि आईडीएफ इन क्षेत्रों में भारी बल के साथ काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि गाजा शहर में सलाह खलाफ स्ट्रीट और जबालिया में अल कुद्स स्ट्रीट के उत्तर के क्षेत्र खतरनाक युद्ध क्षेत्र माने जाते हैं। चेतावनी में लिखा था, 'अपनी सुरक्षा के लिए इन क्षेत्रों की ओर उत्तर की ओर बढ़ने से बचें।' इजरायल ने हमास के साथ दो महीने के युद्धविराम के बाद 18 मार्च को गाजा पर अपना हमला फिर से शुरू किया। गाजा स्थित स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार हमलों में अब तक 4,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं।

सूडान में अर्धसैनिक बलों के हमले में 14 की मौत

खार्तूम। पश्चिमी सूडान में उत्तरी दारफुर की राजधानी एल फशर में एक विस्थापन शिविर के अंदर एक बाजार को निशाना बनाकर किए गए अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) के हमले में बुधवार को कम से कम 14 लोग मारे गए। एक स्थानीय अधिकारी ने यह जानकारी दी है। उत्तरी दारफुर राज्य के स्वास्थ्य प्राधिकरण के महानिदेशक इब्राहिम ख़ातिर ने बताया किआज जब आरएसएफ मिलिशिया ने अबू शौक शिविर के एक लोकप्रिय बाज़ार पर गोलाबारी की तो चौदह लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। इस बीच अबू शौक शिविर के आपातकालीन कक्ष एक स्वयंसेवी समूह ने बुधवार को एक संक्षिप्त बयान में पुष्टि की कि शिविर के अंदर न्याला मार्केट को निशाना बनाकर आरएसएफ द्वारा किए गए हमले में 14 लोग मारे गए और अन्य घायल हो गए। आरएसएफ ने अभी तक हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। 10 मई 2024 से एल फ़शेर में एक तरफ सूडानी सशस्त्र बलों (एसएएफ) और उसके सहयोगी बलों और दूसरी तरफ आरएसएफ के बीच भीषण झड़पें हुई हैं। एल फ़शेर दारफुर क्षेत्र का प्रशासनिक केंद्र है, जिसमें पाँच राज्य शामिल हैं।

तुर्की में आईएस का एक सदस्य गिरफ्तार

इस्तांबुल। तुर्की पुलिस ने बुधवार को इस्तांबुल हवाई अड्डे पर आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) के एक सदस्य को गिरफ्तार किया है। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी है। गिरफ्तार व्यक्ति आंतरिक मंत्रालय की मोस्ट-वांटेड आतंकवादी संदिग्धों की सूची में था। डेमिरोरेन समाचार एजेंसी के अनुसार संदिग्ध व्यक्ति की पहचान ओजगुर अल्तुन के रूप में की गई है जो कथित तौर पर आईएस के तथाकथित खुरासान प्रांत में एक उच्च पदस्थ व्यक्ति था।अधिकारियों ने बताया कि अल्तुन समूह के मीडिया आउटलेट्स में एक प्रबंधकीय पद पर था। वह संगठन में शामिल होने के इच्छुक व्यक्तियों के लिए वीजा और वित्तीय सहायता का समन्वय करता था और आईएस गतिविधियों को वित्तपोषित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले क्रिप्टोकरेंसी खातों तक पहुंच की देखरेख करता था।

ट्रंप से बातचीत के कुछ घंटे बाद रूस ने यूक्रेन पर किया हमला

एक वर्षीय बच्चे सहित पांच लोगों की मौत

कीव। उत्तरी यूक्रेन के प्रिलुकी शहर पर बृहस्पतिवार रात हुए रूस के ड्रोन हमले में एक वर्षीय बच्चे सहित कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। क्षेत्रीय गवर्नर वियाचेस्लाव चौस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। चौस ने कहा कि हमले में छह और लोग घायल हुए तथा उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार सुबह शाहेद श्रेणी के छह ड्रोन ने प्रिलुकी के रिहाइशी क्षेत्रों पर हमला किया जिससे आवासीय भवनों को भारी नुकसान पहुंचा। क्षेत्रीय प्रमुख ओलेह सिनीहुबोव ने इसके कुछ घंटे बाद 'टेलीग्राम' पर लिखा कि बृहस्पतिवार को यूक्रेन के पूर्वी शहर खारकीव में रूसी ड्रोन हमले में 17 लोग घायल हो गए जिनमें बच्चे, एक गर्भवती महिला और 93 वर्षीय एक महिला भी शामिल हैं। शाहेद श्रेणी के ड्रोन ने रात करीब एक बजकर पांच मिनट पर स्लोबिदस्की जिले में दो अपार्टमेंट पर हमला किया, जिससे आग लग गई और कई निजी वाहन नष्ट हो गए।

इन हमलों से पहले रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच फोन पर बातचीत हुई थी। ट्रंप ने कहा था कि पुतिन ने बुधवार को उन्हें फोन पर 'बहुत दृढ़ता से' बताया कि वह रूसी हवाई अड्डों पर सप्ताहांत में हुए यूक्रेन के ड्रोन हमले का जवाब देंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि पुतिन के साथ उनकी एक लंबी बातचीत हुई और 'यह एक अच्छी बातचीत थी, लेकिन यह ऐसी बातचीत नहीं थी जिससे तत्काल शांति स्थापित हो सके। यह पहली बार है जब ट्रंप ने रूस के अंदर यूक्रेन के हमले पर टिप्पणी की।

ट्रंप ने हार्वर्ड में पढ़ने के इच्छुक विदेशी छात्रों का अमेरिका में प्रवेश रोकने के लिए उठाया कदम

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हार्वर्ड विश्वविद्यालय में पढ़ने के इच्छुक लगभग सभी विदेशी छात्रों का देश में प्रवेश रोकने के लिए एक शासकीय आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं। यह 'आइवी लीग स्कूल' से अंतरराष्ट्रीय छात्रों को दूर रखने का उनका नया प्रयास है।

'आइवी लीग' हार्वर्ड विश्वविद्यालय समेत अमेरिका के आठ प्रतिष्ठित निजी विश्वविद्यालयों का समूह है। ट्रंप ने बुधवार को एक शासकीय आदेश पर हस्ताक्षर किए जिसमें घोषणा की गई है कि हार्वर्ड को मैसाचुसेट्स के कैम्ब्रिज स्थित अपने परिसर में विदेशी छात्रों को दाखिला देने की अनुमति देना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा होगा। ट्रंप ने आदेश में लिखा कि मैंने यह तय किया है कि उक्त वर्णित विदेशी नागरिकों के वर्ग का प्रवेश अमेरिका के हितों के लिए हानिकारक है क्योंकि मेरे विचार में हार्वर्ड के आचरण ने इसे विदेशी छात्रों और शोधकर्ताओं के लिए अनुपयुक्त गंतव्य बना दिया है। यह देश के सबसे पुराने और सबसे धनी विश्वविद्यालय के साथ 'व्हाइट हाउस' (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) के टकराव की दिशा में एक और कदम है। बोस्टन की एक संघीय अदालत ने हार्वर्ड में अंतरराष्ट्रीय छात्रों पर रोक लगाने से गृह सुरक्षा विभाग को पिछले सप्ताह रोक दिया था लेकिन ट्रंप का आदेश एक अलग कानूनी प्राधिकार का इस्तेमाल करता है। ट्रंप ने एक व्यापक संघीय कानून का हवाला दिया है जो राष्ट्रपति को उन विदेशियों को रोकने का अधिकार देता है जिनका प्रवेश 'अमेरिका के हितों के लिए हानिकारक' हो सकता है। उन्होंने बुधवार को इसी प्राधिकार का हवाला देते हुए यह भी घोषणा की कि 12 देशों के नागरिकों के अमेरिका आने पर रोक रहेगी तथा सात अन्य देशों के नागरिकों पर भी कुछ पाबंदियां होंगी। ट्रंप के हार्वर्ड संबंधी आदेश में कई अन्य कानूनों का भी हवाला दिया गया है जिनमें आतंकवादी संगठनों से जुड़े विदेशियों पर प्रतिबंध लगाने वाला कानून भी शामिल है।

ट्रंप ने बाइडन के खिलाफ जांच का आदेश दिया

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्षमादान देने और अन्य दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने के लिए पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा 'ऑटोपेन' का इस्तेमाल किए जाने की जांच करने का बुधवार को आदेश दिया। इसके अलावा अमेरिकी संसद के निचले सदन-प्रतिनिधि सभा में रिपब्लिकन पार्टी के नेताओं ने भी बाइडन के करीबी सदस्यों से पूछताछ का अनुरोध किया है। 'ऑटोपेन' एक यांत्रिक उपकरण है जिसका उपयोग किसी व्यक्ति के प्रामाणिक हस्ताक्षर की नकल करने के लिए किया जाता है और अमेरिका के राष्ट्रपति दशकों से इसका इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन ट्रंप ने आरोप लगाया है कि बाइडन की कुछ कार्रवाइयां अमान्य थीं एवं उनके सहयोगियों ने राष्ट्रपति के अधिकार का दुरुपयोग किया ताकि बाइडन की 'सोचने- समझने की शक्ति कमजोर' होने की बात को छिपाया जा सके। ट्रंप ने एक ज्ञापन में लिखा कि साजिश अमेरिकी इतिहास के सबसे खतरनाक और चिंताजनक घोटालों में से एक है।

ट्रंप ने 12 देशों पर यात्रा प्रतिबंध की घोषणा की

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल की यात्रा प्रतिबंध नीति को फिर से लागू करते हुए बुधवार रात एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए जिसके तहत 12 देशों के लोगों के अमेरिका में प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। इन देशों में अफगानिस्तान, म्यांमा, चाड, कांगो गणराज्य, इक्वेटोरियल गिनी, इरीट्रिया, हैती, ईरान, लीबिया, सोमालिया, सूडान और यमन शामिल हैं। इन देशों पर यात्रा प्रतिबंध सोमवार रात 12 बजकर एक मिनट से लागू होंगे। इसके अलावा बुरुंडी, क्यूबा, लाओस, सिएरा लियोन, टोगो, तुर्कमेनिस्तान और वेनेजुएला से आने वाले लोगों पर भी कड़े प्रतिबंध होंगे। ट्रंप ने अपने घोषणापत्र में कहा कि मुझे अमेरिका और उसके लोगों की सुरक्षा और राष्ट्रीय हित की रक्षा के लिए कार्य करना होगा।

हज के लिए दुनिया भर से 15 लाख से ज्यादा मुस्लिम पहुंचे सऊदी अरब

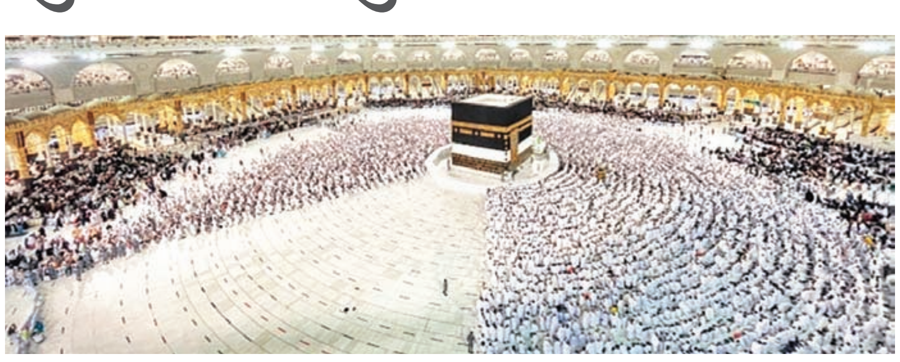

अराफात (सऊदी अरब)। इस साल हज करने के लिए दुनियाभर से 15 लाख से ज्यादा जायरीन सऊदी अरब पहुंचे हैं। सरकार के एक प्रवक्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी। हज इस्लाम के पांच स्तंभों में से एक है और आर्थिक एवं शारीरिक तौर पर सक्षम मुस्लिम के लिए यह जरूरी माना जाता है कि वह जीवन में कम से कम एक बार हज करे।

हज मंत्रालय के प्रवक्ता गस्सान अल नौइमी ने विदेशी हज यात्रियों की अनुमानित संख्या के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने यह नहीं बताया कि सऊदी अरब के कितने लोग इस साल हज कर रहे हैं। पिछले साल दुनियाभर के 16 लाख से ज्यादा मुस्लिमों ने हज किया था। हज यात्री बुधवार को अराफात पहुंचने लगे। करीब 40 डिग्री सेल्सियस की भीषण गर्मी में कुछ लोग पैदल यात्रा कर रहे थे तो अन्य लोग बुजुर्गों को साथ लेकर चल रहे थे। मक्का के दक्षिण-पूर्व में स्थित पहाड़ी 'माउंट अराफात' का इस्लाम में बहुत महत्व है। अराफात का जिक्र कुरान में भी किया गया है और कहा जाता है कि यहीं पर पैगंबर मोहम्मद ने अपने अंतिम हज के दौरान अपना अंतिम खुतबा (उपदेश) दिया था। पैगंबर की पारंपरिक उक्तियों के अनुसार, अराफात का दिन साल का सबसे पवित्र दिन होता है, जब अल्लाह जायरीनों के करीब आते हैं और उनके गुनाहों को माफ करते हैं। हज यात्री आधी रात से लेकर सूर्यास्त तक अराफात में इबादत करेंगे। वे बृहस्पतिवार को सूर्यास्त के बाद कंकड़ियां इकट्ठा करने के लिए मुजदलिफा के रेगिस्तानी मैदान में जाएंगे, जिसका इस्तेमाल वे शैतान को कंकड़ी मारने की रस्म के लिए करेंगे।

पाक: आतंकवादियों ने निजी कंपनी के कर्मचारियों को अगवा किया

पेशावर। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में अज्ञात आतंकवादियों ने बृहस्पतिवार को एक निजी कंपनी के 11 कर्मचारियों का अपहरण कर लिया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। हालांकि, पुलिस ने संदिग्धों का पीछा किया और अपहृत कर्मचारियों में से छह को बचा लिया।

सूचना मिलते ही डेरा इस्माइल खान के जिला पुलिस अधीक्षक और आतंकवाद निरोधक विभाग के पुलिस अधीक्षक शकील खान अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और तलाशी शुरू की। शेष पांच बंधकों को बचाने और संदिग्धों को पकड़ने के लिए फिलहाल तलाशी अभियान जारी है। एक निजी कंपनी के तीन वाहनों में सवार ये कर्मचारी इस्लामाबाद से क्वेटा जा रहे थे, तभी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के डेरा इस्माइल खान जिले में दोमांडा ब्रिज के पास उनका अपहरण कर लिया गया।

एक अलग घटना में अफगानिस्तान की सीमा से लगे खैबर जिले के तिराह घाटी के निवासियों ने पाकिस्तानी सेना के एक सैनिक के अपहरण के प्रयास को विफल कर दिया।